शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस के सदस्य हिंदू विरोधी दलित विरोधी हैं: केंद्रीय मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 12 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-100

तेलंगाना में भी जातीय जनगणना का राहुलवादी फर्जी शिगूफा

रोजगार देने में फेल रेवंत सरकार की नई चाल

तेलंगाना की 162 जातियां सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ी हैं

इन पिछड़ी जातियों को सियासी जुमलेबाजियों से कोई फायदा नहीं

तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने हाल ही में तेलंगाना सामाजिक, जातिगत, आर्थिक, रोजगार और राजनीतिक सर्वेक्षण (संक्षेप में जातिगत जनगणना) का काम पूरा किया, जिसका घोषित उद्देश्य तेलंगाना की करीब साढ़े तीन करोड़ आबादी की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार सम्बन्ध एवं राजनीतिक और जाति संबंधी स्थिति का समग्रता में जायजा लेना है। इसका इस्तेमाल तेलंगाना में पिछड़ी जातियों का आरक्षण बढ़ाने की सियासत के लिए किया जाना है। गत 4 फरवरी को इस सर्वेक्षण की संक्षिप्त रिपोर्ट तेलंगाना विधानसभा में प्रस्तुत की गई। उसके बाद से राज्य में राजनीतिक तापमान अचानक बढ़ गया क्योंकि सभी पार्टियां पिछड़ी जातियों की वास्तविक प्रतिनिधि होने का दावा ठोक रही हैं। लेकिन इस राजनीतिक उठापठक में बेर-ोजगारी की असली समस्या हाशिए पर धकेली जा रही है।

बिहार और कर्नाटक के बाद तेलंगाना जातिगत जनगणना कराने वाला तीसरा राज्य बन

शुभ-लाभ विमर्श

जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने ऐसी ही कवायद राष्ट्रीय स्तर पर भी कराने की मांग उठाई है। कई लोग जातिगत जनगणना को मंडल 2.0 की संज्ञा दे रहे हैं और इसे हिंदुत्व की राजनीति के खिलाफ तुरुप का पत्ता मान रहे हैं। हालांकि राजनीति के विशेषज्ञ यह मानते हैं कि भाजपा और संघ परिवार से लड़ने में कांग्रेस या विपक्ष की यह रणनीति कारगर साबित नहीं होने वाली है।तेलंगाना की जातिगत जन-गणना में यह तथ्य सामने आया है कि राज्य की आबादी का करीब 56 प्रतिशत पिछड़ी जातियों से आता है जिसमें मुस्लिम समुदाय की पिछड़ी जातियां भी शामिल हैं। गैर-मुस्लिमों में पिछड़ी जातियों की आबादी कुल आबादी का लगभग 46 प्रतिशत है। इस डेटा

शिगूफों के बूते भाजपा से नहीं लड़ सकती कांग्रेस पार्टी : विशेषज्ञ

रेवंत सरकार नीलू, निधूलू और नियमकालू में नाकाम साबित हुई

के आधार पर तेलंगाना की कैबिनेट ने सार्वजनिक शिक्षा और सरकारी नौकरियों में पिछड़ी जातियों का कोटा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के बिल को मंजूरी दे दी है। कई राजनीतिक दलों तथा जाति-आधारित संगठनों ने चुनावी गणित के मद्देनजर जातिगत जनगणना को लेकर आपत्तियां उठाई हैं। इस जनगणना की पद्धति को लेकर भी तमाम सवाल ▶10पर

3900 करोड़ की 44 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

मैं काशी का हूं और काशी मेरी है : मोदी

वाराणसी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। काशीवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने 3900 करोड़ रुपए की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में पीएम ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा, काशी मेरी है और मैं काशी का हूं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में काशी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है। उन्होंने कहा कि काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने

भारत की आत्मा विविधता में बसती है काशी उसकी सबसे सुंदर तस्वीर

भारत आज विकास और विरासत दोनों एक साथ लेकर चल रहा है: मोदी

आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। पीएम ने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे का केंद्र बताया और कहा, जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन, आज उहे काशी पूर्वांचल के विकास के रथ के खींचत हौ। उन्होंने काशी की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के सामंजस्य को भारत के विकास का एक अनूठा मॉडल करार दिया। पीएम ने काशी और पूर्वांचल के लिए 3900 करोड़ रुपए की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, गांव-गांव तक नल से जल पहुंचाने की योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और खेल के क्षेत्र में नई पहल शामिल हैं। ▶10पर

नव-काशी देखने के लिए हर श्रद्धालु उतावला: योगी

वाराणसी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। महाकुंभ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र काशी आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा, विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में काशी का जो विकास हुआ है उस नई काशी को, उसके नए कलेवर को देखने के लिए पूरे देश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। हर किसी ने पिछले 11 वर्ष में बदलती हुई काशी को देखा है। यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी, अपने जाम के लिए जानी जाती थी। काशी शिक्षा का प्राचीन केंद्र रही है, लेकिन अस्त-व्यस्त पड़े शिक्षा केंद्रों के साथ ही स्वास्थ्य के लिए, पर्यटन के लिए, कनेक्टिविटी के लिए पिछले 11 वर्षों में यहां 50000 करोड रुपए से अधिक की परियोजनाएं आई हैं। ▶10पर

आनंदपुर धाम आकर मन अभिभूत है: मोदी

अशोकनगर (मध्य प्रदेश), 11 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अशोकनगर जिले के ईसागढ़ तहसील स्थित श्री आनंदपुर धाम में सत्संग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारा भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती है। आनंदपुर धाम आकर मेरा मन अभिभूत है। हृदय आनंद से भर गया है। जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया हो, जहां परमार्थ परंपरा बन गया हो। वह धरती साधारण नहीं है। हमारे संतों ने अशोकनगर के बारे में कहा था कि यहां शोक आने से डरता है।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा, जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है, कोई न कोई ऋषि, ▶10पर

तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी ने खेला बड़ा दांव

एआईएडीएमके और भाजपा में हुआ चुनावी गठबंधन

चेन्नई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भाजपा और एआईएडीएमके के बीच आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एआईएडीएमके नेता ईके पलानीस्वामी के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। अमित शाह ने यह भी कहा, एनडीए पलानीस्वामी के नेतृत्व में राज्य में चुनाव लड़ेगा। चेन्नई में एआईएडीएमके नेता ईके पलानीस्वामी के साथ प्रेसवार्ता में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज एआईएडीएमके और भाजपा के नेताओं ने मिलकर तय किया है कि आने वाला तमिलनाडु विधानसभा चुनाव एआईएडीएके, भाजपा और सभी साथी दल मिलकर एनडीए के रूप में एक साथ लड़ेंगे। अमित शाह ने कहा, ये चुनाव राष्ट्रीय स्तर पर पीएम मोदी के नेतृत्व में और राज्य स्तर पर एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। हम जनता के असली मुद्दों को लेकर मिल कर जनता के बीच ले जाएंगे और मैं मानता हूं कि तमिलनाडु की जनता असली मुद्दों को जानती है और डीएमके से जवाब भी चाहती है।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने तमिलनाडु इकाई के नए अध्यक्ष के रूप में नैनार नागेंद्रन को चुना है। यह फैसला न सिर्फ भाजपा की रणनीति में बदलाव का संकेत देता है, बल्कि 2026 के विधानसभा चुनावों में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन को कड़ी टक्कर देने की तैयारी को भी दर्शाता है। नैनार नागेंद्रन के नामांकन में सबसे रेखांकित करने वाली बात यह रही कि मौजूदा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने खुद उनके नाम का प्रस्ताव रखा,

अमित शाह और पलानीस्वामी की साझा घोषणा

तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष बने नैनार नागेंद्रन

जिसे पार्टी के बड़े नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। डीएमके-कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा और एआईएडीएमके गठबंधन की धुरी नागेंद्रन बन सकते हैं। वे थेवर समुदाय से हैं, जो दक्षिणी तमिलनाडु में प्रभावशाली है। भाजपा को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन अवश्य होगा। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली विधानसभा सीट से भाजपा विधायक नयनार नागेंद्रन ने अकेले इस पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। पार्टी ने कहा कि उनके नाम का प्रस्ताव वर्तमान अध्यक्ष के अन्नामलई, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, पूर्व केंद्रीय मंत्री पोन राधाकृष्णन और भाजपा विधायक और महिला मोर्चा अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन ने रखा। उनके नाम की घोषणा के लिए खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चेन्नई पहुंचे और नागेंद्रन-अन्नामलाई के साथ नागेंद्रन को तमिलनाडु भाजपा का अध्यक्ष घोषित किया। इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने एआईएडीएमके के साथ गठबंधन का भी ऐलान कर दिया। ▶10पर

राफेल मरीन के लिए भारत-फ्रांस के बीच हुई मेगा डील

भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाएंगे 26 लड़ाकू विमान

आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य पर तैनात होंगे विमान

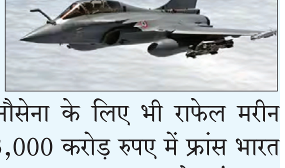

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के लिए फ्रांस से अत्याधुनिक राफेल विमानों के सौदे के बाद अब रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए भी राफेल मरीन खरीदने के लिए डील पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 63,000 करोड़ रुपए में फ्रांस भारत को 26 राफेल मरीन फाइटर जेट्स देगा। ताजा करार के तहत भारत सरकार को फ्रांस 22 सिंगल सीटर राफेल जेट देगा और 4 ट्विन सीटर जेट देगा। ट्विन सीटर जेट का इस्तेमाल ट्रेनिंग पर्पज के लिए किया जाएगा। कम समय में टेक-ऑफ करने में सक्षम ये फाइटर जेट्स भारतीय नौसेना की ताकत को कई गुना तक बढ़ा देंगे। फ्रांस से डिलीवरी मिलने के बाद इन्हें आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य पर तैनात किया जाएगा। गौरतलब है कि 50.1 फीट लंबा राफेल मरीन बहुत ही हल्का एयरक्राफ्ट है, जो कि केवल 15,000 किलो का है। 3700 रेंज की मारक क्षमता वाला ये फाइटर जेट 2205 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार यानि 2 मैक से अधिक की गति के साथ उड़ान भरने में सक्षम है। ▶10पर

नेपाल में फिर गूंजा जय श्रीराम

हिंदू राष्ट्र की मांग पर फिर सड़कों पर दिखा जनसैलाब

काठमांडू, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल में हिंदू राष्ट्र के पक्ष में लगातार प्रदर्शन जारी है। बुधवार को ओंकार परिवार की ओर से एक शांतिपूर्ण रैली निकाली गई, जिसमें नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की गई। नेपाल के विभिन्न धार्मिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से ओंकार परिवार के बैनर तले यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व जाने-माने संस्कृतिविद डॉक्टर जगमान गुरुंग ने किया। अलग-अलग धार्मिक तथा सामाजिक संगठन से जुड़े लोग इस रैली में सहभागी रहे।काठमांडू के गौशाला क्षेत्र से निकली यह रैली मैती देवी मंदिर के पास सभा के परिणत हुई। इस सभा को संबोधित करते हुए डॉ. गुरुंग ने कहा कि नेपाल की विशिष्ट पहचान के लिए फिर से हिंदू राष्ट्र की घोषणा को लेकर विभिन्न राजनीतिक संगठन अपने स्थान पर आंदोलन कर रहे हैं। इसके लिए सामाजिक संगठनों को भी सड़क पर उतरने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का मुद्दा राजनीति से भी अधिक धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दा है। इसलिए धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस आंदोलन में अपना योगदान देना चाहिए। ▶10पर

कांग्रेसकालीन 450 करोड़ के शराब घोटाले की जांच सीबीआई को

छत्तीसगढ़ के सीएम ने सीबीआई जांच की सिफारिश की

रायपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने ईओडब्लू में दर्ज 450 करोड़ रुपए के आबकारी (शराब) घोटाले की जांच सीबीआई से करने की सिफारिश की है। शराब घोटाले की फाइल सीबीआई दफ्तर दिल्ली को भेजी गई है। सीबीआई जल्द ही शराब घोटाले की जांच शुरू करेगी। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के समय हुए शराब घोटाले को लेकर छत्तीसगढ़ एसीबी और ईओडब्लू की ओर से 7 सितंबर 2024 को एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, कांग्रेस सरकार में आबकारी विभाग के प्रबंध संचालक रहे अरुणपति त्रिपाठी के अलावा कारोबारी अनवर ढेबर समेत और भी कई आरोपी हैं। एजेंसियों ने झारखंड के कारोबारी विकास सिंह की शिकायत पर 450 के घोटाले का आरोप यहां दर्ज किया। उनका आरोप है कि छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ मिलकर झारखंड में शराब घोटाला किया गया है, जिससे करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। ▶10पर

मुंबई हमले का सरगना तहव्वुर 18 दिन की एनआईए रिमांड में

कई गुत्थियां सुलझेंगी, कई चेहरे बेपर्द होंगे

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों का सरगना तहव्वुर राणा अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गुरुवार 10 अप्रैल को भारत लाया गया। 64 साल के तहव्वुर को एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक विशेष अमेरिकी विमान से लॉस एंजिल्स से दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लाया गया। भारत पहुंचते ही एनआईए ने उसे आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया। हवाई अड्डे पर ही डॉक्टरों के एक पैनल ने उसकी मेडिकल जांच की। उसके बाद उसे पाटियाला हाउस स्थित एनआईए की विशेष कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 18 दिनों के लिए एनआईए रिमांड में भेज दिया गया। एनआईए के आईजी आशीष बत्रा, डीआईजी जया राय और एसपी प्रभात कुमार एनआईए की टीम को लीड कर रहे थे। अमेरिका से लाए गए आतंकी तहव्वुर राणा से 18 दिनों तक एनआईए पूछताछ करेगी। आज भी उससे गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में हमले के मुख्य साजिशकर्ता हेडली

18 साल बाद भारत आ सका तहव्वुर राणा

से उसके संबंध और पाकिस्तान के अधिकारियों के साजिश में शामिल होने के ठोस सबूत मिलने की संभावना है।

मुंबई हमलों के इस मास्टरमाइंड को भारत लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अमेरिका में जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने तो इस प्रक्रिया में तेजी आ गई। फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का ऐलान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वाशिंगटन में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी डोनाल्ड ट्रंप ने तहव्वुर को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के बारे में कहा था। ट्रंप ने कहा था, तहव्वुर राणा को भारत भेजा जाएगा, जहां उसे इंसाफ मिलेगा। तहव्वुर ने अपना प्रत्यर्पण रोकने के लिए कई उपाय किए। लगातार अमेरिकी कोर्ट के चक्कर लगाता रहा था। लेकिन आखिरकार उसे भारत आना ही पड़ा। राहत नहीं मिली। तहव्वुर ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में 27 फरवरी 2025 को इमरजेंसी एप्लीकेशन फॉर स्टे दायर की थी। लेकिन वह खारिज कर दी गई। ▶10पर

संघ संचालन का दायित्व आचार्यों पर : आचार्य अरिहंतसागरसूरिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तीर्थंकर भगवान केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद साधु-साध्वी एवं श्रावक-श्राविका रूपी चतुर्विध संघ की स्थापना करते हैं। लेकिन संघ का संचालन एवं अनुशासन वे उनके शिष्य गणधर और फिर आचार्यों को सौंपते हैं, क्योंकि वे स्वयं वीतराग होते हैं। अतः अरिहंत पद के बाद गुरु तत्व में आचार्य एवं उपाध्याय पद का अत्यंत महत्व है। ये विचार आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने शुक्रवार को जयनगर स्थित श्री धर्मनाथ जैन मंदिर प्रांगण में प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। नवपद के अंतर्गत आचार्य एवं उपाध्याय पद पर विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि संघ के अनुशासन एवं संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी स्वयं तीर्थंकरों द्वारा आचार्यों को सौंपी जाती है। साथ ही अनेक धार्मिक अधिकारों का भी हस्तांतरण आचार्यों को किया जाता है। लेकिन आज समय के साथ-साथ संघ की व्यवस्थाओं में विपरीत परिवर्तन दिखाई देने लगे हैं।

वर्तमान में ट्रस्ट एवं ट्रस्टियों का प्रचलन है, जो पश्चिम की अवधारणा है। भारतीय परंपरा में तो प्रबंधक, संघ के सेवक और कार्यकर्ता के रूप में संघ के सदस्यों को आराधना में हर संभव सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयत्नशील होते थे। इससे वे महान पुण्यकार्य में सहभागी बनते थे। लेकिन आज अनेक जगह प्रबंधक और तथाकथित ट्रस्टी सेवाभाव के अभाव और धर्म के अधूरे ज्ञान के कारण अपना दायित्व उचित रूप से नहीं निभा पा रहे हैं। ऐसे में संघ के सफल संचालन हेतु आचार्यों के मार्गदर्शन की भूमिका अत्यंत आवश्यक है, जिन्होंने शास्त्रों का गहन अध्ययन किया है। समय के साथ परिवर्तन का प्रश्न पूछे जाने पर आचार्यश्री ने कहा कि समय के साथ आचार और व्यवहार में जिनाज्ञा के अनुरूप परिवर्तन मान्य है और वे करते भी हैं, लेकिन सिद्धांत अटल हैं और उनमें परिवर्तन की गुंजाइश नहीं होती। आचार में भी परिवर्तन का अधिकार मात्र गीतार्थ गुरु एवं देश-काल की परिस्थितियों के ज्ञाता एवं दीर्घदृष्टा को ही होता है। अन्यथा सुदृढ़ धार्मिक ढांचे में भी पतन की राह खुलने में देर नहीं लगती।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटका बेंगलूरु के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ के नेतृत्व में भगवान महावीर स्वामी के 2624 वें जन्म कल्याणक महोत्सव दिवस पर श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा मानव सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन युवा शाखा और महिला शाखा ने मिलकर किया। इसके तहत मातृ श्री मनोविकासा केंद्र शेषाद्रीपुरम में मंदबुद्धि एवं असहाय बच्चों को दैनिक उपयोग में आने वाली चीजें और राशन वितरण किया गया। केसी जनरल हॉस्पिटल मल्लेश्वरम में मरीजों में फल - फ्रूट का वितरण किया गया। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ एवं युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने सभी मरीजों को भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर उनके सिद्धांतों को बताते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रदान की। इस मौके पर महामंत्री पुखराज आंचलिया, कोषाध्यक्ष सुनील बोल्या, सह कोषाध्यक्ष ललित मेहता, निवर्तमान युवा अध्यक्ष राकेश संचेती, युवा उपाध्यक्ष गौतम खाब्या, सह मंत्री राहुल कावड़िया, प्रचार प्रसार मंत्री नरेश कोठारी, खेल प्रभारी प्रशांत बाफना एवं युवा साथी गौरव बाबेल, संदीप लोढ़ा आदि उपस्थित थे।

महापुरुषों की विनय भक्ति एवं स्तुति करने से जीव के तीर्थंकर बनने का मार्ग होता है सुलभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विदेह मुनि जी ने कहा कि महापुरुषों की विनय भक्ति एवं स्तुति करने से जीव के तीर्थंकर बनने का मार्ग सुलभ होता है। शिष्य को चाहिए कि वह अपने गुरु के यथार्थ गुणों के बारे में आम जनता को यथा अवसर बताए। महापुरुषों के गुणगान नित्य करने चाहिए। संयम के अवसर सभी को मिलते है किंतु विरले ही आरोहण कर पाते हैं। आचार्य श्री रामलाल जी के 73वें जन्म दिवस प्रसंग पर गुणानुवाद करते हुए विदेह मुनि जी ने कहा कि आचार्य रामलाल जी की आज्ञा में अभी 495 संत सती जी है। उन्होंने 23 वर्ष की युवा उम्र में आचार्य नानालाल जी के पास संयम लिया और आगम आदि का गहन अध्ययन और शोध किया। अभी तक आपने सैकड़ों मुमुक्षुओं को दीक्षा प्रदान की है। प्रवचन का प्रारंभ करते हुए उत्तम यश मुनि जी ने कहा कि मनुष्य जन्म पा कर आत्मा के उत्थान के लिए सही उद्यम करना दुर्लभ है। आचार्य रामलाल जी ने अनेक परिषह को सहन कर स्वयं को निखारा और आज विशाल संघ को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। अलसूर संघ की ओर से आचार्य का गुणानुवाद करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य रामलाल जी की दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि आचार्य, जिनशासन के अद्भुत प्रभावी संत हैं, जिनका सान्निध्य अलसूर संघ को भी पूर्व में प्राप्त हुआ है। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने आगंतुकों का स्वागत किया।

महावीर जयंती के अवसर पर टीपीएफ परामर्श शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां फ्रीडम पार्क में महावीर जयंती के पावन अवसर पर टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा टीपीएफ परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व समाजजनों की अभूतपूर्व उपस्थिति और उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले इस शिविर में समाज के अनेक लोगों ने मेडिकल, लीगल, टैक्सेशन और एजुकेशन के क्षेत्रों में विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में टीपीएफ परामर्श वाट्सऐप चैटबॉट की जानकारी मिलते ही आगंतुकों में उत्सुकता की लहर दौड़ गई। जय जिनेन्द्र व्हाट्सऐप पर भेजकर लोगों ने

इसका सीधा अनुभव किया और विशेषज्ञों से दूसरी राय प्राप्त की। टीपीएफ ने इस कार्यक्रम के माध्यम से 700 से अधिक लोगों को टीपीएफ परामर्श चैटबॉट के बारे में जानकारी दी। साथ ही 50 से अधिक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने करियर काउंसलिंग का लाभ लिया। ऑनलाइन प्रचार-प्रसार के माध्यम से यह प्रोजेक्ट 5000 से अधिक लोगों तक प्रभावी रूप से पहुँचा। कार्यक्रम में विक्रम कोठारी (टीपीएफ साउथ जोन अध्यक्ष), एमसी बालडोटा (पूर्व नेशनल चीफ ट्रस्टी), पुष्पराज चोपड़ा (टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल अध्यक्ष), विमल धारीवाल (तेयुप बेंगलूरु अध्यक्ष), तेजराज गुलेचा (पूर्व चेयरमैन, जिटो बेंगलूरु), मंगल कोचर (अध्यक्ष, तेरापंथ सभा विजयनगर), कमलेश चोपड़ा (अध्यक्ष, तेयुप विजयनगर), विनोद छाजेड (मंत्री, गांधीनगर सभा), मंजू गादिया (अध्यक्ष, तेमम विजयनगर), अशोक नागोरी एवं जेवाईएस टीम ने स्टॉल पर पधार कर टीपीएफ की इस अभिनव पहल की अत्यंत सराहना की। इस आयोजन को सफल बनाने में संयोजक रचना बाबेल, सीए मोनिका गांधी, विशेषज्ञ विवेक सेठिया, निर्मला चोपड़ा, डिंपल जैन, डॉ. मनीषा तथा राष्ट्रीय सह-संयोजिका टीपीएफ परामर्श मीनाक्षी चोपड़ा का विशेष योगदान रहा।

नवपद ओलीजी के 8वें दिन चारित्र पद की आराधना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजमान पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने शाश्वती नवपद जी ओली के आठवें दिन अपने प्रवचन में फरमाया कि संसार और मोक्ष के बीच जो पुल है उसका नाम चारित्र है। आठ कर्मों का नाश करना हो तो इस आठवें पद की आराधना हम सभी को करनी चाहिए। चारित्र बिना कोई मोक्ष नहीं जा सकता है। यह चारित्र दो प्रकार का होता है। प्रथम देश विरति जिसम श्रावक जो छोटे नियम व्रत का पालन करता है और दूसरा सर्व विरति जिसमें साधू जो 5 महाव्रतों का पालन करते हैं। राग और चारित्र में कट्टर शत्रुता है, दोनों में से कोई

एक ही रह सकता है। हमारे हृदय में राग इतना जोरदार चिपक गया है। वैराग्य भाव टिक नहीं रहा है। चारित्र के लिये राग नहीं, वैराग्य चाहिए। विषयों का राग जब कम होता है तभी चारित्र की आराधना सरल रूप से हो सकती है। चारित्र यानि अशुभ क्रियाओं का त्याग और शुभ क्रियाओ का अप्रमत्त रूप से पालन करना और वही चारित्र कर्मक्षय का कारण है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *विजयनगर यूनाइटेड स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में फुटबॉल स्पर्धा पुनीत राज कुमार मेमोरियल कप का आयोजन किया गया। जिसमें 15 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर के नाम का गलत इस्तेमाल किया: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस पर कई वर्षों से दलितों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया। निप्पनी में भीम की 100वीं वर्षगांठ कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा जब भी हम दलितों की बात करते हैं, तो हम कहते हैं कि उन पर अत्याचार हो रहा है। लेकिन अगर आप पूछेंगे कि इस तरह से किसने कुचला तो आपको जवाब मिलेगा कि यह कांग्रेस के लोग थे। कांग्रेस कई वर्षों से शोषितों को कुचलती आ रही है।

उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी कांग्रेस के चोरों ने दलितों को नहीं बचाया है।

कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर के नाम का गलत इस्तेमाल किया। जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अंबेडकर के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ नामक तीर्थस्थल बना दिया। कांग्रेस नेता कहते हैं कि वे दलितों के समर्थक हैं। लेकिन उन्होंने शिकायत की कि दलितों के साथ धोखा किया जा रहा है। वैक्स बोर्ड ने लाखों दलितों की संपत्ति लूट ली है। जब मैंने वीएकेएस द्वारा भूमि हड़पने की जांच के लिए विभिन्न स्थानों का दौरा किया, तो शिकायत करने आए लोगों में दलितों की संख्या अधिक थी। कांग्रेस द्वारा संसद में पोशाक संशोधन विधेयक के खिलाफ खड़ा होना दलितों के प्रति उनकी चिंता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संविधान कायम रहना चाहिए और कांग्रेस के खोखले वादे खत्म होने चाहिए। ठेकेदारों ने आयोग पर लूट का आरोप लगाया है। बिल का भुगतान उस व्यक्ति को किया जाता है जो कमीशन देता है। मंत्री का बेटा आबकारी विभाग में लूट मचा रहा है। मंत्री के खिलाफ तमाम आरोपों के बावजूद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बचाव किया। कांग्रेस को चिल्लाना चाहिए कि भ्रष्टाचार हमारा सगा भाई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया उन्हें इस्तीफा देने से रोकने के लिए कमीशन वसूल रहे हैं। डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने के लिए कमीशन वसूल रहे हैं। मंत्री भी मुख्यमंत्री बनने के लिए कमीशनखोरी कर रहे हैं। विधान सौधा में मंत्रियों के कार्यालय एक संग्रह केंद्र हैं।

कार-बस की टक्कर में चार लोगों की मौत

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो। यादगीर जिले के शाहपुर में एक कार और सरकारी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर में तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना गुरुवार रात को मद्दारकी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 150ए पर हुई। मृतक यादगीर तालुक के वरकनहल्ली गांव के निवासी हैं। मामले की जांच जारी है।

समाज के अनेक परिवारों ने लिया निशुल्क जैन रिलीफ फाउंडेशन हेल्थ कार्ड का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परमात्मा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव दिवस पर जैन रिलीफ फाऊंडेशन द्वारा जारी निशुल्क हेल्थ कार्ड का लाभ समाज के अनेक परिवारों ने उठाया। जेआरएफ के संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि जैन युवा संगठन द्वारा फ्रीडम पार्क में आयोजित परमात्मा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के दौरान जेआरएफ द्वारा 5 दिनों के लिए निशुल्क हेल्थ कार्ड की योजना जारी की गई। इन पांच दिनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख आठ हजार सदस्य बनाने के लक्ष्य के साथ इस कार्ड के प्रायोजक हैदराबाद निवासी क्वान्ट्रा क्वार्ट्ज के पोखरना परिवार हैं। इस अवसर पर बेंगलूरु टीम को अनेक साधु संतों और गणमान्य सदस्यों का और बेंगलूरु के जैन समाज का भरपूर आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिसमें मुख्यतया पूज्य गुरुदेव श्री वीरेन्द्र मुनि जी, राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया, समाजसेवी महैन्द्र कुमार मुणोत, जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने जे आर एफ की स्टाल का दौरा कर चिकित्सा के क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा। पूरे देशभर में लागू इस हेल्थ कार्ड के लिए परिवार के छह सदस्य एक साथ रजिस्ट्रेशन करके कार्ड प्राप्त कर सकते हैं और बेंगलूरु के 45 से अधिक चुनिंदा अस्पतालों में मेडिकल सुविधाओं में छूट मिलने का प्रावधान है। समाज सेवा के इस कैम्पेन में ललित डाकलिया, रेणु रांका, लतेश लोढ़ा, नलिन चौरड़िया, दीपेश कटारिया, विभा कटारिया, सुरेखा कोठारी, मनीष बोरा के साथ अनेक सदस्यों ने मेहनत की।

ताड़ी निकालते समय व्यक्ति की गिरकर मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के उल्लाल के कोल्या के पास कन्नीरुथोटा में शुक्रवार को ताड़ी निकालते समय नारियल के पेड़ से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मृतक की पहचान यशोधर (46) के रूप में हुई है, जो बाल्या नाडुपोलिके, कन्नीरुथोटा, कोल्या का निवासी था। घटना शुक्रवार सुबह की है, जब यशोधर अपने घर के पास एक बागान के पास ताड़ी निकाल रहा था। बताया जाता है कि वह संतुलन खो बैठा और पेड़ से गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। हालांकि उसे तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। यशोधर कई वर्षों से ताड़ी निकालने का काम कर रहा था। संदेह है कि निम्न रक्तचाप की समस्या के कारण वह गिरा होगा, जिसके कारण वह पहले भी काम के दौरान बेहोश हो जाता था। उनके परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। यशोधर को अपने परिवार की रीढ़ माना जाता था।

कर्नाटक कांग्रेस 17 अप्रैल को महंगाई के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ करेगी प्रदर्शन: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक कांग्रेस 17 अप्रैल को महंगाई के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। इसकी घोषणा करते हुए उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी इसमें भाग लेंगे। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई से केंद्र में अपनी सरकार के खिलाफ जनाक्रोश मार्च जारी रखने का आग्रह किया। भाजपा की यात्रा वास्तव में केंद्र सरकार के खिलाफ है। आम लोगों से पूछें कि उनकी नीतियों के बारे में उनका क्या कहना है। इस प्रदर्शन का हमसे

कोई लेना-देना नहीं है। हमने महंगाई से परेशान लोगों की मदद के लिए बजट में 52,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। यूपीए सरकार के समय की कई वस्तुओं की कीमतों और मौजूदा कीमतों की तुलना करते हुए शिवकुमार ने कहा सोने की कीमतें 28,000 रुपये से बढ़कर 92,000 रुपये हो गई हैं। एक डॉलर जिसकी कीमत 59 रुपये हुआ करती थी, अब 86 रुपये में मिल रही है। सामान्य मोबाइल फोन जिसकी कीमत 10,000 रुपये हुआ करती थी, अब 36,000 रुपये हो गई है। 32 इंच का टीवी जिसकी कीमत 13,000 रुपये थी, अब 36,000 रुपये में मिल रहा है। केपीसीसी अध्यक्ष ने यह भी बताया कि रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (एसी) और कई कार ब्रांड की कीमतों में भी काफी वृद्धि हुई है। दूध की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि का बचाव करते हुए उपमुख्यमंत्री ने बताया कि कर्नाटक में दूध की कीमत अभी भी केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब आदि राज्यों की तुलना में कम है।

पिछड़े वर्गों की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा तैयार की गई सामाजिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट के पक्ष-विपक्ष की व्यापक समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट जाति जनगणना नहीं है, तथा घर-घर जाकर कोई सर्वेक्षण भी नहीं किया गया। जिन विचारों पर चर्चा की जा रही है वे सभी अवैज्ञानिक हैं। जब तक रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं कर दी जाती, तब तक इसकी विषय-वस्तु पर टिप्पणी करना अप्रासंगिक है। क्या रिपोर्ट वैज्ञानिक है या अवैज्ञानिक? आंकड़े सही हैं, किस तरह का डेटा एकत्र किया गया है, क्या यह जाति जनगणना के आंकड़ों से तुलनीय है? इन सभी मुद्दों की जांच की जाएगी। जब आंतरिक आरक्षण के मुद्दे की बात आती है, तो न्यायमूर्ति नागमोहन दास ने कहा है कि वैज्ञानिक पुनर्सर्वेक्षण की आवश्यकता है। हम इस बारे में निर्णय लेने जा रहे हैं कि ये प्रक्रियाएं क्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के संबंध में भी सरकार उचित निर्णय लेगी।

कांग्रेस के सदस्य हिंदू विरोधी दलित विरोधी हैं: केंद्रीय मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेसी सिर्फ हिंदू विरोधी नहीं हैं, बल्कि वह दलित विरोधी भी हैं। उन्होंने शुक्रवार को निप्पनी में भीम की 100वीं वर्षगांठ कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर के निप्पाणी आने के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में और अंबेडकर की जयंती के निकट आने पर भीम के नाम से एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने जिस उद्देश्य के लिए अपना जीवन समर्पित किया था, उसे लोगों को याद दिलाया जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने उनके साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि वे उन्हें इस तथ्य से अवगत कराएंगे कि हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्र पाकिस्तान को दे दिए गए, क्योंकि उन्हें संविधान सभा में शामिल नहीं होने दिया गया था, तथा उन्हें दो बार पराजित किया गया तथा अंतरिम सरकार का हिस्सा बनने से रोका गया।

हम दलितों के लिए आरक्षण के प्रति इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के विरोध को जनता के सामने उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि अब भी हम खड़गे को उनके द्वारा किए गए अपमान के बारे में बताएंगे। उन्होंने महात्मा गांधी की बेलगावी यात्रा के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

लेकिन डॉ. अंबेडकर की यात्रा के 100 साल पूरे होने पर जश्न क्यों नहीं मनाया गया। अगर सरकार ने यह कार्यक्रम किया होता तो हम इसे नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है।

कर्नाटक में भ्रष्टाचार पर टिप्पणी वापस लेने पर कुमारस्वामी ने कांग्रेस विधायक की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने गुरुवार को कांग्रेस विधायक और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी की कर्नाटक में भ्रष्टाचार पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी वापस लेने के लिए आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि रायरेड्डी ने शुरू में सच बोला था और सवाल किया कि उन्हें पीछे हटने की क्या जरूरत थी। रायरेड्डी को यू-टर्न लेने की कोई जरूरत नहीं थी। उनके पहले बयान से ही पता चलता है कि कांग्रेस नेता महात्मा गांधी के 'सत्यमेव जयते' के नारे को कितनी ईमानदारी से मानते हैं। कांग्रेस नेताओं के दावों को खारिज करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि जेडी(एस) सरकार कभी भी ठेकों में कमीशन-संचालित संस्कृति को बढ़ावा देने में शामिल नहीं रही। उन्होंने कहा जब मैं मुख्यमंत्री था, तो ठेकेदारों को बिना देरी के तुरंत भुगतान किया जाता था। मेरे कार्यकाल के दौरान, कमीशन रैकेट कभी भी विधान सौधा की सीढ़ियों तक नहीं पहुंच पाया।

कांग्रेस नेता जो खुद को 'सत्यवादी' कहते हैं, उन्हें इस पर विचार करना चाहिए। रायरेड्डी के बयान से मुकरने पर कुमारस्वामी ने कटाक्ष करते हुए कहा बेचारा आदमी, मैं समझता हूं कि वह किस डर में होगा। सत्ता अक्सर किसी की आवाज को कमजोर कर देती है। उन्होंने रायरेड्डी पर मौजूदा सरकार के तहत घोटालों पर आंखें मूंद लेने का भी आरोप लगाया। कुमारस्वामी ने पूछा क्या रायरेड्डी इतने भोले हैं कि उन्हें कांग्रेस के शासन में हो रहे घोटालों की जानकारी ही नहीं है? कर्नाटक को लूटने वाली कांग्रेस की 'ईस्ट इंडिया कंपनी' सरकार का हिस्सा होने के नाते, उन्हें जेडी(एस) पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार कहां है? रायरेड्डी ने कोप्पल में क्षेत्रीय असंतुलन निवारण समिति द्वारा आयोजित एक संवाद के दौरान विवाद खड़ा कर दिया था, जहां उन्होंने कहा था कि कर्नाटक भ्रष्टाचार में नंबर 1 है और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार गुणवत्तापूर्ण विकास में बाधा डाल रहा है। उन्होंने कहा था जो इमारतें कभी पांच से छह दशकों तक खड़ी रहती थीं, वे अब दस साल में ही ढह रही हैं।

भ्रष्टाचार, खासकर कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में, चिंताजनक है। हालांकि, आलोचना के बाद रायरेड्डी ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने कभी भी किसी सरकार पर सीधे आरोप नहीं लगाया - चाहे वह पिछली हो या मौजूदा - और केवल इस बात पर प्रकाश डाला कि काम की खराब गुणवत्ता ने राज्य की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के आरोप का मामला

बिल का सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत देने में असमर्थ: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ द्वारा सरकारी विभागों में बिचौलियों के बढ़ते हस्तक्षेप और भुगतान रुकने के आरोपों के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि कुछ ठेकेदार अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ विधायकों से लंबित बिलों का भुगतान करने का अनुरोध कर रहे हैं। बिल भुगतान को स्पष्ट करते हुए, डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार बिलों का केवल 10-15 प्रतिशत भुगतान करने में सक्षम नहीं है। हालांकि, उन्होंने पिछली भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार के दौरान लंबित बिल 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक थे।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कुछ ठेकेदार अपने निर्वाचन क्षेत्र के हमारे कुछ विधायकों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे जो भी बिल लंबित हैं, उन्हें दे दें। इससे पहले भाजपा सरकार में, मेरे विभाग में 1 लाख करोड़ से अधिक बकाया था। हम बिलों का केवल 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत देने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए वे कुछ विधायकों, पार्टी

नेताओं और कुछ अन्य लोगों से अनुरोध कर रहे हैं। इससे पहले गुरुवार को कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष आर. मंजूनाथ ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को एक पत्र लिखा, जिसमें आरोप लगाया गया कि छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदारों को भुगतान नहीं किया जा रहा है।

पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि ठेकेदारों और सरकारी विभागों के बीच बिचौलियों का हस्तक्षेप काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को पारदर्शिता कानून के अनुसार वरिष्ठता के आधार पर भुगतान जारी करना चाहिए, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। राज्य में कुल 1.5 लाख ठेकेदार है, जिनमें से 60 प्रतिशत छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदार हैं। इन ठेकेदारों को भुगतान नहीं मिल रहा है।

केवल प्रभावशाली ठेकेदारों को ही भुगतान किया जा रहा है। बाकी लोग कैसे जीवित रहेंगे? सीएम सिद्धरामैया को लिखे पत्र में उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि लोक निर्माण विभाग, चार सिंचाई निगमों और लघु सिंचाई विभाग में फंड जारी करने में बिचौलियों की भूमिका बहुत ज्यादा है। नतीजतन, इन विभागों में वरिष्ठता के आधार पर फंड जारी नहीं किया जा रहा है।

बहुप्रतीक्षित जाति जनगणना रिपोर्ट आखिरकार कर्नाटक मंत्रिमंडल के समक्ष रखी गई

17 अप्रैल को होने वाली अगली कैबिनेट बैठक में होगी चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वर्षों की राजनीतिक रस्साकशी और लंबे विलंब के बाद, बहुप्रतीक्षित जाति जनगणना रिपोर्ट आखिरकार कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष रखी गई। सीलबंद बक्सों में रखी गई रिपोर्ट को विधान सौधा में ले जाया गया और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के समक्ष रखा गया।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि रिपोर्ट और इसकी सिफारिशों पर 17 अप्रैल को होने वाली अगली कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कुछ मंत्री रिपोर्ट को पढ़ने के लिए समय चाहते थे।

सर्वेक्षण पूरा हुए लगभग एक दशक हो चुका है, लेकिन प्रमुख वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के दबाव के कारण इस पर चर्चा में देरी हुई है। सूत्रों का कहना है कि इस सप्ताह की शुरुआत में अहमदाबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी को रिपोर्ट पर

चर्चा करने के लिए प्रेरित किया। सूत्रों से पता चलता है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार रिपोर्ट में की गई सिफारिशों का मूल्यांकन करने के लिए एक कैबिनेट उप-समिति नियुक्त करने की तैयारी कर रही है। f

रपोर्ट के निष्कर्षों के वजन को बढ़ाते हुए कहा जाता है कि मुसलमानों को एससी और एसटी के बाद दूसरे सबसे बड़े जनसंख्या समूह के रूप में पेश किया गया है। रिपोर्ट के आसन्न रिलीज ने पहले ही राजनीतिक अशांति को जन्म दे दिया है। भाजपा और जेडी(एस) सहित विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, जबकि लिंगायत और वोक्कालिगा जैसे प्रमुख जाति समूहों ने कथित रूप से कम प्रतिनिधित्व पर चिंता व्यक्त की है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि न तो उन्होंने और न ही सीएम सिद्धरामैया ने अभी तक रिपोर्ट देखी है। यहां तक कि मंत्रियों ने भी इसे नहीं देखा है। एक बार रिपोर्ट पेश हो जाने के बाद इस पर चर्चा होगी। यह मीडिया के सामने चर्चा करने वाली बात नहीं है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि उन्हें कैबिनेट में रिपोर्ट पेश किए जाने के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा एक बार जब यह कैबिनेट में प्रवेश कर जाएगा, तो यह सार्वजनिक डोमेन में होगा, जिससे हम इसका मूल्यांकन कर सकेंगे। यह सर्वेक्षण हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले अपने रुख की पुष्टि करते हुए 18 फरवरी को कहा था कि जाति जनगणना वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके की गई थी और इसे बिना किसी हिचकिचाहट के लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा इसमें संदेह की कोई जरूरत नहीं है। हम रिपोर्ट का समर्थन करते हैं और इसे स्वीकार करते हैं। इस बीच, भाजपा ने सीएम पर जाति जनगणना रिपोर्ट को राजनीतिक ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि जब भी कांग्रेस के भीतर आंतरिक दबाव बढ़ता है, सिद्धरामैया रिपोर्ट को सामने लाते हैं। विजयेंद्र ने कहा कि किसी ने भी इस रिपोर्ट की मांग नहीं की। वह राजनीतिक लाभ के लिए इसे पेश करने में देरी करते रहते हैं। रिपोर्ट की उत्पत्ति 2014 में सीएम के रूप में सिद्धरामैया के पहले कार्यकाल से हुई है, जब उन्होंने कर्नाटक सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक जनगणना का आदेश दिया था। एच कांताराजु के नेतृत्व में तत्कालीन पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण पर राज्य को लगभग 169 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े और यह 2016 तक तैयार हो गया। हालांकि, लगातार सरकारों - कांग्रेस-जेडी(एस) गठबंधन और भाजपा प्रशासन - ने रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 2020 में, भाजपा ने जयप्रकाश हेगड़े को आयोग का प्रमुख नियुक्त किया। अंतिम रिपोर्ट अंततः 29 फरवरी, 2024 को सिद्धरामैया सरकार को सौंपी गई, जिसने अब चल रही महत्वपूर्ण कैबिनेट चर्चा के लिए मंच तैयार किया।

बेंगलूरु में नैतिक पुलिसिंग : सहपाठी से बात करने पर महिला को परेशान किया गया, चार गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नैतिक पुलिसिंग के एक परेशान करने वाले मामले में, कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को बेंगलूरु के चंद्रा लेआउट इलाके में एक मुस्लिम महिला को दूसरे समुदाय के युवक से बातचीत करने पर परेशान करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया और एक नाबालिग को हिरासत में लिया। मोहम्मद मोहसिन, मोहम्मद मंसूर, मोहम्मद अफरीदी पाशा और वसीम खान के रूप में पहचाने गए आरोपियों ने कथित तौर पर महिला को बुर्का पहने हुए एक हिंदू युवक से बात करने के लिए उकसाया। पुलिस के अनुसार, उन्होंने उसके साथ गाली-गलौज की, उसके परिवार का संपर्क विवरण मांगा और उस पर और युवक दोनों पर हमला करने का प्रयास किया। घटना में शामिल एक नाबालिग लड़के को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की पेशेवर पृष्ठभूमि का खुलासा करते हुए कहा मोहसिन एक स्क्रैप डीलर है, मंसूर एक दर्जी है, जबकि अफरीदी पाशा और वसीम खान वेल्डर का काम करते हैं। मीडिया से बात करते हुए डीसीपी (पश्चिम) एस गिरीश ने कहा एक लड़का और लड़की एक पार्क के पास बाइक पर बैठे देखे गए। कुछ लोग उनके पास आए और उनसे पूछताछ करने लगे। महिला बुर्का पहने हुए थी। उन्होंने पूछा कि क्या उसने अपने परिवार को वहां होने के बारे में बताया था। उसकी शिकायत के आधार पर, हमने

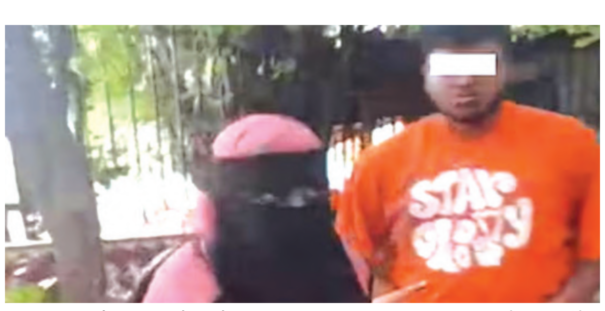

मामला दर्ज किया है और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

टकराव के पीछे के मकसद के बारे में पूछे जाने पर, डीसीपी ने कहा कोई पूर्व नियोजित इरादा नहीं लगता है। पुरुषों ने एक लड़की को बुर्का में एक लड़के के साथ देखा और उससे पूछताछ शुरू कर दी। कोई शारीरिक हिंसा नहीं हुई, और जांच के माध्यम से अधिक विवरण सामने आएंगे। सूत्रों ने कहा कि महिला ने कहा कि लड़का उसका सहपाठी था और उसने अपने निजी जीवन में समूह के हस्तक्षेप पर दृढ़ता से सवाल उठाया। उनकी धमकी से बेपरवाह, उसने अपने परिवार की संपर्क जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद समूह ने कथित तौर पर महिला और युवक दोनों पर हमला करने का प्रयास किया और बातचीत का एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर साझा किया गया और वायरल हो गया। वीडियो ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया, कई हिंदू समूहों ने इस घटना की निंदा की और सरकार पर धार्मिक सतर्कता के बढ़ते मामलों पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया। आलोचकों ने इस बात पर भी चिंता जताई कि क्या कर्नाटक धार्मिक रूढ़िवादिता की ओर बढ़ रहा है, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के बाद तुरंत कार्रवाई की और मामले में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना 8 जनवरी, 2024 को हंगल शहर में हुई एक भयावह घटना की याद दिलाती है। एक अल्पसंख्यक समुदाय की महिला को दूसरे धर्म के व्यक्ति के साथ देखे जाने के बाद कथित तौर पर एक होटल से बाहर खींच लिया गया था। फिर उसे जबरन एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, जहाँ उसके साथ बेरहमी से सामूहिक बलात्कार किया गया। न्याय की अपील करने वाला वीडियो जारी करने से पहले उसके साथ कई जगहों पर दुर्व्यवहार होता रहा। उसकी सार्वजनिक याचिका के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों घटनाओं ने राज्य में नैतिक पुलिसिंग के बढ़ने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर सार्वजनिक बहस को फिर से हवा दे दी है।

सरकार प्रशासनिक रूप से पूरी तरह से मृतप्राय: कोटा श्रीनिवास पुजारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशासनिक रूप से पूरी तरह से मृत होने की आलोचना की। यहां आयोजित जनाक्रोश यात्रा सभा में बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार जिंदा नहीं है। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। प्रवीण नेट्टारू हत्या मामले के आरोपी को पुलिस की मौजूदगी में अदालत लाते समय माथे पर चूमा गया। सरकार क्या कर रही है? उन्होंने पूछा कि गृह विभाग क्या कर रहा है? पुलिस चुप क्यों है? उदयगिरी में एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी गई। उन्होंने पूछा कि कानूनी व्यवस्था कहां है? जिस सरकार को बम लेकर आने वाले आतंकवादियों को मार गिराना था, अगर ऐसी स्थिति आ गई कि हम उन आतंकवादियों को अपना भाई कहने लगे, तो कानून-व्यवस्था कहां रहेगी? यह ऐसा है जैसे उन्होंने एक भाजपा कार्यकर्ता को पकड़ लिया और उसकी लाश को यह कहकर छुपा दिया कि आईजी आ रहे हैं। इसका कारण पूछने पर 40 कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। यह कौन सा राज्य है? उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब राज्य में एक लाख पुलिस अधिकारियों के साथ अन्याय हुआ था, तो भाजपा ही सड़कों पर उतरी थी और पुलिस के लिए न्याय की मांग की थी।

तुलसी गबार्ड के वीडियो से ईवीएम फिर चर्चा में
चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा भारत की मशीनें अभेद्य

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली को लेकर अमेरिका के संघीय खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड के एक ताजा वीडियो क्लिप से ईवीएम की विश्वसनीयता पर छिड़ी बहस के बीच भारत के चुनाव आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि भारत की वोटिंग मशीनें अभेद्य हैं।

सुश्री गबार्ड ने वीडियो में कहा है कि उनके विभाग को ऐसे सबूत मिले हैं, जिससे दिखता है कि ईवीएम प्रणाली में सेंधमारी की जा सकती है।

यहां चुनाव आयोग के सूत्रों ने इस बारे में सम्पर्क किए जाने पर कहा, हमारी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक तरह से कैलकुलेटर जैसी हैं और हैकिंग के प्रति अभेद्य हैं। इनका किसी ऐसे सिस्टम से कोई जुड़ाव नहीं होता कि कोई उस सिस्टम के जरिए इनके डाटा के साथ कोई छेड़-छाड़ या उनकी हैकिंग कर सके।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो क्लिप में सुश्री गबार्ड को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हमारे पास इस बात के सबूत हैं कि कैसे ये इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम बहुत लंबे समय से हैकर्स के लिए असुरक्षित रहे हैं और वोटिंग के नतीजों में हेरफेर करने के लिए इनके दुरुपयोग के खतरे हैं।

उन्होंने अमेरिका के संदर्भ में यह भी कहा, इन सबूतों से पूरे देश में पेपर बैलेट (मत-पत्र) लागू करने के आपके (अमेरिका के लोगों के) जनादेश को और मजबूती मिलती है ताकि मतदाताओं को हमारे चुनावों की निष्पक्षता और शुद्धता पर भरोसा रहे।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निकट सहयोगी एलॉन मस्क भी ईवीएम प्रणाली की दुर्बलता की बात करते हुए इनके इस्तेमाल की मुखालिफत कर चुके हैं। सुश्री गबार्ड के वीडियो क्लिप को लेकर सोसल मीडिया पर चल रही चर्चाओं में कुछ लोगों ने सवाल उठाया है कि भारत में ईवीएम के बारे में कोई कैसे निश्चित रहा जा सकता है?

भारत का चुनाव आयोग इस बारे में अनेक बार स्पष्ट कर चुका है कि भारतीय ईवीएम की विश्वसनीयता अकाट्य है। आयोग ने देश में इस्तेमाल हो रही ईवीएम पर सवाल उठाने वालों के लिए इससे पहले 'हैकिंग चैलेंज' में भाग लेने का खुला आमंत्रण भी दे चुका है।

आयोग के सूत्रों ने कहा, भारत ऐसी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का उपयोग करता है जो सरल, सही और सटीक कैलकुलेटर की तरह काम करती हैं और इन्हें इंटरनेट, वाईफाई या इन्फ्रारेड से नहीं जोड़ा जा सकता है।

उनका कहना है, भारत की ईवीएम मशीनें उच्चतम न्यायालय द्वारा कराई गयी कानूनी जांच में खरी उतरी हैं। मतदान शुरू होने से पहले छद्म मतदान (मॉक पोल) के आयोजन जैसे विभिन्न आयोजनों सहित राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न चरणों में इनकी जांच की जाती है।

सूत्रों ने पिछले आम चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले चुनावों में राजनीतिक दलों के सामने मतगणना के दौरान देश भर में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में पांच करोड़ से अधिक वीवीपैट पर्चियों का सत्यापन और मिलान किया जा चुका है।

इस मिलान में वोटिंग मशीन के नतीजे पर्चियों की गणना के नतीजों के ही समान निकले हैं।

सूत्रों ने कहा कि अलग-अलग देश अलग-अलग तरह की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली का उपयोग करते हैं। उनकी प्रणालियां इंटरनेट सहित विभिन्न निजी नेटवर्क प्रणालियों, मशीनों और प्रक्रियाओं पर आधारित मिली जुली प्रणाली है।

भारत में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम इंटरनेट या किसी अन्य नेटवर्क से पूरी तरह असम्बद्ध हैं और स्वतंत्र इकाई के रूप में इस्तेमाल की जाती हैं।

भारत में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल ईवीएम की विश्वसनीयता के खिलाफ सवाल उठाते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय भारत में ईवीएम की जगह मतपत्र और मत पेटी की पुरानी व्यवस्था को पुन: अपनाने का आदेश दिए जाने के अनुरोध को खारिज कर चुका है।

जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने भी अलगावादी विचारधारा छोड़ी: शाह

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में अलगाववादी संगठन हुर्रियत कांफ्रेन्स से जुड़े एक और संगठन जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगावादी विचारधारा को छोड़कर देश की एकता के प्रति एकजुटता की घोषणा की है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट के इस निर्णय के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में अलगाववाद को खारिज करने वाले संगठनों की संख्या बढकर 12 हो गयी है।

श्री शाह ने कहा , मोदी सरकार के तहत जम्मू-कश्मीर में एकता की भावना व्याप्त है। हुर्रियत से जुड़े एक अन्य संगठन जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगाववाद को खारिज करते हुए भारत की एकता के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता की घोषणा की है। मैं उनके इस कदम का तहे दिल से स्वागत करता हूं। अब तक हुर्रियत से जुड़े 12 संगठन अलगाववाद से अलग हो चुके हैं और भारत के संविधान पर भरोसा कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने की जीत है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय से कई अलगाववादी संगठनों ने हुर्रियत कांफ्रेन्स से नाता तोड़ा है।

देश के लगभग आधे आकांक्षी जिलों में तेजी से घटी गरीबी

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के लगभग आधे आकांक्षी जिलों में बहुआयामी गरीबी के स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, जिसमें मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे आगे हैं।

नीति आयोग के 'बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2023' के आंकड़ों के अनुसार, 106 आकांक्षी जिलों में से 46 प्रतिशत में बहुआयामी गरीबी में गिरावट देखी गई है।

पारंपरिक रूप से, गरीबी को किसी व्यक्ति या परिवार के लिए उपलब्ध मौद्रिक संसाधनों का आकलन कर मापा जाता है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) अब लोगों के वंचित होने और गरीबी को प्रत्यक्ष रूप से देखने से जुड़ा है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) को अब लोगों के वंचित होने और गरीबी का अधिक प्रत्यक्ष और व्यापक उपाय माना जाता है। यह आर्थिक वृद्धि और विकास, आय और वितरण और राज्य की विभिन्न विकास पहलों के परिणामों को दर्शाता है।

इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर यह महसूस किया गया है कि गैर-मौद्रिक उपाय गरीबी के विविध आयामों के लिए मौद्रिक उपायों के पूरक हैं।

यह विस्तृत दृष्टिकोण भारत के अलग-अलग संदर्भ में जरूरी साबित होता है, जो गरीबी को दूर करने और समावेशिता के सिद्धांत को बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप को सक्षम बनाता है।

यह सुनिश्चित करता है कि 'कोई भी पीछे न छूटे'।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, कुछ आकांक्षी जिलों ने राष्ट्रीय और राज्य औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है।

इससे पहले, सरकार ने 100 जिलों को पिछड़ा घोषित किया था, उनमें से कई पूर्वोत्तर और आदिवासी क्षेत्रों में थे।

पीएम मोदी ने इस सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमने इस दृष्टिकोण को बदल दिया और उन्हें आकांक्षी कहा और मिशन मोड में योजनाओं को लागू किया। प्रतिष्ठित संस्थानों और पत्रिकाओं ने भारत के आकांक्षी जिलों के कदम की प्रशंसा की है।

इस बीच, इस साल की शुरुआत में एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत के ग्रामीण गरीबी अनुपात में 2011-12 में 25.7 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2023-24 में 4.86 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि के दौरान शहरी गरीबी 4.6 प्रतिशत से घटकर 4.09 प्रतिशत हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, समग्र स्तर पर हमारा मानना है कि भारत में गरीबी दर अब 4 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत के बीच हो सकती है।

कॉर्बेट सिटी रामनगर में गहराया जनसंख्या असंतुलन

पुछड़ी बस्ती का नाम रख दिया रहमतनगर

नैनीताल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कॉर्बेट सिटी रामनगर का जनसंख्या संतुलन बिगड़ गया है। स्थिति इतनी अराजक हो गई है कि वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर बसाई गई पुछड़ी बस्ती का रहमत नगर नाम भी रख दिया गया है। इसकी शासन द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। वन भूमि और कोसी नदी के किनारे अवैध कब्जे कर मुस्लिमों द्वारा उक्त भूमि को सौ-सौ रुपए के स्टाम्प पेपर पर बेचे जाने की खबरों के बाद इस मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सुपुर्द कर दी गई है।

कॉर्बेट सिटी रामनगर में कोसी नदी किनारे वन भूमि पर अवैध कब्जे हो गए है, डेमोग्राफी चेंज के साथ-साथ यहां नए नए किस्म के अपराध भी पनप रहे हैं। बाहर से आए मुस्लिम परिवारों को बसाने का षड्यंत्र यहां चल रहा है, जानकारी के मुताबिक, इस मामले में राजनेताओं का खुला संरक्षण दिया जा रहा है और इसके पीछे वजह है, वोट बैंक की राजनीति! खास बात ये कि इस अवैध बस्ती का नाम भी रहमत नगर पड़ गया है।

नैनीताल जिले के रामनगर की कोसी नदी किनारे ये पुछड़ी बस्ती बसी हुई है। ये बस्ती पहले कोसी नदी में खनन का काम करने वाले श्रमिकों की झोपड़ बस्ती थी, जिसने अब पक्की बस्ती का रूप ले लिया है, जबकि ये नदी किनारे वन भूमि है। इस वन भूमि को राजनीति संरक्षण प्राप्त भू माफिया सौ-सौ रु के स्टांप पेपर पर बेच रहे हैं। ऊंची कीमतों पर बिक रही इस सरकारी जमीन की कमाई का हिस्सा वोट बैंक की राजनीति करने वालो के जेब में जा रहा है। बताया गया है कि अभी तक अरबों रुपए की जमीन खुर्दबुर्द हो चुकी है। इस बस्ती में आधार कार्ड बनाने से लेकर वोटर कार्ड बनाने का खेल पिछले कुछ समय से चल रहा है। यहां यूपी बिहार से आए मुस्लिमों ने अपने ठिकाने बना लिए हैं और राम नगर की डेमोग्राफी ही बदल डाली है। उत्तराखंड में जनसंख्या असंतुलन का ये एक नायाब उदाहरण है। जानकारी के मुताबिक, वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर बसावट का खेल 2005 में शुरू हुआ था। जो अभी तक चल रहा है। यहां राजनीतिक कारणों से बिजली के कनेक्शन लगाए गए, फिलहाल नए कनेक्शन लगाए जाने पर रोक लगा दी गई है।

डीएफओ प्रकाश आर्य का कहना है कि यहां 1002 लोगों के अवैध कब्जे हैं, जिन्हें अपनी भूमि के दस्तावेज दिखाने के लिए दो बार नोटिस दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण का ड्रोन सर्वे और सेटलाइट से सर्वे का काम भी पूरा कर लिया गया है, बेहतर होगा कि अवैध रूप से बसे लोग सरकारी जमीन से हट जाएं। उन्होंने बताया कि ये बस्ती खाली होनी है और इसमें वन विभाग को पुलिस प्रशासन का सहयोग चाहिए।

उत्तराखंड सरकार के वन भूमि से अतिक्रमण हटाओ अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. पराग मधुकर धकाते कहते हैं कि जो भूमि सरकारी है उस पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोग खुद ही अवैध कब्जा हटा लें अन्यथा शासन प्रशासन अपनी भूमि खाली करवाएगा। डा धकाते ने बताया कि जिन लोगों ने अतिक्रमण करवाया या वनभूमि की खरीद फरोख्त कर रहे हैं उनकी पहचान भी की जा रही है जिन पर कारवाई की जाएगी चाहे वो कितने भी प्रभावशाली क्यों न हो।

आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा कि शासन द्वारा रामनगर की पुछड़ी बस्ती मामले में गठित एसआईटी ने अपनी जांच शुरू कर दी है, इसकी रिपोर्ट आने पर शासन को प्रेषित की जाएगी। यहां सक्रिय जमीन खरीद फरोख्त करने वालों पर पुलिस प्रशासन की नजर है और उन पर पूर्व में एफ आई आर भी दर्ज है। जल्द ही इस रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत में लोकतंत्र को मजबूत करने की प्रणाली स्थापित: हरिवंश

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा है कि भारत ने सशक्त संसदीय लोकतंत्र, स्वतंत्र न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसे संस्थानों की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए की है। श्री हरिवंश ने शुक्रवार को ताशकंद में आयोजित अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 150वीं सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, शोषण, तस्करी, और हिंसा के विरुद्ध एक व्यापक रणनीति लागू की है, जिसके अंतर्गत द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और इन मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय पहलों में भागीदारी की गई है। उन्होंने कहा कि भारत ने सशक्त संसदीय लोकतंत्र, स्वतंत्र न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसे संस्थानों की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए की है। श्री हरिवंश सभा की मुख्य कार्यवाही और गवर्निंग काउंसिल की बैठक का भी हिस्सा थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया जिसमें संसद के दोनों सदनों के सदस्य सम्मिलित थे। ताशकंद दौरे में उपसभापति ने विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ कई अन्य द्विपक्षीय बैठकें कीं। श्री हरिवंश ने भारतीय प्रवासियों और समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच सेतु के रूप में कार्य करने वाले भारतीय समुदाय के महत्व को दोहराया। उन्होंने कहा,जन-से-जन का जुड़ाव हमारे टिकाऊ संबंधों की आत्मा है और शिक्षा इस संबंध को प्रगाढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रतिनिधिमंडल में सांसद भर्तृहरि महताब, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, अपराजिता सारंगी, सस्मित पात्रा , अशोक कुमार मित्तल, किरण चौधरी, लता वानखेड़े और बिजुली कालिता मेधी सम्मिलित थे।

किश्तवाड़ मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, उधमपुर में सर्च जारी

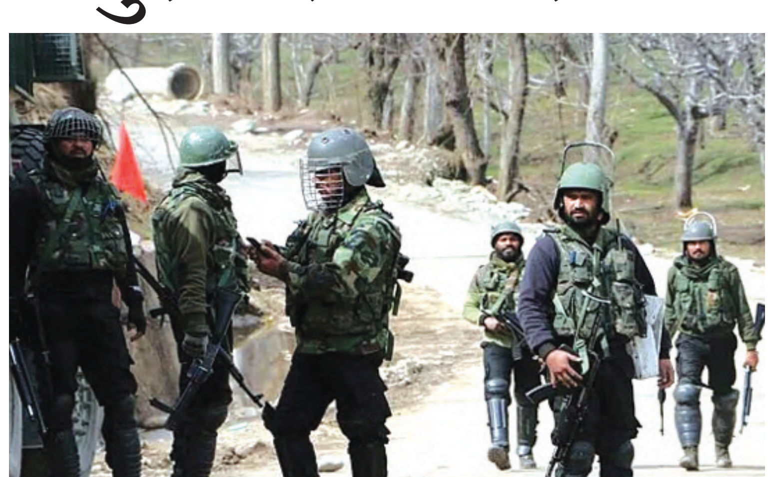

किश्तवाड़, 11 अप्रैल (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार को एक आतंकवादी मारा गया, जबकि उधमपुर जिले में तीन आतंकवादियों के एक समूह को पकड़ने के लिए एक अलग अभियान चल रहा है। शुक्रवार को भी उधमपुर जिले के जोफर-मार्टा जंगलों में तलाशी अभियान चल रहा है। खोजी कुत्तों और हवाई निगरानी से लैस कई सुरक्षा एजेंसियां इलाके में छिपे तीन आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पूरे जंगल क्षेत्र की तलाशी ले रही हैं।

सेना ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी जिलों में विभिन्न स्थानों के बीच संभावित रूप से घूमने वाले आतंकवादियों पर नज़र रखने के लिए डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है।

किश्तवाड़ में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से चतरू वन क्षेत्र में बुधवार को शुरू किये गए अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। ऑपरेशन के दौरान बलों का आतंकवादियों से सम्पर्क स्थापित हुआ। मारा गया आतंकवादी पाकिस्तान के सैफुल्लाह मॉड्यूल का हिस्सा था, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह वही मॉड्यूल है, जिसने 15 जुलाई 2024 को डोडा में सेना की एक टीम पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें एक अधिकारी और एक राइफलमैन की मौत हो गई थी।

सेना ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान अब तक एक आतंकवादी मार गिराया गया है। दुर्गम इलाके और प्रतिकूल मौसम के बावजूद हमारे बहादुर सैनिक अभियान जारी रखे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि विशेष बलों ने इस ऑपरेशन के दौरान ऊंचे बर्फीले इलाकों और खतरनाक इलाकों का सामना किया, जबकि कुछ अन्य आतंकी अभी भी सुरक्षाबलों से खुद को बचाते हुए छिप रहे हैं।

सुरक्षाबलों ने डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में निगरानी तेज कर दी है, क्योंकि ऊंचे घास के मैदानों में बर्फ पिघल रही है। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टरों और ड्रोन की मदद से सैनिक किश्तवाड़, उधमपुर और कठुआ जिलों को जोड़ने वाले ऊंचाई वाले इलाकों में उच्च स्तर की निगरानी कर रहे हैं। कठुआ-उधमपुर-किश्तवाड़ के पहाड़ी इलाकों में पिछले 19 दिनों में पांच मुठभेड़ हो चुकी हैं, जिनमें तीन आतंकवादी मारे गए और चार पुलिसकर्मी बलिदान हुए थे। एक लड़की समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को भी उधमपुर जिले के जोफर-मार्टा जंगलों में तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि खोजी कुत्तों और हवाई निगरानी से लैस कई सुरक्षा एजेंसियां इलाके में छिपे तीन आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पूरे जंगल क्षेत्र की तलाशी ले रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आमोद अशोक नागपुरे ने कहा कि माना जा रहा है कि यहां दो से तीन आतंकवादी फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बढ़ाकर लोगों की तलाशी ली जा रही है और वाहनों की जांच की जा रही है।

राहुल गांधी ने फिर लगाया मोदी पर जुमलेबाजी का आरोप

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रोजगार प्रोत्साहन योजना को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रोज नए नारे गढ़ते हैं, लेकिन युवा अब भी वास्तविक अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। क्या यह एक और जुमला है?

राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पीएम मोदी ने जोर-शोर से रोजगार प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी। इसमें युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना की घोषणा किए लगभग एक साल हो गया है। मगर सरकार ने इस पर अब तक कुछ नहीं किया। योजना के लिए आवंटित किए गए 10,000 करोड़ रुपए भी वापस कर दिए गए हैं। इससे साफ है कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी को लेकर कितने गंभीर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि केवल बड़े कारपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यापार के बजाय मित्र राष्ट्रों को बढ़ावा देकर, उत्पादन के बजाय असेंबली को प्राथमिकता देकर और भारत के स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकतीं। करोड़ों नौकरियां सृजित करने का तरीका एमएसएमई में बड़े पैमाने पर निवेश, निष्पक्ष बाजार, स्थानीय उत्पादन नेटवर्क को समर्थन और सही कौशल वाले युवा ही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इन विचारों से सहमत नहीं होंगे। लेकिन मैं उनसे सीधे पूछना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री जी, आपने बड़े दिखावे के साथ रोजगार प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी, लेकिन 10,000 करोड़ रुपए की यह योजना कहां गायब हो गई? क्या आपने अपने वादों के साथ हमारे बेरोजगार युवाओं को भी छोड़ दिया है? आप हर दिन नए नारे गढ़ते हैं, जबकि हमारे युवा अभी भी वास्तविक अवसरों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत को जिन करोड़ों नौकरियों की सख्त जरूरत है, उन्हें पैदा करने के लिए आपकी ठोस योजना क्या है या यह सिर्फ एक और जुमला है? राहुल गांधी ने पूछा कि प्रधानमंत्री कब अपना ध्यान अडाणी और उनके अरबपति मित्रों को समृद्ध बनाने से हटाकर यह तय करने पर लगाएंगे कि हाशिए पर पड़े समुदायों के युवाओं को रोजगार मिले।

वाराणसी, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वाराणसी दौरे के दौरान एयरपोर्ट पर उतरते ही वाराणसी के पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से कुछ दिन पूर्व शहर में एक युवती के साथ घटी बलात्कार की घटना के बारे में विस्तार से जानकारी ली। पीएम मोदी ने सभी दोषियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बीते दिनों वाराणसी में 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना घटी थी। इस मामले में पुलिस ने 12 नामजद सहित 11 अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अबतक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

प्रधानमंत्री ने यूपी के 21 उत्पादों को दिया जीआई टैग

बनारसी तबला, लाल पेड़ा, ठंडाई और भरवा मिर्च भी शामिल

वाराणसी, 11 अप्रैल। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और शिल्प विरासत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने वाराणसी दौरे के दौरान प्रदेश के 21 पारंपरिक उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने न सिर्फ प्रदेश की विविधताओं को एक नई उड़ान दी, बल्कि योगी सरकार की एक जिला, एक उत्पाद नीति की सफलता को भी रेखांकित किया। बनारसी तबला और भरवा मिर्च जैसे खास व्यंजन और कारीगरी अब वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान के साथ चमक बिखेरेंगे।

उल्लेखनीय है कि 77 जीआई उत्पादों के साथ उत्तर प्रदेश भारत में पहले स्थान पर है। इसमें भी अकेले 32 जीआई के साथ काशी क्षेत्र दुनिया का जीआई हब है। वाराणसी की दो विशिष्ट पहचानें बनारसी तबला और भरवा मिर्च अब जीआई टैग प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्पाद बन गए हैं।

संगीत प्रेमियों के लिए बनारसी तबला वर्षों से एक खास स्थान रखता है, वहीं बनारसी भरवा मिर्च अपने अनूठे स्वाद और पारंपरिक विधि के कारण हमेशा चर्चा में रहती है। वाराणसी के ही अन्य उत्पाद जैसे शहनाई, मेटल कास्टिंग क्राफ्ट, म्यूरल पेंटिंग, लाल पेड़ा, ठंडाई, तिरंगी बर्फी और चिरईगांव का करौंदा को भी जीआई टैग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

ये सभी न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि इनसे जुड़े हज़ारों कारीगरों को अब वैश्विक बाजार में अपने हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा। पद्मश्री से सम्मानित जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनीकांत के अनुसार, काशी क्षेत्र दुनिया का जीआई हब है। 32 जीआई टैग के साथ लगभग 20 लाख लोगों के जुड़ाव और 25500 करोड़ के वार्षिक कारोबार अकेले काशी क्षेत्र से है।

इस जीआई सूची में बरेली का फर्नीचर, जरी जरदोजी और टेराकोटा, मथुरा की सांझी क्राफ्ट, बुंदेलखंड का काठिया गेहूं और पीलीभीत की बांसुरी भी शामिल हैं। ये सभी उत्पाद अपने-अपने क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान हैं और अब जीआई टैग प्रमाण पत्र मिलने से इन्हें कानूनी संरक्षण और ब्रांड वैल्यू दोनों मिलेंगे। चित्रकूट का वुड क्राफ्ट, आगरा का स्टोन इनले वर्क और जौनपुर की इमरती को भी जीआई टैग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश के हर क्षेत्र में छिपे पारंपरिक शिल्प और स्वाद को अब वैश्विक मंच पर ले जाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जीआई टैग न केवल उत्पाद की मौलिकता को दर्शाता है, बल्कि इसके जरिए किसानों और कारीगरों को बाजार में बेहतर दाम मिलते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। योगी सरकार के सतत प्रयासों और ओडीओपी नीति के चलते उत्तर प्रदेश जीआई टैग प्राप्त उत्पादों की संख्या में लगातार शीर्ष पर बना हुआ है।

लखनऊ में बनेगा अत्याधुनिक कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार राजधानी लखनऊ में इंटरनेशनल कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर का निर्माण भविष्य की जरूरतों अनुरूप करने जा रही है। अवध विहार योजना के अंतर्गत होने वाले इस निर्माण व विकास कार्य को वैश्विक मानकों के अनुसार पूरा करने पर योगी सरकार का फोकस है। इस बात को ध्यान में रखकर नियोजन विभाग ने खाका तैयार कर निर्माण कार्य की तैयारियां शुरू कर दी हैं। योजना के अनुसार, 10 हजार लोगों की कुल क्षमता वाले इंटरनेशनल एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर का निर्माण 1.32 लाख स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में होगा। इसमें 2500 लोगों के बैठने की क्षमता वाले ऑडिटोरियम समेत 4 एग्जीबिशन हॉल समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। इन कार्यों को पूरा करने के लिए 18 महीने की समयावधि तय की गई है।

अवध विहार योजना के अंतर्गत बनने वाले इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर के निर्माण व विकास कार्यों में 1058.22 करोड़ रुपए (जीएसटी अतिरिक्त) की धनराशि खर्च की जाएगी। ऐसे में, निर्माण व विकास कार्यों से जुड़ा हर एक कार्य उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप हो इस पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर का निर्माण पूरा होने पर यह देश के उन स्थानों में शामिल होगा जो भविष्य में बड़े राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों को सफलतापूर्वक मेजबानी का माध्यम बनेगा।

यही कारण है कि इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। इसमें आधुनिक ऑडियो-विजुअल सिस्टम, विश्वस्तरीय डिजिटल पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ ही 300 किलोवाट पावर सौर ऊर्जा चालित पावर स्टेशन से भी युक्त करने की तैयारी है।

इंटरनेशनल कन्वेंशन व एग्जिबिशन सेंटर का निर्माण नियोजन विभाग द्वारा इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर किया जाएगा। कन्वेंशन सेंटर व ऑडिटोरियम बिल्डिंग के बेसमेंट में बड़ी पार्किंग का निर्माण होगा जिसमें टू व्हीलर, फोर व्हीलर समेत बसों व बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए भी पर्याप्त जगह होगी। इसके अतिरिक्त, सर्विस रूम, ड्राइवर लाउंज, टॉयलेट ब्लॉक्स, वाकओवर पाथ-वे तथा 35 मीटर ऊंचाई वाले 4 क्लॉक टावर का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के अनुसार मुख्य भवन के साथ ही परिसर में एडमिनिस्ट्रेशन समेत विभिन्न प्रकार के ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, परिसर की चारदीवारी को स्लाइडिंग गेट्स युक्त बनाया जाएगा। परिसर में उत्तम प्रकाश व्यवस्था, वातानुकूलन व्यवस्था और हरियाली सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम, वॉटर व सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, एलईडी वॉल, इनडोर-आउटडोर डिजिटल साइनेजेस, एक्स-रे बैगेज स्कैनर, कस्टमाइज्ड आर्ट वर्क, वाईफाई, फायर फाइटिंग युनिट तथा इंटीग्रेटेड बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम जैसी सुविधाओं से युक्त किया जाएगा।

गंगा संरक्षण के लिए 548 करोड़ की परियोजनाओं को मिली मंजूरी

लखनऊ/नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। गंगा के संरक्षण और पुनर्जीवन को एक नई गति देने की दिशा में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की 61वीं कार्यकारी समिति की बैठक, एनएमसीजी के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में गंगा नदी के पुनर्जीवन को समर्पित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

ये परियोजनाएं न केवल गंगा की निर्मलता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम हैं, बल्कि सतत विकास को प्रोत्साहित करने और इस पावन नदी की समृद्ध पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कार्यकारी समिति की बैठक में रामगंगा नदी में प्रदूषण की रोकथाम के लिए मुरादाबाद जोन-3 और जोन-4 में इंटरसेप्शन, डायवर्जन, एसटीपी और अन्य संबद्ध कार्यों से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी दी गई। 409.93 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य रामगंगा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाना है। परियोजना के तहत जोन-3 में 15 एमएलडी और जोन-4 में 65 एमएलडी क्षमता वाले आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही 5 प्रमुख नालियों को इंटरसेप्ट कर डायवर्ट किया जाएगा। इस योजना में 50 केएलडी क्षमता का सेप्टेज को-ट्रीटमेंट सुविधा भी प्रस्तावित है, जो मलजल प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाएगी। यह परियोजना सिर्फ निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आगामी 15 वर्षों तक संचालन एवं रखरखाव भी शामिल है, जिससे इसके सतत और दीर्घकालिक प्रभाव को सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यकारी समिति की बैठक में कानपुर शहर, उत्तर प्रदेश के 14 अनटैप नालों के इंटरसेप्शन और डायवर्जन से जुड़ी एक अहम परियोजना को 138.11 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर मंजूरी दी गई, जो शहर की जल निकासी और स्वच्छता प्रणाली को एक नई दिशा देगी। इस परियोजना के अंतर्गत नालों से सीधे नदी में गिरने वाले सीवेज को रोककर, उसे प्रस्तावित सीवेज पंपिंग स्टेशनों और मैनहोल्स के माध्यम से शोधन केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। इसमें एक वर्ष के संचालन और रखरखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

कार्यकारी समिति ने उपचारित जल के सुरक्षित पुन: उपयोग के लिए राज्य नीति और व्यवसाय मॉडल के विकास तथा एनएमसीजी के लिए एक पॉडकास्ट श्रृंखला के निर्माण को भी मंजूरी दी है। इसमें उपचारित जल के सुरक्षित पुन: उपयोग से जुड़ी नीतियों के विकास, उत्तर प्रदेश के कानपुर के लिए एक व्यवसाय मॉडल तैयार करना, और नमामि गंगे: ट्रांसफॉर्मिंग इंडियाज़ लाइफलाइन शीर्षक से पॉडकास्ट श्रृंखला का निर्माण शामिल है। यह श्रृंखला एनएमसीजी की पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, ज्ञान का प्रसार करने और उपचारित जल के सुरक्षित पुन: उपयोग को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित होगी।

कार्यकारी समिति ने बोट्स ऑफ द गंगा बेसिन: रिवराइन एंड मेरीटाइम हेरिटेज शीर्षक वाली एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म के निर्माण को मंजूरी दी है। यह फिल्म गंगा बेसिन में सदियों से फलती-फूलती लकड़ी की पारंपरिक नाव निर्माण कला को एक नए अंदाज़ में प्रस्तुत करेगी। डॉक्यूमेंट्री का फोकस गंगा बेसिन में विकसित नाव निर्माण की सांस्कृतिक गहराई और ऐतिहासिक विरासत पर होगा। यह केवल नावों की बनावट की कहानी नहीं होगी, बल्कि उन कारीगरों की ज़िंदगियों का जीवंत चित्रण भी करेगी, जिनके हाथों ने इस परंपरा को पीढ़ियों से संजो कर रखा है।

इन पहलों के सफल क्रियान्वयन के पश्चात गंगा नदी तथा उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता और पुनर्जीवन के प्रयासों को एक नई दिशा और गति मिलेगी। ये परियोजनाएं न केवल प्रदूषण नियंत्रण और जल संरक्षण में सहायक होंगी, बल्कि नदी तटीय विरासत के संरक्षण और सतत जल प्रबंधन प्रणाली के विकास में भी मील का पत्थर साबित होंगी। इन पहलों के माध्यम से नदियों से जुड़ी पारिस्थितिकीय चुनौतियों का समाधान कर, उन पर निर्भर जनसमुदायों के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित किया जा सकेगा।

योगी ने साकार किया राम को रोटी से जोड़ने का सपना

धार्मिक स्थलों पर भी रोजगार के अवसर बढ़े

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास और पुनरुद्धार का नतीजा है कि वहां रोजी-रोजगार के अवसर भी खूब बढ़े हैं। पर्यटकों की आमद में बेतहाशा इजाफा ने स्थानीय स्तर पर रोजगार को खूब बढ़ा दिया है। तीन साल से घरेलू पर्यटकों के आमद के हिसाब से यूपी देश में नंबर वन पर स्थापित हो गया है। पर्यटकों की आमद के हिसाब से उत्तर प्रदेश लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2022 से ही घरेलू पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक पर बना हुआ है। सरकार के आंकड़ों पर गौर करें तो 2017 में उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या मात्र 24 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 65 करोड़ हो गई। आठ वर्षों में 41 करोड़ की यह वृद्धि खुद में अभूतपूर्व है। स्वाभाविक है कि महाकुंभ के नाते 2025 एक नया रिकॉर्ड रचेगा। यह संख्या एक अरब का ऊपर तक जा सकती है।

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 60 फीसद से अधिक घेरलू यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा देनी होती है। यह सारा काम उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संजीदगी से कर रही है।

इसकी पृष्ठभूमि मार्च 2017 में जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तभी से शुरू हो गई थी। तब अयोध्या जाना तो दूर की बात, कोई नेता अयोध्या का नाम तक नहीं लेना चाहता था उस अयोध्या में वह बार बार गए। हर बार उन्होंने अयोध्या को विकास की बड़ी सौगात दी। दीपावली के एक दिन पूर्व भव्य दीपोत्सव आयोजन कराया। इससे एक बार फिर देश-दुनिया में राम को मानने वालों का ध्यान अयोध्या की ओर गया। राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने और मंदिर का शिलान्यास होने के बाद तो केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या के कायाकल्प के लिए खजाने का मुंह खोल दिया। मुख्यमंत्री की मंशा अयोध्या की दुनिया की सबसे खूबसूरत पर्यटन नगरी बनाने की है। इसे वे कई बार सार्वजनिक मंचों से भी कह चुके हैं। उसी मंशा के अनुरूप अयोध्या में लगातार काम भी हो रहे है। काशी, प्रयाग, ब्रज क्षेत्र पर भी उनका इसी तरह फोकस है।

उल्लेखनीय है कि राम और रोटी का रिश्ता अटूट है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राम मंदिर आंदोलन को धार देकर भाजपा ने इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख एजेंडा बनाया। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद जब राम मंदिर आंदोलन के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा ही सत्ता में रही। सोने पर सुहागा यह कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ थे। यह वह पीठ है जिसका राम मंदिर आंदोलन से वास्ता करीब 100 वर्षों का है। योगी के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और खुद योगी आदित्यनाथ राम मंदिर आंदोलन के हर महत्वपूर्ण घटना के समय मौजूद रहे। ऐसे में जनमानस के मन में यह बैठ गया है कि अयोध्या में श्रीराम को फिर से पुनर्स्थापित करने का काम भाजपा ने किया। इस काम में गोरक्षपीठ की अहम भूमिका रही। बतौर पीठ के पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल इस कसौटी पर खरे उतरे, बल्कि काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य धार्मिक स्थलों के नियोजित विकास से अपने पद एवं दायित्व के अनुसार उसे विस्तार भी दिया। यह सिलसिला अभी जारी है।

गर्मियों में दानों से बचने के लिए खास टिप्स

गर्मी के मौसम में अक्सर स्किन सम्बन्धी समस्याएं पनपने लगती हैं। यही नहीं इस मौसम के खत्म होने के बाद आने वाली बारिश कई बार इन समस्याओं में और भी बढ़ोत्तरी कर डालती है। ऐसे में जरूरी है कि इसे लेकर सजग रहा जाए।

बढ़ जाए जब तकलीफः कई बार ध्यान न देने पर छोटी-सी फुंसी या फोड़े की तकलीफ भी गंभीर रूप ले लेती है। कुछ लोगों को गर्मी के मौसम में सर, आंखों या चेहरे पर पीली-लाल बड़ी फुंसियां होने की समस्या होती है। ये फुंसियां पककर फूटती हैं तो संक्रमण के फैलने की आशंका भी हो सकती है। इसके अलावा तैलीय या ऑइली स्किन वालों को भी पिम्पल्स ज्यादा उभरते हैं। ये फुंसियां दर्द, जलन, खुजली आदि जैसी तकलीफ दे सकती हैं। यदि ऐसे में पर्याप्त साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो यह घाव बढ़कर गंभीर हो सकता है।

जरूरी है रोज नहानाः गर्मी हो या अन्य मौसम, साफ पानी से नियमित नहाना सबसे पहली जरूरत है। इससे शरीर पर लगी धूल-मिटटी और पसीने की गंदगी साफ होती है। यही नहीं पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की भी आदत डालें। इससे शरीर को अंदर से साफ रखने में मदद मिलेगी।

भोजन में खाएं ताजे फलः कोशिश करें की भोजन में ताजे फल और सलाद ज्यादा खाएं। साथ ही तले-गले और गरिष्ठ भोजन से बचें। व्यायाम जरूर अपनाएं और सुबह ताजी हवा के सम्पर्क में आएं। जिम या अन्य एक्सरसाइज के दौरान आने वाले पसीने को साफ कपड़े से थपथपाकर पोंछें। इसके बाद अच्छे से नहाएं। कॉटन के या पसीने को सोखने वाले मटेरियल के कपड़े पहनें। अगर हो सके तो दिन में दो बार नहाएं। नहाने के पानी में एंटीसेप्टिक या अन्य संक्रमणों से बचाने वाले तेल आदि डालने से पसीने में दुर्गन्ध और संक्रमण से बचा जा सकता है, ऐसे उपाय अपनाएं।

आम से हो सकता संक्रमणः यदि आपको किसी प्रकार के संक्रमण की टेंडेंसी है या फैमिली हिस्ट्री है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यदि 3-4 दिन में फोड़े-फुंसी ठीक न हों तो भी डॉक्टर से सलाह जरूर लें। आम से होने वाले संक्रमण के मामले में भी आमों को खाने से पहले अच्छी तरह धोने की और सावधानी से उसका ऊपरी सिरा हटाने की आदत डालें। हाथों को भी साफ रखने और अच्छे से धोने का ध्यान रखें। साथ ही अंडरगार्मेंट्स और अन्य कपड़ों को भी साफ रखें। ये भी संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

पसीना, प्रदूषण और बहुत कुछः गर्मी के मौसम में पसीना फोड़े-फुंसी या रैशेज के होने का बड़ा कारण बन सकता है। लगातार आने वाले पसीने से एक जगह पर हुई तकलीफ शरीर में दूसरी जगहों पर भी पहुंच सकती है। इसके अलावा सीधे सूरज की किरणों या तेज गर्मी के सम्पर्क में आने, धूल-धुएं से, किसी खराब कॉस्मेटिक से, सिंथेटिक या मौसम के लिहाज से अन्य तरह के गलत मटेरियल के कपड़े पहनने से भी फोड़े-फुंसी या संक्रमण हो सकते हैं। घमौरियां तो इस मौसम में आम हैं ही। कई बार तो आम को गलत तरीके से खाने से भी लोगों को चेहरे पर घाव जैसा पनप जाता है। इन सभी के पीछे असल कारण मौसम और बढ़ा हुआ तापमान ही है।

डेस्क वर्कर्स के लिए हेल्थ टिप्स

दिन के एक बड़े हिस्से को ऑफिस डेस्क के सामने बिताने वाले लोगों के लिए फुल लेंथ एक्सरसाइज के बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल होता है। दिनभर कीबोर्ड और ईमेल्स से जूझने के बाद लोग घर जाकर सिर्फ सोना पसंद करते हैं। लेकिन यहां दी गई तीन खास हेल्थ टिप्स की मदद से डेस्क वर्कर्स भी एक्टिव और एनर्जेटिक लाइफ जी सकते है।

पूरे दिन रहें फुल-ऑन एक्टिव

अक्सर देखा जाता है कि डेस्क वर्कर्स अपनी डेस्क पर ही लंच करना शुरु कर देते हैं और सोशल मीडिया यूज करते रहते हैं। यह एक नुकसानदायक प्रवृत्ति ह। दरअसल डेस्क वर्कर्स को कुछ वक्त अपनी डेस्क से दूर हटकर भी बिताना चाहिए। लगातार कंप्यूटर यूज करने से एक तो मानसिक थकान हो जाती है दूसरे आप शारीरिक रूप से थका हुआ फील करने लगते हैं। ऐसे में अपनी चेयर पर ही फैल कर बैठ जाते हैं जिससे आसानी से काम होता रहे। लेकिन यह काफी खतरनाक है। इससे बचने के लिए आप टाइपिंग नहीं करने की स्थिति में अपनी सीट पर ही खड़े हो सकते है। इसके अलावा अगर आप दफ्तर के किसी कोने में खड़े होकर दोस्तों के साथ गपशप कर रहे हैं तो वहां बैठने के लिए सीट ना खोजने लगें और जितनी देर हो सके खड़े रहने की कोशिश करें। इससे आप पूरे दिन एक्टिव रह पाएंगे।

टाइपिंग वालों के लिए टिप

कॉल-सेंटर, कस्टमर-केयर, डेस्क-जर्नलिज्म और प्रोफेशनल राइटिंग आदि प्रोफेशंस में लगे लोगों के वर्किंग आवर्स का 80 प्रतिशत टाइपिंग करते हुए बीतता है। एक्सेसिव टाइपिंग की वजह से कई बार उंगलियों और हाथों में जकड़न की शिकायत भी देखी जाती है। लेकिन एक रबर बैंड इस दिक्कत से निजात दिला सकती है। अगर आप ऐसे किसी प्रोफेशन में है तो आपको बस एक रबर बेस्ड हैंडबैंड खरीदना होगा। इसके बाद अपनी फिंगर्स के टिप को मिलाकर रबर बैंड के अंदर डालकर मुट्ठी खोलने की कोशिश करना है। फिंगर टिप्स को उल्टी दिशा में बिना मोड़े हुए खोलने से आपकी फिंगर्स को भी टाइपिंग के स्ट्रेस से मुक्ति मिलेगी। यह एक्सरसाइज आप स्क्रॉल डाउन करते हुए, ईमेल पढ़ते हुए और टीवी देखते हुए भी कर सकते हैं।

खतरनाक है कंधों को झुकाना

अगर आप काम करते करते अपने कंधों को झुका लेते हैं तो इस आदत को आज से ही बदल लीजिए क्योंकि ऐसा करने से आप गर्दन, कंधे के दर्द और पीठ के दर्द से परेशान हो सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको अपनी कंप्यूटर स्क्रीन को अपनी आंखों के ठीक सामने रखना होगा। जिससे आपको नीचे झुककर ना बैठना पड़े।

व्हाइट ब्रेड और पास्ता से बढ़ सकता है डिप्रेशन

व्हाइट ब्रेड और पास्ता से बढ़ सकता है डिप्रेशन ऐसी रिसर्च सामने आई हैं जिनसे पता चला है कि यदि व्हाइट ब्रेड और पास्ता चीजों का इस्तेमाल अधिक किया जाए तो ब्लड शूगर घटने से डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं खास कर महिलाओं को।

मत खाइए व्हाइट ब्रेड और चावल

हाल में ही सामने आयी एक रिसर्च की मानें तो व्हाइट ब्रेड और चावल के खाने से बड़ी उम्र की महिलाओं को डिप्रेशन की समस्या हो सकती है। लेकिन अगर आप साबुत अनाज, चोकर और सब्जियों से भरपूर भेजन करें तो इसके असर को घटाया जा सकता है। इसी तरह रिफाइंड खाद्य से ब्लड शुगर लेबल घट जाता है। इसे इंसुलिन की मदद से कंट्रोल किया जाता है पर उससे डिप्रेशन बढ़ने के चांसेज होते हैं इसलिए इनसे बचें वही बेहतर है।

लगभग हर 100 में से तीन को होता है डिप्रेशन

एक अमेरिकन जनरल क्लीनिकल न्यूट्रीशन में छपी रिर्पोटस की मानें तो ब्रिटेन में किए गए सर्वे में पाया गया कि खाने के चलते हर 100 में से तीन लोगों को डिप्रेशन का शिकार पाया गया। शोधकर्ता कहते हैं कि इसे रोकने का एक ही तरीका है पर्याप्त न्यूट्रीशन लेना। ये स्टडी बताती है मासिक धर्म का सिलसिला खत्म कर चुकीं करीब 70000 महिलाओं में रिफाइंड कार्बोहाड्रेड के साथ डिप्रेशन के लक्षण पाए गए।

घटता ब्लड शुगर बढ़ता डिप्रेशन

अध्ययन में बताया गया कि रिफाइंड काब्रोहाइड्रेड जैसे व्हाइट ब्रेड और व्हाइट राइस के प्रभाव से आपके शरीर हारमोनल परिर्वतन होते हें और ब्लड शुगर का स्तर घट जाता है। इसका नतीजा मूड स्विंग्स और थकान जैसे डिप्रेशन के विभिन्न रूपों में सामने आता है खास कर महिलाओं में इसकी संभावना सबसे ज्यादा है। आपके रिफाइंड खाद्यों और ब्लड शुगर का सीधा कनेक्शन है इसलिए बेहतर होगा कि इससे बचने का प्रयास करें। डाइट्री फाइबर से भरपूर खाना, साबुत अनाज और सब्जियों का सेवन आपको सुरक्षित रखने में सहायक होते हैं। हां ताजे फल, (फलों का रस या बाजार में मिलने वाले फ्रूट जूस नहीं) भी आपके ब्लड शुगर को कंट्रोल करते हैं। वैसे अब वैज्ञानिक ये जानने के प्रयास में लगे हें कि कम उम्र की महिलाओ और पुरुषों में भी क्या ये समस्या पाई जाती है।

आपकी ये आदत गले के कैंसर को देती है न्यौता

चाय की गर्म चुस्कियां हो सकती हैं Dangerous

चाय की गर्म-गर्म चुस्कियां आपके लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ईरान में हुए एक अध्ययन के मुताबिक फटाफट बेहद गर्म चाय पीने से गले के कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। यह खबर गर्म चाय के शौकीनों और प्याले में तूफान की बात करने वाली चाय कंपनियों को परेशान कर सकती हैं। अगर गर्म चाय पर शोध करने वालों की मानें तो बेहद गर्म चाय फटाफट पीने से गले के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तो आइए हम आपको बताते हैं कि गर्म चाय पीने के क्या नुकसान हैं।

पहले भी कर चुके हैं दावा

वैज्ञानिकों का कहना है कि चाय को थोड़ा-सा ठंडा होने दें, यानि उबलती हुई चाय पीने से बचें। इससे पहले ब्रिटेन के कुछ शोधकर्ता भी बेहद गर्म पेय पदार्थ पीने से बचने की सलाह दे चुके हैं। शोध करने वाले कहते हैं कि 70 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म चाय पीने पर गले के कैंसर का खतरा आठ गुना बढ़ जाता है। रिसर्च के मुताबिक अगर 65 डिग्री सेल्सियस से कम ठंडी चाय पी जाए तो खतरे की संभावना न के बराबर है। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंस के रेजा मलेकिजादेह का दावा है कि उन्होंने उत्तरी ईरान में 571 स्वस्थ लोगों के चाय पीने की आदत का अध्ययन किया।

ज्यादातर लोगों की मौत

इस दौरान हर व्यक्ति ने एक दिन में एक लीटर बिना दूध की चाय पी। रेजा का दावा है कि जिन लोगों ने चाय दो मिनट से भी कम समय में पी, उनमें गले के कैंसर की संभावना धीरे-धीरे चाय पीने वालों से चार गुना ज्यादा पाई गई। उत्तरी ईरान के गोलेस्तान प्रांत में लोग मदिरापान और धूम्रपान बहुत कम करते हैं, लेकिन बावजूद इसके इस इलाके में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। वैसे दुनियाभर में गले के कैंसर के हर साल पांच लाख नए मामले सामने आते हैं, जिनमें ज्यादातर लोग दम तोड़ देते हैं।

इन ड्रेसेज के साथ समर में अपनाएं कूल लुक

समर फैशन एक बार फिर से रंगत बिखेर रहा है। खासकर साड़ियों में ऐसे फैब्रिक्स पसंद किए जा रहे हैं, जो सीजन में कूल रहते हैं। इन फैब्रिक्स में लिनन का क्रेज खास नजर आ रहा है। हालांकि लिनन की साड़ियों का ट्रेंड नया है, लेकिन यह धीरे-धीरे काफी लोकप्रिय हो रहा है। चंदेरी और कोटा डोरिया में भी खास इनोवेशन देखे जा रहे हैं, वहीं समर में ऐसे और भी कलेक्शन आप अपना सकते हैं, जिसने आप काफी कूल महसूस करेंगे।

कैप्री की डिमांड बढ़ी

मूवी देखने जाना हो या फिर शॉपिंग करने जींस का झंझट छोड़ अब गर्ल्स कैप्री और शार्ट्स पसंद कर रही हैं। उनके मुताबिक गर्मी में सबसे कंफर्टेबल ड्रेस है। यही वजह की मार्केट में लोकल ब्रांड से लेकर ब्रांडेड कैप्री और शार्ट्स की मांग बढ़ गई है। गर्मी में शार्ट्स व कैप्री की डिमांड कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। इन दिनों मार्केट में शार्ट्स, लैगिंस, कैप्री, जैगिंस और हैरम पैंट्स छाए हुए हैं।

कॉटन चैक्स शॉर्ट्स

विभिन्न रंगों, डिजाइनों और मटेरियल में उपलब्ध ये समर वियर इन दिनों फैशन का पर्याय बन गई हैं। कॉटन चैक्स शार्ट्स की डिमांड गर्ल्स में सबसे ज्यादा है। ये कंफर्ट और कूल लुक देती है। कॉलेज कैंपस में अमूमन गर्ल्स को इसी ड्रेस में देखा जा सकता है। कूल कलर्स शार्ट्स को किसी भी टॉप के साथ वियर किया जा सकता है। इससे नया और स्टाइलिश लुक मिलेगा। इसके साथ होजियरी कैप्री भी पसंद की जा रही है। बड़े-बड़े फ्लॉवर प्रिंट, कार्टून, पोलका डॉट्स में ये लुभावने लगते हैं।

रेसिपी

जीरा आलू

सामग्री

मध्यम आकार के आलू- पांच छह उबले हुए, जीरा- आधा चम्मच, हींग- एक चुटकी, हरी मिर्च- दो तीन, धनिया पाउडर- डेढ़ टी स्पून, मिर्च पाउडर- एक टी स्पून, अमचूर पाउडर- एक टी स्पून घी या तेल- आधी कलछी, नमक- स्वाद अनुसार, हरी धनिया- आधा कप महीन काटी हुई।

विधि

एक पैन में तेल गरम करें और जब वह बहुत गरम हो जाए तब उसमें जीरा और हींग डालें। फिर उसमें हरी मिर्च काट कर डालें और 1 मिनट तक चलाएं। उसके बाद आंच को धीमा कर के धनिया पाउडर, अमचूर, मिर्च पाउडर डाल कर हल्के से चलाएं। उसके बाद पैन में उबले आलू को छील कर चार टुकड़ों में काट कर डाल मसाले के साथ मिक्स करें। इसके बाद इसमें नमक डालें और तब तक चलाते रहें जब तक कि आलू हल्के सुनहरे ना हो जाए। हल्की आंच पर 5 मिनट तक फ्राई करें और फिर गैस बंद कर के इसे हरी धनिया से गार्निश करें।

कोरगेट-लेमन केक

सामग्री

2 पके केले, 3 बड़े अंडे, 5 बड़े चम्मच शहद, 1 चम्मच वनिला एक्सट्रैक्ट, 75 ग्राम मक्खन, नरम करने के लिए, 375 ग्राम आटा, 1 चम्मच बेकिंग पाउडर, 50 ग्राम बादाम, 2 कोर्गेट्स कसे हुए, 1-2 नींबू स्वाद के अनुसार

विधि

सबसे पहले माइक्रोवेव को 200°C पर गर्म कर लीजिए और 20 सेंटीमीटर केक की बेस लाइन बना लीजिए। इसके बाद दूसरी ओर बड़े बाउल में केले को अच्छे से मसल लीजिए। इसमें अंडे, शहद और वनीला को मिला लीजिए। इस पूरे मिश्रण को और अच्छे से मिलाते रहिए। अब इसमें मक्खन भी मिला लीजिए और पूरे मिश्रण को चलाते रहिए। अब इसमें आटा और बेकिंग पाउडर भी मिला दीजिए। इसको अच्छे से मिलाने के बाद इसमें बादाम भी मिला दीजिए। अब दूसरी ओर कोरगेट में से पानी को अच्छी तरह से निचोड़ दीजिए और फिर इसमें नींबू का रस मिला दीजिए और सारे मिश्रण को एकसाथ मिला लीजिए। अब इस पूरे मिश्रण को तैयार किए गए केक लेयर में डाल दें। इसे माइक्रोवेव में रखकर 30 मिनट के लिए बेक करें। इसे तक तक बेक करना है जब तक ये हल्का सख्त न हो जाए। माइक्रोवेव से निकालने के बाद इसे 10 मिनट तक लेयर में ही रहने दें, अभी न निकालें। अब इसे बाहर निकालकर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद अपने बच्चों और परिवार को सर्व करें।

संपादकीय

बचत के फैसले

आत्मनिर्भरता की कसौटियों में हिमाचल के अपने खाके मजबूत करने की शर्तों में रिसॉर्स मोबिलाइजेशन मंत्रिमंडलीय उप समिति ने सुझाव तो चुन लिए, मगर कार्यान्वयन का इंतखाब बाकी है। अहम फैसला राजधानी से दफ्तरों की भीड़ को घटा कर प्रदेश के अन्य शहरों में स्थानांतरित करने का है। कुछ बोर्ड-निगमों का मर्जर किफायत करेगा, तो दफ्तरों की गाडियां घटा कर भी बचत का फैसला लिया जा रहा है। हिमाचल में सरकारी अदब खर्चीला व फिजूल के प्रदर्शन का गवाह बना है। बेशक राजधानी शिमला में सरकार की शानो-शौकत की कीमत जिला मुख्यालयों की अपेक्षा अधिक और अव्यवहारिक है। ऐसे में दफ्तरों का स्थानांतरण न केवल खर्च की नई समीक्षा करेगा, बल्कि इससे प्रशासनिक सुधार व विकेंद्रीयकरण भी होगा। जाहिर है कार्यालयों का बढ़ता घनत्व अपने आप में शहरीकरण की लिखावट को अव्यवस्थित करता है। प्रदेश में अगर सलीके से विभागीय कार्यालयों की संपत्तियों का सदुपयोग करना है, तो एक राज्य स्तरीय सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण का गठन करना होगा। पुलिस, स्वास्थ्य व शिक्षण संस्थानों की संपत्तियों को छोडक़र बाकी तमाम सरकारी कार्यालयों की संपत्तियां इसी प्राधिकरण के तहत लाई जाएं। अगर विभागीय संपत्तियों का मूल्यांकन व सदुपयोग करें, तो सार्वजनिक भूमि और निर्मित इमारतों में स्थान की किफायत होगी। धूमल सरकार ने कंबाइंड बिल्डिंग के तहत कई विभागों को एक ही छत के नीचे लगाकर स्पेस और पैसे की बचत का रास्ता दिखाया था। अगर इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक एस्टेट प्राधिकरण का गठन राजधानी और प्रशासनिक शहरों के भवनों को सचिवालय की तर्ज पर संयुक्त कार्यालयों में विकसित करे, तो किराए के भवनों में चल रहे दफ्तरों को छत और खर्च को कम किया जा सकता है। प्रदेश में दो से ढाई हजार डाकबंगले भी इसी तरह धन और मानव संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं। राजधानी शिमला में ही चार से पांच दर्जन रेस्ट हाउस अलग-अलग विभागों के गिने जा सकते हैं। जाहिर है इनके निर्माण और मरम्मत में हर साल लाखों रुपए खर्च होते होंगे। अलग-अलग रेस्ट हाउस की देखरेख और प्रबंधन के लिए कर्मचारियों को आतिथ्य सेवाओं में जबरन थोपा जाता है। इस सारे तामझाम को अगर दो या तीन बड़े परिसरों में समाहित कर दिया जाए, जहां एक साथ सौ या दो सौ कमरों के संयुक्त अतिथिगृह सभी विभागों के लिए उपलब्ध होंगे। इनका प्रबंधन पर्यटन निगम की दक्ष टीम के हवाले होगा ताकि पर्यटकों को भी सेवाएं उपलब्ध हों। इसी तर्ज पर जिला मुख्यालयों में भी क्षमता अनुसार पचास से सौ कमरों संयुक्त डाक बंगले स्थापित किए जाएं। इस तरह जो संपत्तियां बच जाएंगी, उन्हें अन्य उपयोग में लाया जा सकता है। प्रदेश में दो या दो से अधिक शहरों को मिला कर विकास योजनाएं बनाएं तो कई कार्यालय केंद्रीय स्थल पर संयुक्त परिसरों में चल सकते हैं। अदालत परिसर, बस स्टैंड, कूड़ा-कर्कट प्रबंधन, कर्मचारी नगर, बड़े अस्पताल, सभा स्थल, मैदान, कृषि, बागबानी कार्यालय तथा पशु चिकित्सालय दो-तीन शहरों को मिला कर चल सकते हैं। उदाहरण के लिए धर्मशाला-पालमपुर या सोलन-शिमला के बीच कर्मचारी नगर बसा दिए जाएं, तो अनावश्यक बस्तियों का दबाव इन शहरों से घट जाएगा। अगर धर्मशाला और कांगड़ा के मध्य एक बड़ा बस स्टैंड, अदालत परिसर, अस्पताल, बाजार तथा कृषि-बागबानी, वन व पशु पालन विभाग के संयुक्त कार्यालय बना दें तो सार्वजनिक भूमि, प्रदेश के संसाधनों और परिवहन के अपव्यय में किफायत होगी। अभी 402 स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना जिस तरह लोक निर्माण, जलशक्ति, पुलिस व अन्य विभाग के कार्यालयों तथा रेस्ट हाउसों में हो रही है, उससे एक नया रास्ता दिखाई देता है। इसी तरह एचआरटीसी की प्रबंधकीय व्यवस्था को रूट आधारित बना कर कई बस डिपो बंद किए जा सकते हैं, जबकि इसी खर्च से आधुनिक बस स्थानकों को व्यापारिक परिसर के रूप से विकसित करके आमदनी बढ़ाई जा सकती है।

> अहम फैसला राजधानी से दफ्तरों की भीड़ को घटा कर प्रदेश के अन्य शहरों में स्थानांतरित करने का है। कुछ बोर्ड-निगमों का मर्जर किफायत करेगा, तो दफ्तरों की गाडियां घटा कर भी बचत का फैसला लिया जा रहा है। हिमाचल में सरकारी अदब खर्चीला व फिजूल के प्रदर्शन का गवाह बना है। बेशक राजधानी शिमला में सरकार की शानो-शौकत की कीमत जिला मुख्यालयों की अपेक्षा अधिक और अव्यवहारिक है। ऐसे में दफ्तरों का स्थानांतरण न केवल खर्च की नई समीक्षा करेगा, बल्कि इससे प्रशासनिक सुधार व विकेंद्रीयकरण भी होगा। जाहिर है कार्यालयों का बढ़ता घनत्व अपने आप में शहरीकरण की लिखावट को अव्यवस्थित करता है। प्रदेश में अगर सलीके से विभागीय कार्यालयों की संपत्तियों का सदुपयोग करना है, तो एक राज्य स्तरीय सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण का गठन करना होगा। पुलिस, स्वास्थ्य व शिक्षण संस्थानों की संपत्तियों को छोडक़र बाकी तमाम सरकारी कार्यालयों की संपत्तियां इसी प्राधिकरण के तहत लाई जाएं।

कराची से लगभग 250 किलोमीटर, ग्वादर से 125 किलोमीटर की दूरी पर है

बलूचिस्तान का तीर्थ हिंगलाज धाम

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> बलूचिस्तान में लासबेला कभी रियासत हुआ करती थी। लास का अर्थ है समतल मैदान और बेला का अर्थ है जंगल। लेकिन अब यह रियासत बलोचिस्तान का ही हिस्सा है। इसमें कोई शक नहीं कि यह समतल भी है और यहां जंगल भी है। लेकिन जहां जंगल होगा, वहां पहाड़ भी होना चाहिए। सचमुच यहां पहाड़ भी है। दरअसल बलोचिस्तान में मकरान के विशाल मरुस्थल में खेरथार पर्वत श्रंखला सभी को आकर्षित करती है।

चैत्र वैशाख का मास हो और हिंगलाज देवी तीर्थ स्थल की चर्चा न हो, यह संभव नहीं है। बलूचिस्तान में लासबेला कभी रियासत हुआ करती थी। लास का अर्थ है समतल मैदान और बेला का अर्थ है जंगल। लेकिन अब यह रियासत बलोचिस्तान का ही हिस्सा है। इसमें कोई शक नहीं कि यह समतल भी है और यहां जंगल भी है। लेकिन जहां जंगल होगा, वहां पहाड़ भी होना चाहिए। सचमुच यहां पहाड़ भी है। दरअसल बलोचिस्तान में मकरान के विशाल मरुस्थल में खेरथार पर्वत श्रंखला सभी को आकर्षित करती है। यह सारा क्षेत्र सिंध प्रदेश से जुड़ा हुआ है। इस खेरथार पर्वत श्रंखला के अंतिम चरण में शिखर पर सप्तसिन्धु क्षेत्र का ऐतिहासिक तीर्थ धाम स्थित है। इसी पर्वत के चरणों मे हिंगोल नदी बहती है। वैसे हिंगोल का अर्थ लाल होता है। यह तीर्थ धाम सिन्ध प्रदेश की राजधानी कराची से लगभग 250 किलोमीटर, ग्वादर से 125 किलोमीटर की दूरी पर है। वैसे कहा जा सकता है कि अरब सागर इस तीर्थ क्षेत्र के चरण पखारता है क्योंकि अरब सागर इससे केवल बीस किलोमीटर दूर है। इस तीर्थ धाम में अनेक ऐतिहासिक मंदिर स्थित हैं, लेकिन इस इतिहास का आरंभ होता है हिंगलाज माता के मंदिर से। पहाड़ की अनेक गुफाओं में से एक गुफा में हिंगलाज माता पिंडी रूप में विद्यमान हैं। हिंगलाज देवी का यह मंदिर बावन शक्तिपीठों में से एक है। देश भर में फैले सती के बावन शक्तिपीठों में से एक बलूचिस्तान में स्थित है और दूसरा सिन्ध प्रदेश में कराची में स्थित है। सती के इन बावन शक्तिपीठों का इतिहास अफगानिस्तान से लेकर कन्याकुमारी तक जन स्मृतियों का सनातन हिस्सा है। इसलिए सबसे पहले इस इतिहास की चर्चा। दक्ष प्रजापति अपने समय के महाप्रतापी राजा थे। उनकी पुत्री सती ने पिता की इच्छा के विपरीत शंकर से विवाह किया था। इसलिए प्रजापति ने अपनी पुत्री और दामाद से सभी संबंध तोड़ लिए थे। एक बार प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया था। उसमें उसने सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन अपने दामाद और पुत्री सती को निमंत्रण नहीं भेजा। महर्षि नारद घूमते हुए आए तो उन्होंने सती को बताया कि उसके पिता बहुत बड़ा यज्ञ कर रहे हैं। तब सती ने अपने पिता के इस यज्ञ में जाने का निर्णय कर लिया। शिव ने समझाया कि बिना निमंत्रण के कहीं जाना सम्मानजनक नहीं होता। लेकिन सती का

तर्क था कि पिता के घर जाने के लिए भला पुत्री को निमंत्रण की आवश्यकता होती है? शिव के रोकने के बावजूद सती अपने पिता के इस यज्ञ समारोह में पहुंच गईं। यज्ञ में सभी सगे संबंधी उपस्थित थे। सती ने अपने पिता दक्ष से पूछ लिया कि आपने शंकर जी को क्यों नहीं बुलाया। दक्ष ने सभी के सामने गुस्से में आकर शंकर के लिए अपशब्द कहे। सती पिता के इस व्यवहार से अत्यंत आहत और अपमानित हुईं और उसने वहीं यज्ञ अग्निकुंड में कूद कर अपने प्राण दे दिए। शंकर जी को इस दुर्घटना का पता चला। वे क्रोधोन्मत्त हो उठे। उनके गणों ने तांडव मचा दिया। सभी आमंत्रित अतिथि इधर-उधर भाग गए। यज्ञ विध्वंस हो गया। शिव ने सती का शरीर अग्निकुंड से निकाला और उसे कंधे पर उठाकर चल पड़े। उनके दुःख का आवेग शांत नहीं हो रहा था। लगता था वे अपने क्रोध की अग्नि से सारे संसार को राख कर देंगे। जाहिर है इससे सभी को चिंता हुई। जब तक शंकर के कन्धे पर सती का शरीर रहेगा तब तक वे शांत नहीं होंगे। विष्णु ने इसका समाधान निकाला। वे अपना सुदर्शन चक्र लेकर शंकर के पीछे चल पड़े और समय देख कर सती के शरीर का कोई न कोई अंग काटने लगे। सती के शरीर के बावन अंग देश के अलग-अलग भागों में गिरे और कालांतर में उन सभी स्थानों पर बावन शक्तिपीठों की स्थापना हुई। कहा जाता है कि जिस स्थान पर ब्रह्मरंध्र यानी सिर का ऊपरी भाग गिरा, वहां हिंगलाज देवी के नाम से शक्ति पीठ बना। धीरे-धीरे यह सप्त सिंधु क्षेत्र के ऐतिहासिक तीर्थ स्थल के रूप में विकसित हो गया। इस तीर्थ स्थल पर हिंगलाज देवी के मंदिर के अतिरिक्त शंकर का मंदिर है। गणेश जी, काली माता का भी मंदिर है। इसके अतिरिक्त राम झरोखा है। ब्रह्म कुंड, क्षीर कुंड, अनिल कुंड तो हैं ही, इसके साथ अघोर पूजा मंदिर भी विद्यमान है। यानी कार्तिकेय को छोडक़र पूरा शिव परिवार तो है ही, वैष्णवों का राम झरोखा भी विद्यमान है। माना जाता है कि इस तीर्थ धाम में चौरासी पर्वतों का समूह है। एक प्रकार से यह देव स्थल है। पहाड़ों के शिखरों को देख कर कुछ लोग इन्हें मिट्टी की ज्वालामुखियों से निर्मित भी मानते हैं। यहां की चन्द्र गुफा में ही माता विद्यमान है। लेकिन धीरे धीरे इस तीर्थ स्थल का तो क्या, पूरे सप्त सिन्धु क्षेत्र का ही परिदृश्य बदलने लगा। सातवीं शताब्दी में जब अरब क्षेत्र में इस्लाम पंथ का उदय हुआ तो उसका प्रभाव अफगानिस्तान तक भी पहुंचा, लेकिन इसे वहां तक पहुंचने में लगभग तीन सौ साल लगे। वैसे 712 में एक अरब सेनापति मोहम्मद बिन कासिम ने सिन्ध के रास्ते भारत के अंदर घुसने की कोशिश की थी। लेकिन वह सिंध से आगे नहीं बढ़ सका। अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए इस्लाम पंथ को तीन सौ साल लगे। उसने यह यात्रा 1000 के आसपास पूरी की। अफगानिस्तान के पश्तूनों और खत्रियों ने अरबों व तुर्कों का मुकाबला तो किया, पर सफलता नहीं मिली। ध्यान रखना चाहिए जिस समय तुर्क अफगानिस्तान पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे, उस समय अफगानिस्तान में खत्री बिरादरी ही सरकार चला रही थी। उसे हिंदुशाही कहा जाता है। पश्तून उस समय तथागत बुद्ध की पताका लहरा रहे थे। लेकिन तुर्कों के हमलों व विजय ने सब उथल पुथल कर दिया। इस पराजय के बाद ही पश्तून, हजारा, बलूच, सिंधी व खत्री बिरादरी के लोगों ने इस्लाम पंथ को स्वीकार कर लिया। लेकिन इसे आश्चर्य ही कहा जाएगा कि इस्लाम पंथ को अपनाने के लिए खत्री आगे नहीं आए। कुछ खत्री भी इस्लाम पंथ में मतांतरित हो गए, लेकिन अधिकांश ने अपनी सनातन परंपरा को ही पकड़े रखा। शायद इसका बहुत बड़ा कारण नाथ पंथ और कालांतर में नानक पंथ भी रहा हो। हिंगलाज देवी मंदिर पर्वत पर गुरु गोरखनाथ धूनी और गुरु नानक देव खाराओ को इसी पृष्ठभूमि में समझा जा सकता है। कहा जाता है कि हिंगलाज देवी तीर्थ यात्रा तभी पूरी मानी जाती है जब देवी मंदिर के बाद गोरखनाथ धूनी और नक खाराओ के भी दर्शन कर लिए जाएं। इस्लाम के प्रवाह को रोकने में नाथ परम्परा और दशगुरू परंपरा का सर्वाधिक योगदान कहा जा सकता है।

दृष्टि कोण

भारतीय राष्ट्र के सामने चुनौतियां

स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही यह अनुभव किया जाने लगा था कि सदियों की गुलामी के चलते भारतीय समाज में अपनी आंतरिक इच्छा शक्ति, आत्मविश्वास, नवाचार की खोज करने की बौद्धिक क्षमता, आपसी विश्वास की भारी कमी आ गई है। सदियों से दबे कुचले समाज को अपने शासकों के शोषण को झेलते हुए जैसे-तैसे दांव-पेच से जीवनयापन करने के लिए समझौते करते हुए समय निकालने की आदत हो गई है। कभी धर्म बदल कर तो कभी शासकों के शोषण की कमी अपने से कमजोर वर्गों का शोषण करके पूरी करने के प्रयासों के आदी होकर अपने झूठे अहंकार को संतुष्ट करने के प्रयासों के चलते खंडित समाज की रचना हो चुकी है। देश का शासन संभालते हुए राष्ट्र पुर्निर्माण करने का काम सिर पर है। इस काम को कैसे किया जाए, यह चुनौती आसान नहीं थी। एक ओर देश को भारतीय दृष्टि से अपनी नींव पर खड़ा करने की समझ थी, जिसके समर्थक गांधी और उनकी सोच पर विश्वास करने वाले लोग थे, तो दूसरी ओर अंग्रेजी सोच से प्रभावित नेहरू और उनके वैचारिक समर्थक थे। हालांकि गांधी ने इस बहस को सार्वजनिक करने के प्रयास किए, किन्तु नेहरू ने इस बहस को यह कह कर टाल दिया कि इस बात का फैसला तो चुने हुए प्रतिनिधि ही करने के अधिकारी होंगे। यह बहस इसलिए भी आगे न बढ़ सकी क्योंकि उस समय सबसे पहली प्राथमिकता स्वतंत्रता प्राप्त करना थी। इस बहस से यह खतरा था कि आपसी एकता के अभाव का संदेश जनमानस में जाता। दूसरी ओर सांप्रदायिक आधार पर द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थक देश की एकता को खतरा पेश कर रहे थे, जिनका नेतृत्व जिन्ना कर रहे थे। उनको संरक्षण देने का काम परोक्ष रूप से अंग्रेजी सरकार कर रही थी ताकि भारत को कमजोर करके किसी न किसी रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा जा सके। खासकर सोवियत रूस के नजदीक अपनी सैनिक उपस्थिति भी उनका एक उद्देश्य था, जिसे कश्मीर समस्या के माध्यम से वे कुछ हद तक हल कर पाए। अंग्रेज और जिन्ना अपनी चाल में सफल भी हो गए, किन्तु हम वहां भी गलती का शिकार हो गए। जब दो धर्मों के आधार पर देश बांट दिए गए तो बेहतर यही होता कि शांतिपूर्ण तरीके से गैर मुस्लिम भारत में आ जाते और मुसलमान पकिस्तान चले जाते। किन्तु हिंदू-मुस्लिम आबादियों का आदान-प्रदान भयंकर मारकाट में बदल गया। अंग्रेज सेना जानबूझ कर मूकदर्शक बनी रही। आबादियों का पूर्ण प्रत्यर्पण भी न हो सका और आज दिन तक आपसी टकरावों की समस्या से देश को जूझना पड़ रहा है। हालांकि भारतीय नेतृत्व का उस समय का फैसला मानवतावादी था किन्तु सांप्रदायिक अहंकार में उसके महत्व को समझने में भारतीय राष्ट्र असफल सिद्ध हो रहा है। वर्तमान में इस समस्या को ऐतिहासिक बोझ से बाहर निकल कर मानवतावाद से ही हल किया जा सकता है, जो दोतरफा ही होना चाहिए। मुसलमानों को भी यह समझना होगा कि हिंदू बहुल देश में आप अपनी धार्मिक मान्यताओं को मानने में पूर्णतः स्वतंत्र हैं, किन्तु आप भी हिंदू मान्यताओं के पालन में बाधक न बनें। यदि आप मूर्ति पूजा, भजन गाने, शंख, घंटे की आवाज और नाचने-गाने का बुरा मानने लगेंगे तो झगड़े कैसे रुकेंगे। हमें एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होने, मुबारक देने की संस्कृति विकसित करनी होगी। रहीम, रसखान, खुसरो सरीखे अनेक उदाहरण मौजूद हैं जिनसे मिलजुल कर रहना और एक दूसरे के विकास पर खुश होना सीखना होगा। गांधी जी की यह सोच बिल्कुल सही थी कि भारत को भारतीय तरीके से सरकार बनाने के तरीके नए हालात में खोजने होंगे। उन्होंने ग्राम स्वराज्य का दर्शन दिया, जिसे वर्तमान वैश्विक संदर्भों में परिभाषित और विकसित किए जाने की जरूरत थी। किन्तु हमने पूर्ण पाश्चात्य तरीके को अपनाया। पंचायत, जिसको शासन का बुनियादी स्तंभ होना था, उसे यूरोपियन स्थानीय स्वशासन की नकल बना कर छोड़ दिया। सौभाग्य से 73वें संविधान संशोधन से पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया किन्तु अभी तक भी वे शासकीय दिशा निर्देशों की गुलाम ही हैं। क्योंकि वे जमीन से नहीं उगाई गईं, आरोपित की गई हैं। उन्हें अपने आत्मविश्वास को आधार बनाने में न जाने अभी कितना समय लगेगा। पाश्चात्य सोच में प्रशिक्षित राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासन यह होने भी देगा या नहीं। धर्मनिरपेक्षता दूसरी बड़ी चुनौती है। भारत के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सर्वधर्म समभाव ही हो सकता है। यहां धर्म मुक्त शासन संभव नहीं है। हालांकि बाबा साहब अंबेडकर ने धर्मनिरपेक्ष शब्द संविधान में नहीं रखा था जो बाद में इमरजेंसी में इंदिरा जी के समय में डाला गया।

कुछ अलग

दफ्तर जाने के लिए...

दफ्तर जाने के लिए मुझे बहुत सी तैयारियां करनी पड़ती हैं। आखिर दफ्तर जो जा रहा हूं। दफ्तर जाने का मतलब यह तो है नहीं कि साबुन से नहाओ भी मत या रोजाना शेव भी मत बनाओ। दफ्तर में मेरे कई साथी हैं। वे इसे वेस्टेज मानते हैं। उनका तर्क यह है कि दफ्तर कोई निजी कार्य या सगे सम्बन्धी का काम तो है नहीं, जो रोज एक रुपया का ब्लेड खराब करो, साबुन खराब करो, चेहरे को चमकाने के लिए क्रीम लगाओ, बाल काले करो अथवा मूंछों की करीने से कटाई-छंटाई करो। जबकि मेरा मानना है कि दफ्तर से वेतन मिलता है, घर चलता है और वहां महिलाएं काम करती हैं, इसलिए थोड़ा शऊर से ही जाना चाहिए। कपड़े इस्त्री करे हुए पहनता हूं, यहां तक कि कपड़ों के फैशन का भी मैं पूरा ख्याल रखता हूं। मेरे साथी कहते हैं-'भाई शर्मा, क्या तुम्हें कोई एक्स्ट्रा इन्क्रीमैंट मिलेगा क्या, जो इतने सज-धज कर आते हो। कभी गणतंत्र दिवस या स्वाधीनता दिवस पर भी अभी तक तो सम्मानित नहीं किए गए। क्यों बेकार में धन का अपव्यय और समय जाया करते हो। इससे बढिया तो कोई पार्ट टाइम करते तो समय का सदुपयोग हो।' मैं कहता हूं-'यारो, क्या मुंह उठाकर सीधे बिस्तर से निकल कर कुर्सी पर आ बैठते हो। कभी मिसेज मलकानी के बारे में भी सोचा है, जो आप लोगों से बात करना तो दूर, पल भर को नजर भरकर भी आप लोगों को देखती तक नहीं। एक मैं हूं जिससे वह घंटों हंस-हंसकर बतियाती हैं।' 'ओह तो शर्मा यह सब मिसेज मलकानी के लिए कर रहे हो। भाभी जी को पता चल गया न तो वे तुम्हारी यह सारी सजावट को तेल लेने भेज देंगी। घर में माथाफोड़ी करते हो और दफ्तर में मिसेज मलकानी को अपनी बत्तीसी दिखाते हो। हम मलेच्छों को देखो जो पांच पैसे अपने ऊपर इस दफ्तर के लिए खर्च नहीं करते और शाम को रिश्वत के तीन सौ रुपए और मार ले जाते हैं। मिसेज मलकानी के हंसकर बोल लेने से तो गृहस्थी की गाड़ी आराम से चलती नहीं। पैसा हो तो भैया हर समस्या का समाधान है। तुम हर छह महीने में पी.पी.एफ. से लोन लेकर अपना घर खर्च चलाते हो और बचत के नाम पर तुम्हारे पास बचती होगी कोई एक फूटी कौड़ी।' एक साथी बोला। मैंने कहा-'ईमान, धर्म और सिद्धांत भी तो जीवन में कोई मायने रखते हैं। साफ-सुथरे ढंग और सलीके से दफ्तर आना मैं गलत नहीं मानता। किसी का काम न करना और करना तो रिश्वत खाकर, यह मेरी समझ से परे है।' दूसरा साथी बोला-'तुम्हें तो पता है हम अपने बुरे आचरण के बावजूद दो-दो बार सम्मानित हो चुके हैं। उफ! तुम्हारी यह ईमानदारी कहीं तुम्हारी जान ही न ले ले। पहले तो अपने पर शऊर से आने का जो इन्वेस्टमैंट कर रहे हो, उसे बंद करो ताकि रिश्वत न सही, हजार-दो हजार की यह बदखर्ची तो बचे। रही बात मलकानी की, तो भैया उसे कैंटीन में डोसा तुम्हीं खिलाते हो, वह तो कभी पेमेंट नहीं करती। इसलिए दफ्तर जाने के बारे में घर में ही सोचना शुरू कर दोगे तो फायदे का सौदा है। उम्रदराज हो गए, चेहरा सारी असलियत बता रहा है तो क्यों यथार्थ से कतराते हो?' 'इसका मतलब दफ्तर जाने के लिए मैं दाढ़ी से भरा चेहरा, रूखे बाल और टाटम्बरी कोट पहनकर आऊं। पांवों में हवाई चप्पल और छकड़ा साइकिल लेकर मैं दफ्तर जाऊं। पैट्रोल महंगा हो गया तो इसका मतलब स्कूटर को घर छोड़ दूं। जूतों पर पॉलिश भी नहीं करूं।' मेरे ऐसा कहते ही वे मंद-मंद मुस्कराने लगे।

देश दुनिया से

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पणः भारत की एक बड़ी सफलता

आतंकवाद भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए आज भी एक नासूर है और हाल ही में इस नासूर पर लगाम लगाने के क्रम में मुंबई धमाकों 2008 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाया गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह भारत की आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी जीत है। सच तो यह है कि यह भारत सरकार के अथक रणनीतिक प्रयासों का ही परिणाम है कि तहव्वुर राणा को भारत लाया जा सका है। पाठकों को बताता चलूं कि मुंबई आतंकवादी हमले में सैकड़ों लोग मारे गए थे जिनमें 26 विदेशी नागरिक भी थे और इस हमले की विश्वव्यापी निंदा हुई थी। वास्तव में भारत का यह कदम आतंकवादी संगठनों, विशेषकर पाकिस्तान के लिए एक सशक्त/सख्त संदेश है कि किसी एक देश का आतंकवादी किसी अन्य देश में बेफिक्र होकर नहीं घूम सकता। पाठक अच्छी तरह से जानते होंगे कि आतंकवाद का मतलब है, किसी राजनीतिक, धार्मिक, या वैचारिक मकसद को पूरा करने के लिए हिंसा या धमकी का इस्तेमाल करना। वास्तव में आतंकवाद का मकसद, सरकार को किसी न किसी प्रकार से प्रभावित करना या लोगों को डराना होता है। वास्तव में सच तो यह है कि आतंकवाद को एक तरह की हिंसात्मक गतिविधि माना जाता है। संक्षेप में कहें तो यह मानवता के विरूद्ध एक गंभीर अपराध है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इस कदम से अमेरिका का आतंकवाद के प्रति दृष्टिकोण भी और अधिक स्पष्ट हो गया है। सच तो यह है कि आतंकवाद व आतंकवादी किसी भी राष्ट्र के मित्र नहीं हो सकते हैं। यदि हम यहां पर आतंकवाद की खास बातों पर विचार करें तो यह व्यक्तियों के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह तो एक प्रकार से सामाजिक समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच संघर्ष है। वास्तव में सच तो यह है कि आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति, असीमित युद्ध का एक रूप ही तो है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश स्वयं इसके दुष्परिणामों से अछूते नहीं रह सके हैं और विशेषकर पाकिस्तान इसका जीता-जागता उदाहरण है।आतंकवाद बहुत ही घृणित और विनाशकारी अपराध है। गौरतलब है कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के प्रति वैश्विक परिप्रेक्ष्य में परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। साथ ही, भारत सरकार ने आतंकवाद के प्रति अपनी जीरो टोलरेंस(शून्य सहनशीलता) नीति को भी वैश्विक स्तर पर दृढ़ता से प्रमाणित किया है। अब सरकार से यह अपेक्षा की जा सकती है कि भविष्य में भी इसी प्रकार से अन्य आतंकवादियों और आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण को भी सुनिश्चित किया जाएगा। बहरहाल, पाठकों को यह याद होगा कि कुछ समय पहले ही व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में तहव्वुर राणा को भारतीय कानून का सामना करने के लिए भारत भेजने पर सहमति व्यक्त की थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार राणा पेशे से चिकित्सक है, जिसका जन्म पाकिस्तान में हुआ था तथा बाद में वह कनाडा चला गया था और वहां का नागरिक बन गया।

मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी का राणा करीबी सहयोगी रहा है। उल्लेखनीय है कि हेडली ने मुंबई हमले की रेकी की थी और इस साजिश को साकार करने में राणा ने उसकी मदद की थी। पाठकों को बताता चलूं कि उस समय मुंबई के ताज होटल, सीएसटी और कामा अस्पताल समेत कई जगहों पर हमला हुआ था। इस दौरान पुलिस व सेना की जवाबी कार्रवाई में आतंकी अजमल कसाब जीवित पकड़ा गया था तथा उसे कानूनी प्रक्रिया में दोषी पाये जाने के बाद वर्ष 2012 में उसे 21 नवंबर 2012 में फांसी दे दी गई। गौरतलब है कि कसाब के विरुद्ध दायर चार्जशीट में राणा, हेडली के नामों का भी उल्लेख किया गया है।आरोप है कि राणा ने पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी के आतंकवादियों के साथ मिल कर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर हमले की साजिश रची थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई ने वर्ष 2020 में राणा को गिरफ्तार किया था। दरअसल, उसकी गिरफ्तारी भारत के कूटनीतिक दबाव के कारण हुई थी। बाद में जांच एजेंसियों की पूछताछ में यह सामने आया कि मुंबई आतंकी हमले में राणा का भी हाथ रहा है। हाल फिलहाल, एनआईए को तहव्वुर राणा की 18 दिन की रिमांड मिली है और इस संबंध में पटियाला हाउस कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। उम्मीद की जा सकती है कि पूरी जांच के बाद मुंबई हमले में पाकिस्तान की भूमिका की भी पुख्ता जानकारी भारत को मिल सकेगी। हालांकि, यह बात अलग है कि यह पहले भी प्रमाणित हो चुका है कि इस हमले की साजिश पड़ौसी देश पाकिस्तान में ही रची गई थी। भारत के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं, लेकिन पाकिस्तान यह कभी भी स्वीकार नहीं करेगा। हालांकि, पाकिस्तान का चेहरा अब पूरी दुनिया के समक्ष एक्सपोज हो चुका है कि वह आतंकवाद और आतंकियों का असली गढ़ है। हाल फिलहाल, 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा का अमरीका से भारत प्रत्यर्पण एक कानूनी सफलता भर नहीं है बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है कि हम आतंकवाद को किसी भी हाल और सूरत में स्वीकार करने वाले नहीं हैं। जैसा कि ऊपर भी यह कह चुका हूं कि यह भारत की आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टोलरेंस की नीति को स्पष्टतया दिखाता है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि भारत ने न केवल राणा की आतंकी हमले में संलिप्तता के ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि उसके साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यवहार किया जाएगा। इसके बाद, अमरीकी अदालतों में लंबी कानूनी प्रक्रिया चली। राणा ने भारत में निष्पक्ष सुनवाई न होने का तर्क देने के साथ अपनी जान को खतरा बताते हुए प्रत्यर्पण का विरोध भी किया था।

आप का नजरिया

'नरसंहारी' का प्रत्यर्पण

दरअसल 26/11 मुंबई आतंकी हमला एक 'नरसंहार' था। उसमें 166 लोग मार दिए गए थे। यह दीगर है कि 9 आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया। करीब 300 लोग घायल हुए। एक आतंकवादी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था, जिसे बाद में फांसी दे दी गई। पाकिस्तान ने ही उस 'नरसंहार' की साजिश रची थी। इसका बुनियादी सबूत यह है कि साजिशकारों में तहव्वुर राणा भी शामिल था, जो पाकिस्तानी फौज में डॉक्टर था। साजिश और हमले के दौरान वह पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के मेजर इकबाल के लगातार संपर्क में रहा। अब 16 लंबे सालों और कुछ महीनों के बाद आतंकी साजिशकार तहव्वुर राणा भारत की गिरफ्त में है। हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं, क्योंकि उनके प्रशासन के तहत ही राणा का प्रत्यर्पण संभव हो सका है। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता के बाद ही अमरीका के साथ प्रयास शुरू कर दिए गए थे, लेकिन राणा ने वहां की सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई कि उसे भारत न भेजा जाए, क्योंकि उसे वहां की जेल में मारा जा सकता है, लेकिन नरसंहार की साजिश के साक्ष्य इतने पुख्ता थे कि अंततः अदालत ने प्रत्यर्पण के पक्ष में फैसला सुनाया। अब भारत में राणा के खिलाफ 'राष्ट्रीय जांच एजेंसी' (एनआईए) की अदालत में केस चलेगा। राणा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, यूएपीए, भारत के खिलाफ युद्ध आदि की धाराओं के तहत केस चलेगा। बेशक बहुत देर हो चुकी है, लेकिन साक्ष्य आज भी जिंदा हैं। राणा भारत की गिरफ्त में है और सह-साजिशकार डेविड हेडली अब भी अमरीकी जेल में कैद है। उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अभी शुरू भी नहीं हुई है। वह अमरीकी नागरिक है। हालांकि भारतीय एजेंसियां एक बार उसके साथ सवाल-जवाब कर चुकी हैं। उसी के बाद वह 'सरकारी गवाह' किस्म का आरोपित बन गया था। भारत सरकार को उसे भी हासिल करने की कोशिशें छोडऩी नहीं चाहिए। बहरहाल एनआईए के आरोप-पत्र के मुताबिक, राणा ने भारत में ही हेडली से 231 बार संपर्क किया था। उन्होंने 8 रेकी मिशन भी चलाए थे और नरसंहार से पहले, अपने आखिरी मुंबई प्रवास के दौरान, राणा ने 66 फोन कॉल की थीं। राणा नवंबर, 2008 में ही दिल्ली में भी 11 दिनों तक ठहरा था। फिर पवई के एक होटल में रहा। आतंकी हमले से पहले राणा दुबई चला गया था। भारत सरकार का मकसद है कि अब तहव्वुर राणा के खुलासों के जरिए पाकिस्तान की आतंकी भूमिका, दुनिया के सामने, बेनकाब की जानी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत सरकार ने अमरीकी प्रशासन को जो डोजियर भेजा था, उसमें राणा और हेडली के अलावा हाफिज सईद, जकीउर रहमान लखवी, इलियास कश्मीरी, साजिद मीर और आईएसआई के मेजर इकबाल से संबंधित ब्यौरे भी दिए गए थे। राणा को आईएसआई, हेडली और लश्कर-ए-तैयबा के दरमियान का संपर्क बताया गया था। अब इन खुलासों को भारत सरकार राणा के जरिए सत्यापित करना चाहती है। इनमें अधिकतर आरोपित पाकिस्तान में आज भी सक्रिय हैं।

ईरानी पेट्रोल के अवैध परिवहन पर सख्त हुआ अमेरिका, 4 कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन11 अप्रैल (एजेंसियां) ।
अमेरिका ने ईरान के शैडो फ्लीट (टैंकर जहाजों का समूह, जो प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए तेल का परिवहन करते हैं) के तौर पर काम करने वाले और ईरानी तेल की शिपिंग में शामिल संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले एक भारतीय नागरिक और चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। इसमें दो कंपनियां भारत की हैं। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा कि 30 जहाजों के बेड़े और कई शिपिंग कंपनियों के मालिक जुगविंदर सिंह बराड़ ईरान के शैडो फ्लीट के रूप में काम कर रहे हैं। उनकी यूएई के अलावा भारत स्थित शिपिंग कंपनी ग्लोबल टैंकर्स प्राइवेट लिमिटेड और पेट्रोकेमिकल बिक्री कंपनी बीएंडपी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड भी है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि ईरानी शासन अपने तेल की बिक्री को सक्षम करने और अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए बराड़ और उसकी कंपनियों जैसे बेईमान शिपर्स और दलालों के नेटवर्क पर निर्भर है। अमेरिका ईरान के तेल निर्यात के सभी तत्वों को बाधित कर रहा है। विशेष रूप से उन लोगों को जो इस व्यापार से लाभ कमाना चाहते हैं। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने जुगविंदर सिंह बराड़ समेत दो यूएई और दो भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। विदेश विभाग का कहना है कि बराड़ और उनकी कंपनियों ने राष्ट्रीय ईरानी तेल कंपनी (एनआईओसी) और ईरानी सेना की ओर से ईरानी तेल का परिवहन किया है।

अमेरिका ने कहा कि बराड़ एक जहाज के कप्तान होने के साथ ही यूएई स्थित कंपनी प्राइम टैंकर्स एलएलसी और ग्लोरी इंटरनेशनल एफजेड-एलएलसी के मालिक और निदेशक हैं। बराड़ के पास लगभग 30 तेल और पेट्रोलियम टैंकरों का बेड़ा है। इनमें से अधिकांश हैंडीसाइज टैंकर हैं जो तटीय जल में रहते हैं और बड़े टैंकरों के माल का एक अंश ले जाते हैं। एजेंसी ने कहा कि माल का जहाज से जहाज ट्रांसफर होने में कई दिन लग सकते हैं क्योंकि एक टैंकर को भरने के लिए कई ट्रांसफर की जरूरत होती है।

न्यूज ब्रीफ

आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगेः अमेरिका

वाशिंगटन। मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण की सफल प्रक्रिया के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई है। अमेरिका ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने के लिए वो आगे भी मिलकर काम करना जारी रखेगा। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने गुरुवार देर रात कहा कि 09 अप्रैल को संयुक्त राज्य अमेरिका ने तहव्वुर हुसैन राणा को भारत को प्रत्यर्पित किया, ताकि वह 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों की योजना बनाने में उसकी भूमिका के लिए न्याय का सामना कर सके। इन हमलों के परिणामस्वरूप छह अमेरिकियों सहित 166 लोगों की दुखद मृत्यु हुई, जिसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। प्रवक्ता ब्रूस ने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने लंबे समय से भारत के प्रयासों का समर्थन किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। और जैसा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत आतंकवाद के वैश्विक संकट से निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हमें अपनी इस योजना की गतिशीलता पर गर्व है ।

कनाडा के चुनाव में इस बार पंजाबी वर्चस्व को टक्कर देगा गुजराती समुदाय

टोरंटो । कनाडा की राजनीति में अब तक पंजाबी समुदाय का खूब वर्चस्व रहा हैं, फिर चाहे वह संसद में सिख सांसदों की संख्या हो, या मैदान पर चुनावी समीकरण साधन हो। लेकिन 2025 के आम चुनावों (अब अप्रैल के अंत में) में पहली बार गुजराती समुदाय के चार उम्मीदवारों की दावेदारी ने राजनीति के समीकरणों को बदल दिया है। चार गुजराती उम्मीदवार जयेश ब्रह्मभट्ट, संजीव रावल, अशोक पटेल और मिनेश पटेल अलग-अलग पार्टियों और निर्दलीय रूप में चुनावी मैदान में हैं। बात दें कि कनाडा में 1 लाख से अधिक गुजराती मूल के लोग रहते हैं, जो कारोबार, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, आईटी और रिटेल सेक्टर में मजबूत पकड़ रखते हैं। इन उम्मीदवारों का आधार कनाडा में स्थायी तौर पर बसे मिडिल क्लास और बिजनेस क्लास लोगों में है। दरअसल गुजराती समुदाय खालिस्तान विचारधारा के सख्त विरोधी माने जाते हैं। 2023 में खालिस्तान समर्थकों द्वारा मंदिरों पर विरोध के बाद हिंदू और पंजाबी समुदायों के बीच मतभेद और गहरे हुए। यदि गुजराती समुदाय को राजनीति में ठोस स्थान मिला, तब भारत-कनाडा संबंधों पर संतुलन बनाने में मदद मिल सकती है। सिर्फ 1.9 प्रतिशत आबादी, लेकिन 4 प्रतिशत सांसद सिख समुदाय से हैं (16 सिख सांसद)। खासतौर पर ब्रिटिश कोलंबिया और ओंटारियो में निर्णायक वोट बैंक।

दुनिया के सबसे महंगे आम की कीमत है लाखों रुपए!

टोक्यो। क्या आपने कभी सोचा है कि एक आम की कीमत लाखों रुपये हो सकती है जी हां, दुनिया का सबसे महंगा आम है ताइयो नो तमागो, और इसकी कीमत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। ताइयो नो तमागो नाम जापानी भाषा से लिया गया है, जिसका मतलब होता है सूरज का अंडा। ये नाम सुनने में ही कुछ अलग और खास लगता है, और इस आम की खासियतें भी कुछ ऐसी ही हैं। यह आम जापान के मियाजाकी नाम के एक इलाके में उगाया जाता है। वहां की मिट्टी, तापमान, और धूप इस आम को खास बनाने में मदद करते हैं। इस आम की एक खास बात ये है कि इसे उगाने के लिए बहुत ही बारीकी से ध्यान रखा जाता है। हर एक आम पर खास जाल डाला जाता है ताकि वो खुद-ब-खुद पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाए और उसका आकार बिल्कुल गोल और चमकदार हो। इसे तैयार करने में मेहनत, समय और तकनीक लगती है। अब आते हैं सबसे चौंकाने वाले हिस्से पर इसकी कीमत। ताइयो नो तमागो की नीलामी जापान में होती है और वहां दो आमों की जोड़ी की कीमत लगभग 3 लाख जापानी येन तक पहुँच चुकी है। भारतीय रुपये में देखा जाए तो ये कीमत लगभग 1.7 से 2 लाख रुपये के बीच हो सकती है। यानी एक आम की कीमत करीब 80,000 से 1 लाख रुपये तक हो सकती है।

न्यूयॉर्क में हेलीकॉप्टर हादसा, हवा में दो टुकड़ों में बंटा, हडसन नदी में गिरा, छह की मौत

न्यूयॉर्क,11 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका में न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में गुरुवार दोपहर लगभग तीन बजे को भीषण हेलीकॉप्टर हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे और तीन व्यस्क शामिल हैं। यह सभी स्पेन के रहने वाले हैं। यह लोग हेलीकॉप्टर से सैर-सपाटा करने निकले थे। हेलीकॉप्टर हवा में दो टुकड़ों में बंटकर हडसन नदी में गिर गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर दुर्घटना को भयानक बताते हुए कहा कि दुर्घटना का फुटेज भयावह है। उन्होंने लिखा कि भगवान पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों को दुख सहने करने की क्षमता प्रदान करे।

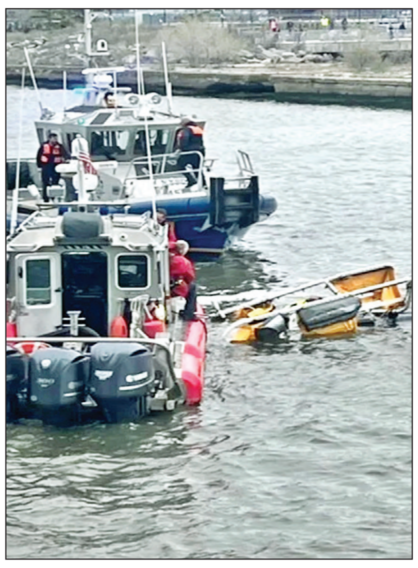

अधिकारियों ने बताया कि जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज पर न्यू जर्सी तटरेखा के साथ आगे बढ़ने के लिए मुड़ने के कुछ ही समय बाद हेलीकॉप्टर ने नियंत्रण खो दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में यह हेलीकॉप्टर आसमान से सीधे नदी में गिरते हुए दिख रहा है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि उसने हेलीकॉप्टर टूटकर नदी में गिरते देखा। इस दौरान तेज आवाज सुनाई दी।

एक्सचेंज के डेटा से यह खुलासा हुआ है कि हेलीकॉप्टर ने लोअर मैनहट्टन से उड़ान भरी थी। यह हडसन नदी के किनारे उत्तर की ओर चला और दक्षिण की ओर लौटते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दुर्घटना के समय दक्षिण और दक्षिण-पूर्व से 9 से 12 मील प्रति घंटे की गति से हवा चल रही थी। राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान और वायुमंडलीय प्रशासन ने बताया कि दृश्यता 10 मील तक थी। क्षेत्र में हल्की बारिश जरूर हुई थी। उड़ान भरते समय या दुर्घटना के समय नहीं सिर्फ तेज हवा चल रही थी।

फ्लाइटअवेयर के डेटा के अनुसार, इसकी ऊंचाई अपने उच्चतम स्तर पर 1,000 फीट से थोड़ी अधिक थी। मगर वह बादलों की ऊंचाई से काफी नीचे थी। अधिकारियों के अनुसार, यह पर्यटन हेलीकॉप्टर है। यह वॉल स्ट्रीट हेलीपोर्ट से दोपहर 2:59 बजे उड़ा और मैनहट्टन के दक्षिणी भाग से होते हुए स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के चारों ओर चक्कर लगाता हुआ मैनहट्टन के पश्चिमी भाग की ओर बढ़ गया। इसके बाद जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज के पास घूमा और न्यू जर्सी तटरेखा के साथ दक्षिण की ओर मुड़ा। दोपहर लगभग तीन बजे के बाद दो टुकड़ों में बंटकर हडसन नदी में गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमनकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे।

मेयर एरिक एडम्स ने शाम को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सभी मरने वाले यात्री स्पेन के हैं। इनमें तीन बच्चे और तीन वयस्क हैं। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस और अग्निशमन गोताखोरों ने हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों को नदी से बाहर निकाला। इनमें चार को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया और दो अन्य को अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सूचित किए जाने तक मृतकों के नामों का खुलासा नहीं किया सकता। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन में चलती है अमीर लड़के पटाने की क्लास

बीजिंग । आमतौर पर लोग अपनी स्किल्स को बढ़ाने के लिए अलग-अलग क्लासेज़ लेते हैं, लेकिन शायद ही आपने किसी को पार्टनर पटाने की क्लास लेते या देते हुए देखा होगा। चीन में इसकी क्लासेज़ भी चल रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला का नाम ली चुआनकू है, जो एक सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर है। वो खुद को लव गुरु बताती है, जो महिलाओं को सिखाती है कि कैसे अमीर आदमी से शादी कर सकते हैं। इसके लिए वो तरह-तरह के नुस्खे दे रही है, जिसे लड़कियां अपना भी रही हैं और बदले में उसे पैसे देती हैं। ली चुआनकु नाम की महिला ऑनलाइन क्लासेज़ के जरिये लड़कियों को सिखाती है कि उन्हें किस तरह अमीर लड़कों को अपने जाल में फंसाना है और उनसे शादी करनी है। उसके इन नुस्खों को इतनी लड़कियां पैसे देकर सीख रही हैं कि महिला 167 करोड़ रुपये सालाना हंसते-हंसते कमा लेती है। हाल ही में चीन के टैक्सेशन डिपार्टमेंट ने बताया कि उसने टैक्स चोरी की और महिला पर 8.5 करोड़ रुपये का फाइन लगा है। इसके बाद वो एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। चुआनकू लाइव-स्ट्रीम के दौरान लोगों से पैसे लेकर उन्हें सलाह देती है। एक सलाह देने के बदले वो 12,945 रुपये चार्ज करती है। उसके सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले कोर्स की फीस 43,179 रुपये है। इसके साथ ही वो पर्सलन कंसल्टेशन के लिए हर महीने 1,16,927 रुपये क फीस लेती है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया से अलग वो इसी विषय पर कई वर्कशॉप और सेमिनार भी आयोजित करती है। इन जगहों पर वो लोगों को डेटिंग को लेकर योजना बनाने की गाइडेंस देती है।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से अब तक 221 की मौत, राहत और बचाव कार्य बंद

सेंटो डोमिंगो,11 अप्रैल (एजेंसियां) ।
डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 221 हो गई। यह हादसा जेट सेट नाइट क्लब की छत ढह जाने से हुआ था। वाकये के वक्त गायिका रूबी पेरेज का संगीत कार्यक्रम चल रहा था। हादसे में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज की भी मौत हो गई। जेट सेट नाइट क्लब में हुई इस दुर्घटना में अब तक अधिकारियों ने 146 लोगों की पहचान कर ली है और मलबे से 189 लोगों को बचा लिया है। डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। राष्ट्रीय अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने गुरुवार सुबह मृतकों के नामों की सूची जारी की और साथ ही एक बयान में कहा कि फॉरेंसिक डॉक्टरों और पैथोलॉजिस्ट की टीमें अभी भी सभी शवों का पोस्टमार्टम करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। मलबे से निकाले गए शेष शवों की पहचान की जा रही है। देश के आपातकालीन संचालन (ईओसी) केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने गुरुवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या की पुष्टि की। मेंडेज ने कहा कि 53 घंटे की लगातार खोज के बाद बचाव अभियान को आधिकारिक तौर समाप्त कर दिया गया। संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते हुए रो पड़ा। मेंडेज ने कहा, हम ईओसी के प्रमुख के रूप में अपने 20 वर्षों के सबसे कठिन काम को पूरा कर रहे हैं। हमने सारा मलबा हटा दिया।

चंद्रमा के दूरदराज के हिस्से की मिट्टी में पृथ्वी वाले हिस्से की तुलना में शुष्कता के संकेत

चीनी वैज्ञानिकों ने बताया कि चंद्रमा के सुदूर भाग से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों से संकेत मिलते हैं कि वह हिस्सा पृथ्वी की ओर वाले हिस्से की तुलना में अधिक शुष्क होगा। वैज्ञानिकों ने हालांकि कहा कि स्पष्ट तस्वीर के लिए और अधिक नमूनों की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्र आवरण में पानी की प्रचुरता यह समझाने में मदद कर सकती है कि चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। बीते साल चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला देश बन गया था। अंतरिक्ष यान 'चांग ई 6' ने दक्षिण ध्रुव-'ऐटकेन बेसिन' से ज्वालामुखीय चट्टान और मिट्टी को निकाला था। 'चीनी विज्ञान अकादमी' ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने पांच ग्राम मिट्टी के नमूने लिए और फिर विस्तृत विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से 578 कणों का चयन किया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वीडियो जारी कर दी रूस के लिए जंग लड़ रहे चीनी

कीव,11 अप्रैल (एजेंसियां) ।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने इससे जुड़ा वीडियो भी जारी किया जिसमें पकड़े गए लोगों के हाथ जिप-टाई से बंधे थे। यह पहली बार था जब यूक्रेन ने चीनी लड़ाकों को लेकर ऐसा दावा किया। चीन को जंग में खीच रहा रूस जेलेंस्की ने कहा कि रूस, चीन को इस जंग में खींच रहा है। यह पुतिन के प्लान का हिस्सा है। पुतिन चाहते हैं कि यूरोप में जंग फैले। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेनी सेना डोनेट्स्क में 6 चीनी नागरिकों से लड़ाई लड़ रही थी। इस दौरान 2 लोगों को जिंदा पकड़ लिया गया। बाकी के चार चीनी नागरिक मारे गए या भाग गए, अभी साफ नहीं है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पकड़े गए चीनी नागरिकों के पास से उनके पहचान पत्र, बैंक कार्ड और व्यक्तिगत डेटा मिला है। उन्होंने ये भी बताया कि चीनी नागरिक अब यूक्रेन की सुरक्षा सेवा की हिरासत में हैं। जेलेंस्की ने पकड़े गए चीनी नागरिकों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। पैसे और रूसी नागरिकता के लिए जंग लड़ रहे इस बीच यूक्रेन के अखबार प्राव्दा ने यूक्रेनी सेना का हवाला देते हुए बताया है कि चीनी नागरिकों को जंग लडने के लिए रूस पैसे दे रहा है। जो शख्स पकड़ा गया है उसे चीन में एक रूसी ब्रोकर ने 3,480 डॉलर यानी कि 3 लाख रुपए दिए थे। इसके साथ ही उसे रूसी नागरिकता देने का भी वादा किया गया था। पकड़े गए एक शख्स ने यूक्रेनी अधिकारियों को बताया कि उसे कई सारे चीनी नागरिकों के साथ लुगांस्क इलाके में ट्रेनिंग दी गई थी। इनमें से कई लोगों पर चीन में केस चल रहे थे और ये अपना देश छोड़ना चाहते थे। कुछ महीने पहले रुस के रैहडिट (आरएचडीआईटी) नाम के हैकर ग्रुप ने यूक्रेन के लिए लडने वाले विदेशी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक की थी। इसके मुताबिक रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत से लेकर अब तक यूरोप के 36 देशों से किराए के सैनिक लडने के लिए पहुंचे हैं।

पाकिस्तान ने मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को ठुकराया, कहा-अफगान नागरिक कार्ड धारकों मुल्क से जाना ही होगा

इस्लामाबाद,11 अप्रैल (एजेंसियां) ।
पाकिस्तान से अफगान नागरिकों के निर्वासन को रोकने के मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को संघीय सरकार ने ठुकरा दिया। गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने कड़े शब्दों में कहा कि अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के प्रत्यावर्तन की समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार नहीं किया जाएगा। यह समय सीमा 31 मार्च को समाप्त हो चुकी है। एसीसी कार्ड धारक अफगानिस्तान के नागरिकों को मुल्क से जाना ही होगा।

खबर के अनुसार, तलाल चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को कहा कि दूसरे देशों का वीजा का इंतजार कर रहे लोगों के लिए पूरी तरह छूट संभव नहीं है, लेकिन व्यक्तिगत मसलों पर विचार किया जा सकता है। बावजूद इसके पश्चिमी देशों में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से निर्वासित कर दिया जाएगा, यदि उनके मेजबान देश उन्हें 30 अप्रैल तक स्थानांतरित नहीं करते हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक 857,157 गैर-दस्तावेज विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि अवैध विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की नीति अक्टूबर 2023 से लागू है और इसके चरणों को सूचीबद्ध किया गया है। पहले चरण में बिना कानूनी दस्तावेजों के अनिर्दिष्ट विदेशियों को वापस भेजा गया। दूसरे चरण में अफगान नागरिक कार्ड धारकों को वापस भेजा जा रहा है। तीसरे चरण में जिनके पास पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड हैं, उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन लोगों को निष्कासित करने का निर्णय वर्तमान जमीनी हकीकत और सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह देखा गया है कि अफगान नागरिक पाकिस्तान में नशीले पदार्थों के व्यापार और आतंकवाद में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को आश्रय, भोजन, चिकित्सा देखभाल और परिवहन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

अमेरिका से व्यापार वार्ता और नए समझौते बढ़ाने की तैयारी में ब्राजील

साओ पाउलो। अमेरिकी टैरिफ नीति इन दिनों दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए ब्राजील ने भी अपनी रणनीति तैयार कर ली है। ब्राजील के एक शीर्ष विदेश व्यापार अधिकारी ने बताया कि उनका देश अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर बातचीत करने के लिए अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को प्राथमिकता देगा। साथ ही ब्राजील अपने अन्य व्यापारिक समझौतों को भी बढ़ा रहा है, ताकि अमेरिकी टैरिफ से होने वाले प्रभाव को कम किया जा सके। ट्रंप द्वारा ब्राजील पर लगाए गए टैरिफ को लेकर ब्राजील के अधिकारियों ने कहा कि वे अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन अगर आवश्यक हुआ तो वे जवाबी कार्रवाई भी कर सकते हैं। इसके अलावा, ब्राजील एशियाई देशों और चीन से आने वाली प्रतिस्पर्धा से भी चिंतित है, क्योंकि अमेरिका द्वारा ब्राजील के खिलाफ उठाए गए कदम अन्य देशों को फायदा पहुंचा सकता हैं। ब्राजील के विदेश व्यापार सचिव तातियाना प्रेजेरेस ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की सलाह है कि वह लगातार बातचीत करें और अमेरिका के साथ खुली वार्ता जारी रखें। बता दें कि अमेरिका ने पिछले सप्ताह ब्राजील के आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ़ लागू किया है। साथ ही मार्च से ब्राजील के स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ भी लगा है। अमेरिका ब्राजील का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हालांकि प्रेजेरेस ने आगे कहा कि अमेरिकी व्यापार युद्ध से कुछ अवसर मिल सकते हैं, जैसा कि पहले चीन को ब्राजील के सोयाबीन निर्यात में वृद्धि देखने को मिली थी।

पीसीबी ने कोर्बिन बॉश पर लगाया एक साल का बैन, आईपीएल खेलने के लिए छोड़ा था पीएसएल

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कोर्बिन बॉश को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक साल के लिए बैन कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह फैसला गुरुवार, 10 अप्रैल को सुनाया। बॉश ने पीएसएल 2025 सीज़न की शुरुआत से पहले ही टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था ताकि वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हिस्सा ले सकें।

पीएसएल छोड़ आईपीएल से जुड़े बॉश

30 वर्षीय बॉश को इस साल जनवरी में पीएसएल ड्राफ्ट के दौरान पेशावर जाल्मी ने डायमंड कैटेगरी में चुना था। लेकिन आईपीएल फ्रेंचाइज़ी मुंबई इंडियंस ने उन्हें घायल लिज़ाड विलियम्स के स्थान पर रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में बुलाया। इसके बाद बॉश ने पीएसएल से अपना नाम वापस ले लिया और आईपीएल से जुड़ गए, जिससे पीएसएल से पहले ही वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

बॉश ने जताया पछतावा, मांगी माफी

पीएसएल से बैन लगने के बाद कोर्बिन बॉश ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए अपनी गलती मानी और माफी मांगी। उन्होंने कहा मैं पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से हटने के अपने फैसले पर गहरा खेद व्यक्त करता हूं और पाकिस्तान की जनता, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों और क्रिकेट समुदाय से दिल से माफी मांगता हूं। पीएसएल एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है और मैं समझता हूं कि मेरे इस कदम से लोगों को निराशा हुई है।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं और पीएसएल से एक साल के प्रतिबंध और जुर्माने को भी स्वीकार करता हूं। यह मेरे लिए एक कठिन सबक है, लेकिन मैं इससे सीखकर भविष्य में बेहतर वापसी के लिए प्रतिबद्ध हूं।

पीसीबी का कड़ा संदेश

पीएसएल से अचानक नाम वापस लेने और टूर्नामेंट को प्राथमिकता न देने पर पीसीबी ने यह फैसला लेते हुए एक सख्त संदेश दिया है कि लीग के अनुशासन और प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया जाएगा। बॉश पर लगे एक साल के बैन के साथ-साथ उन पर आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण के लिए छह क्रिकेट टीमों में रहेगा मुकाबला

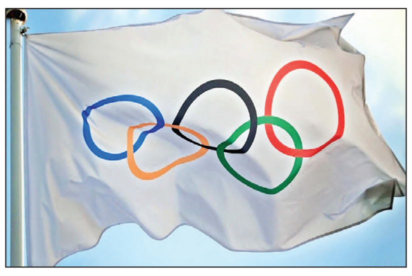

नई दिल्ली। 2028 लॉस एंजिल्स खेलों में क्रिकेट में स्वर्ण पदक के लिए शीर्ष छह टीम टीमों के लिए मुकाबले होंगे। ये सभी टी20 मैच होंगे। इससें पुरुष और महिला दोनो ही टीमें भाग लेंगी। लॉस एंजिल्स ओलंपिक से एक बार बार फिर 128 साल बाद इन खेलों में क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले अंतिम बार 1900 में ओलंपिक खेल में क्रिकेट मुकाबले हुए थे। वहीं साल 1900 में हुए पेरिस ओलंपिक खेलों में तब इंग्लैंड और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मैच हुए थे जिसे अब एक अनौपचारिक टेस्ट के रूप में मान्यता दी गई है। लॉस एंजिल्स में टी20 प्रारूप ही रहेगा। इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमें भाग लेंगी। हर टीम 15 सदस्यीय टीम का चयन कर सकती हैं क्योंकि पुरुष और महिलाओं दोनों में 90-90 खिलाड़ियों का कोटा रखा गया है।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, 12 पूर्ण सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा 94 देश एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल हैं। ओलंपिक 2028 में क्रिकेट में क्वालीफाई किस प्रकार किया जाएगा ये अभी तय नहीं हुआ है। इसमें अमेरिका को मेजबान देश होने के कारण सीधा प्रवेश मिलेगा। वहीं इस प्रत्येक वर्ग में बाकी पांच टीमों को क्वालिफिकेशन के आधार पर प्रवेश मिलेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले बावुमा के चोटिल, टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ीं

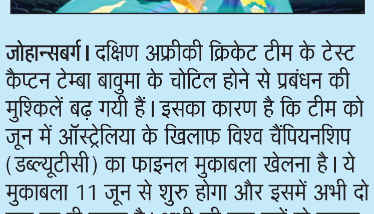

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के टेस्ट कैप्टन टेम्बा बावुमा के चोटिल होने से प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि टीम को जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेलना है। ये मुकाबला 11 जून से शुरु होगा और इसमें अभी दो माह का ही समय है। अभी की बात करें तो बावुमा की कोहनी में चोट लगी है, इसी कारण वह घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट टूर्नामेंट से भी बाहर हैं। बावुमा पहले फाइनल के लिए केप टाउन से लायंस टीम के साथ जुड़ने वाले थे पर अब भी फिट नहीं होने के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा है। ये पहली बार नहीं है जब बावुमा खराब फिटनेस के कारण मुकाबलों से बाहर हैं। वह साल 2022 में भी अपनी बाईं कोहनी की चोट से परेशान थे। जिससे उन्हें काफी समय बाहर रहना पड़ा और वह तब इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गये थे। पिछले साल अबू धाबी में एक एकदिवसीय में आयरलैंड के खिलाफ एक रन लेते हुए वह अजीब तरह से कोहनी के बल गिरने के बाद बाहर हो गये गये थे। इस कारण वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से भी बाहर हो गये थे। इसके बाद बावुमा ने वापसी करते हुए श्रीलंका के खिलाफ चार अर्धशतक के साथ वापसी की। उन्होंने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी की थी पर वह अपनी कोहनी पर भारी स्ट्रैपिंग के साथ उतरे थे। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद से बावुमा प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहे है।

ऋतुराज आईपीएल से बाहर हुए , धोनी बचे हुए सत्र में कप्तानी करेंगे

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर होने के कारण

आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये है1 ऐसे में टीम की कप्तानी एक बार फिर महेन्द्र सिंह धोनी को दी गयी है। अब धोनी आईपीएल के शेष सत्र में टीम की कप्तानी संभालेंगे। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि हमारे पास टीम में कुछ विकल्प हैं पर हमने अभी तक किसी पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। वहीं धोनी कप्तानी संभालने के लिए तैयार थे। इसलिए हमने अनुभवी होने के कारण उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी है। धोनी की कप्तानी में ही टीम ने पांच बार खिताब जीता था। फ्लेमिंग ने कहा कि ऋतुराज को गुवाहाटी में चोट लगी थी पर वह दर्द के साथ खेल रहे थे। हमने एक्स-रे करवाया, लेकिन उससे कुछ साफ नहीं हुआ फिर हमने एमआरआई करवाया, जिससे पता चला कि उनकी कोहनी में फ्रैक्चर है। इससे हमें निराशा हुई पर उनका फिट होना सबसे जरुरी है। इसलिए उन्हें उबरने के लिए पूरा समया दिया जाएगा। दुर्भाग्यवश, अब वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं पर हमारे पास एक धोनी हैं, जो आईपीएल के बाकी मैचों में कप्तानी करेंगे। गायकवाड़ को 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में चोट लगी थी। तुषार देशपांडे की एक गेंद उनके दाएं हाथ पर लगी थी।

कोलकाता ने चेन्नई को आठ विकेट से हराया

गेंदबाजी के बाद बल्ले से भी चमके नरेन

चेन्नई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। कसी हुई गेंदबाजी के बाद बेहतरीन बल्लेबाजी से कोलकाता नाइटराइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घर में 8 विकेट से हरा दिया। आईपीएल 2025 में सीएसके की यह लगातार 5वीं हार है। केकेआर के खिलाफ धोनी की कप्तानी में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी सीएसके की टीम जैसे-तैसे निर्धारित 20 ओवर के खेल में 9 विकेट के नुकसान पर 103 रन का स्कोर खड़ा कर पाई। इसके जवाब में केकेआर ने 10.1 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया।महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली सीएसके के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर के लिए सुनील नरेन और क्विंटन डिकॉक ने धमाकेदार शुरुआत की। इन दोनों ओपनर बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। केकेआर का पहला विकेट क्विंटन डिकॉक के रूप में गिरा। डिकॉक 16 गेंद में तीन छक्के की मदद से 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा सुनील नरेन ने 18 गेंद में 44 रनों की पारी खेली, जबकि कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 17 रन बनाकर टीम की जीत को सुनिश्चित कर दिया। वहीं अंत में रिंकू ने भी 12 गेंद में 15 रन का योगदान दिया।

केकेआर के खिलाफ मुकाबले में सीएसके की बल्लेबाजी बुरी तरह से फ्लॉप रही। केकेआर के गेंदबाजों ने सीएसके के दोनों ओपनर बल्लेबाजों को 16 रन के स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। इसके बाद मिडिल ऑर्डर में विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी ने जरूर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन केकेआर के गेंदबाजों के सामने वह भी नहीं टिक पाए। विजय शंकर 21 गेंद में 29 रनों की पारी खेली। वहीं राहुल त्रिपाठी ने 22 गेंद में 16 रनों का योगदान दिया।वहीं एक छोर पर शिवम दुबे ने जरूर संघर्ष दिखाया, लेकिन वह भी टीम के लिए तेज तर्रार पारी नहीं खेल पाए। शिवम दुबे सीएसके के लिए अंत तक नाबाद रहते हुए 29 गेंद में 31 रनों की पारी खेली। इसके बाद धोनी समेत टीम के 6 बल्लेजों ने मिलकर सिर्फ 6 रन जोड़े। यही कारण है कि सीएसके की टीम अपने घर में बुरी तरह से पिछड़ गई। सीएसके और केकेआर के बीच यह मैच चेन्नई के चेपॉक क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

बिली जीन किंग कप 2025

भारत ने हांगकांग (चीन) पर जीत दर्ज की, श्रीवल्ली ने हैट्रिक पूरी की

पुणे, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने गुरुवार शाम हांगकांग (चीन) को 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। यह टूर्नामेंट एमएसएलटीए द्वारा आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया रहा है। वैदेही चौधरी के दमदार प्रदर्शन ने भारत को तीसरे दिन शानदार शुरुआत दी। वैदेही ने दिन के पहले मैच में हो चिंग वू के खिलाफ पूरा दमखम दिखाया। अहमदाबाद की इस युवा खिलाड़ी ने टाई-ब्रेकर तक खिंचा पहला सेट कड़े मुकाबले में 10-8 से जीता।

दूसरे सेट में वह बिना समय गंवाए शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर हावी हो गई और 2 घंटे, 3 मिनट तक चले मैच को 7-6 (10-8), 6-1 से जीत लिया। इससे भारत को हांगकांग, चीन के खिलाफ 1-0 की बढ़त मिल गई। दोनों देशों के बीच दूसरे एकल मैच में, श्रीवल्ली भामिदीपती ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन मैचों के बाद अपना शत-प्रतिशत रिकॉर्ड जारी रखा। हालांकि इस युवा भारतीय स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में हॉन्ग यी कोडी वोंग से कड़ी चुनौती मिली। इसके बावजूद श्रीवल्ली ने 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले का पहला सेट टाईब्रेक में 8-6 से जीता, लेकिन उसके बाद उनकी हांगकांग की प्रतिद्वंद्वी ने वापसी की। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी 8 ऐस के साथ 7-6, 2-6, 6-3 से महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में सफल हुई। उनकी जीत से भारत मुकाबले में 2-0 की अजेय बढ़त पर आ गया।

दिन का अंतिम मुकाबला डबल्स मैच था, जिसमें अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी उतरी और उनकी भिड़ंत यूडिस चोंग और हांग यी कोडी वोंग से हुई। इस कठिन मुकाबले में भारतीय जोड़ी पिछड़ गई। हालांकि अनुभवी भारतीय जोड़ी ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जरूर जीता, लेकिन हांगकांग (चीन) की जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी करके अपना दबदबा बनाया और बेहतर प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम सेट जीत लिया।

बेटे से नहीं मिल पाने से दुखी हैं धवन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी शिखर धवन ने कहा है कि वह अपने बेटे से पिछले दो साल से नहीं मिल पाने से दुखी हैं। धवन का कहना है कि पत्नी आयशा से तलाक के बाद उनके लिए अपने बेटे से बात करना भी संभव नहीं हो रहा है। ये उनके लिए एक कठिन समय है। इसका कारण है कि उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया गया है। भावुक हुए धवन ने कहा, मैं चाहता हूं कि वो खुश और स्वस्थ रहे। मैं उसे अब भी हर तीन या चार दिन में मैसेज करता हूं । मुझे उम्मीद नहीं है कि वो उन मैसेज को पढ़ेगा। अगर वो मैसेज ना भी पढ़े तो भी कोई परेशानी नहीं है। उससे संपर्क करने की कोशिश करना मेरा काम है और मैं ये करता रहूंगा। साथ ही कहा कि उनके बेटे की उम्र अब 11 वर्ष हो गई है। अपने बेटे से जुड़ाव महसूस करने के लिए वो आध्यात्मिकता का सहारा लेते है।

फीबा ने 3×3 बास्केटबॉल टीमों की ओलंपिक कोटा वृद्धि के फैसले का किया स्वागत

अब लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में प्रत्येक वर्ग की 12 टीमें लेंगी हिस्सा

माइस, स्विट्जरलैंड,11 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ (फीबा) ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में 3×3 बास्केटबॉल टीमों (महिला और पुरुष दोनों वर्गों में) की संख्या 8 से बढ़ाकर 12 किए जाने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निर्णय का स्वागत किया है। फीबा ने इस फैसले को इस खेल के लिए एक मील का पत्थर बताया है।

फीबा ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, यह विस्तार हाल के वर्षों में 3×3 बास्केटबॉल की लोकप्रियता और विकास को दर्शाता है। टीमों की संख्या बढ़ने से अधिक देशों को ओलंपिक मंच पर भागीदारी का अवसर मिलेगा, जिससे खेल की सार्वभौमिकता और व्यापक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा।

बुधवार को आईओसी की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पेरिस 2024 ओलंपिक में शामिल 8 टीमों की तुलना में लॉस एंजेलिस 2028 में प्रति वर्ग 12 टीमें भाग लेंगी। फीबा अध्यक्ष शेख सऊद अली अल थानी ने कहा, हम इस निर्णय के लिए आईओसी के आभारी हैं। यह हमारे शहरी खेल को बढ़ावा देने हेतु एक बड़ी प्रेरणा है। पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं में चार-चार अतिरिक्त टीमों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में ओलंपिक बास्केटबॉल ने कितनी उत्सुकता और रुचि जगाई है।

फीबा के महासचिव एंड्रियास ज़ाग्लिस ने कहा, का दिन फीबा और हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। कोटा में हुई यह वृद्धि दुनिया भर के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय संघों को यह सपना देखने का अवसर देती है कि वे गलियों और सड़कों से उठकर ओलंपिक तक पहुँच सकते हैं।

तीसरी बार ओलंपिक मंच पर दिखेगा 3×3 बास्केटबॉल

गौरतलब है कि 3×3 बास्केटबॉल ने पहली बार टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों में पदार्पण किया था, और लॉस एंजेलिस 2028 में यह खेल तीसरी बार ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा। फीबा को उम्मीद है कि इस बदलाव से खेल को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

हैम्शायर से जुड़ी एलिस पैरी, इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट में मचाएंगी धमाल

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पैरी इस गर्मी इंग्लैंड की घरेलू महिला क्रिकेट में हैम्शायर टीम की ओर से खेलती नज़र आएंगी। हैम्शायर ने उन्हें महिला काउंटी क्रिकेट के पहले टियर वन टूर्नामेंट के लिए साइन किया है, जो महिला क्रिकेट में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पैरी जुलाई में वाइटैलिटी ब्लास्ट के छह मुक़ाबलों में उपलब्ध रहेंगी, इसके साथ ही वह मेट्रो बैंक वन डे कप के दो मैचों में भी टीम का हिस्सा होंगी। यदि हैम्शायर फ़ाइनल्स डे तक पहुंचता है, तो पैरी वहाँ भी टीम के लिए खेलेंगी। वह 4 जुलाई को चेस्टरफ़ील्ड में द ब्लेज़ के खि़लाफ़ डेब्यू करेंगी, जबकि 6 जुलाई को समरसेट के खि़लाफ़ यूटिलिटा बाउल में पहली बार घरेलू मैदान पर उतरेंगी।

एलिस पैरी का क्रिकेटिंग रिकॉर्ड उन्हें महिला क्रिकेट का लीजेंड बनाता है। उनके नाम छह टी-20 वर्ल्ड कप, दो वनडे वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ

गोल्ड और पाँच एशेज़ खिताब हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खि़लाफ़ 16-0 की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह महिला एशेज़ में सबसे ज़्यादा रन बनाने और विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं।

पैरी हाल ही में 2024 डब्ल्यूपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलीं और 2025 डब्ल्यूपीएल में 372 रन बनाकर दूसरे स्थान पर रहीं, उनका औसत 93 रहा। हैम्शायर के साथ उनका कार्यकाल ख़त्म होने के बाद वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी, जहाँ उन्होंने पिछले सीज़न कप्तानी की थी। एलिस पैरी ने क्लब की वेबसाइट से कहा, मैं इस गर्मी हैम्शायर टीम के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूँ। यह क्लब पिछले दस वर्षों से महिला क्रिकेट में अग्रणी रहा है और मुझे ऐसे रोमांचक समय में टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। हैम्शायर महिला टीम के अंतरिम कोच पॉल प्रिचार्ड ने कहा, एलिस दुनिया की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक हैं और हमें इस गर्मी उन्हें टीम में शामिल करके बेहद ख़ुशी हो रही है। उनका अनुभव और प्रदर्शन हमारी युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत कुछ सीखने का मौक़ा देगा। एलिस पैरी का यह करार ऐसे समय आया है जब पॉल प्रिचार्ड को हाल ही में शार्लोट एडवर्ड्स की जगह अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है। एडवर्ड्स अब इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगी।

इसी माह ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम : हॉकी इंडिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कहा है भारतीय महिला टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। भारतीय टीम को इस दौरे में 26 अप्रैल से चार मई तक मैच खेलने हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि इस सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी। इस श्रृंखला के मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी अहम माना जा रहा है। नौवें स्थान पर बरकार भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था पर इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने अब तक तीन जीत दर्ज की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर रहे हैं। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे को लेकर कहा, 'यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमारे खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों को आंकने का का अच्छा अवसर मिलेगा।

दुनिया की सबसे मूल्यवान एयरलाइन कंपनी बनी इंडिगो

मुंबई, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय एयरलाइन सेक्टर की अग्रणी कंपनी इंडिगो ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति और बेहतर प्रदर्शन के कारण इंडिगो अब दुनिया की सबसे मूल्यवान एयरलाइन बन गई है।

इंडिगो का शेयर उच्चतम स्तर 5,265 रुपए पर पहुंच गया, इसकारण कंपनी का बाजार पूंजीकरण डेल्टा एयरलाइन के मार्केट कैप 2 लाख करोड़ रुपए (23.3 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गया, जो डेल्टा एयरलाइंस और रायनएयर जैसी दिग्गज कंपनियों से भी ज्यादा रहा। इस साल की शुरुआत से अभी तक इंडिगो का शेयर करीब 13 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल बना चुका है। खास बात यह है कि जब बाकी भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखी जा रही थी, तब भी इंडिगो ने लगातार मजबूती दिखाई।

इंडिगो भारत की सबसे बड़ी कम कीमत वाली एयरलाइन है, जिसकी भारतीय एविएशन मार्केट में हिस्सेदारी 62 प्रतिशत है। कोविड के बाद कंपनी ने कई वित्तीय चुनौतियों का सामना किया लेकिन इसके बावजूद हाल के दिनों में इसका प्रदर्शन शानदार रहा है। हाल ही में कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 987 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था लेकिन उसके बाद से कंपनी ने जोरदार वापसी की है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो एयरलाइंस सीट क्षमता के मामले में दुनिया की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती एयरलाइन के रूप में उभरी है, जो 2024 में सालाना आधार पर 10.1 प्रतिशत बढ़कर 134.9 मिलियन सीटों तक पहुंच गई है। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन को कतर एयरवेज के बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है, जिसने पिछले वर्ष की तुलना में सीट क्षमता में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

आंकड़ों के मुताबिक, इंडिगो 2024 में फ्लाइट फ्रीक्वेंसी वृद्धि के मामले में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइन थी, इसमें सालाना आधार पर 9.7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। एयरलाइन की फ्लाइट फ्रीक्वेंसी 7,49,156 थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोजगार देने ...

उठाए जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी सरकार के ऊपर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उसने जातिगत जनगणना में पिछड़ी जातियों की संख्या जानबूझकर कम दिखाई है। बीआरएस यह आरोप लगा रही है कि जनगणना में उच्च जाति की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है। जबकि भाजपा का आरोप है कि सरकार मुस्लिमों का तुष्टिकरण करने के लिए उनमें पिछड़ी जातियों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही है।सवाल यह उठता है कि जातिगत जनगणना के मुद्दे पर चल रही राजनीति पर मजदूर वर्ग का क्या दृष्टिकोण होना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश के अन्य भागों की ही तरह तेलंगाना में भी पिछड़ी जातियों की बहुत बड़ी संख्या मजदूर वर्ग और मेहनतकश जनता का हिस्सा है। सवाल यह भी है कि पिछड़ी जातियों के आरक्षण को बढ़ाने के बाद भी पिछड़ी जातियों के कितने प्रतिशत लोगों का लाभ होने वाला है? तेलंगाना में कुल 162 ऐसी जातियां हैं जिन्हें सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा माना गया है। किसी भी अन्य जातीय समुदाय की ही तरह ये जातियां भी वर्गों में विभाजित हैं। इनमें से बेहद छोटी आबादी ऐसी है जो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला पाती है और हैदराबाद में अशोक नगर, आरटीसी क्रॉस रोड तथा दिलसुखनगर जैसे इलाकों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भेज पाती है, जहां कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम और किराए के घर तथा पेइंग गेस्ट जैसी सुविधाएं बेहद महंगे दामों पर उपलब्ध हैं। पिछड़ी जातियों का अधिकांश हिस्सा कारीगर, छोटे और सीमांत किसान या खेतों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर हैं जिनके लिए सरकारी नौकरियां पाना बिल्कुल असंभव ही है। यही नहीं, 162 पिछड़ी जातियों में मुन्नुरू कापू, मुदीराज और यादव जैसी कुछ जातियों की स्थिति, अन्य जातियों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर है। पिछड़ी जातियों के आरक्षण को बढ़ाने का असली फायदा इन मुट्ठीभर जातियों में से बेहद छोटी-सी आबादी को होने वाला है। पिछड़ी जातियों की विशाल जनसंख्या के लिए इस बढ़ोत्तरी के कोई मायने ही नहीं हैं। उनके बच्चे भी बड़ी संख्या में हैदराबाद में आते हैं, लेकिन अच्छी शिक्षा और नौकरी के लिए नहीं बल्कि जीडीमेटला और गांधीनगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित फैक्ट्रियों में हेल्पर या वर्कर का काम करने के लिए या फिर काम की तलाश में शहर के करीब 200 लेबर चौकों पर खड़े होने के लिए।

पिछड़ी जातियों में से जो लोग अपने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए हैदराबाद भेजने में सक्षम हैं, उस छोटे-से हिस्से को भी सरकारी नौकरी मिलने की संभावना बेहद कम है। मिसाल के लिए पिछले साल तेलंगाना में ग्रुप वन की 563 पोस्ट के लिए 4 लाख से ज्यादा लोगों ने परीक्षा दी थी, यानि हर 700 उम्मीदवारों में से महज एक को नौकरी मिलेगी। इस प्रकार पिछड़ी जातियों को मिलने वाले आरक्षण को बढ़ा देने के बाद भी अधिकांश उम्मीदवारों के लिए सरकारी नौकरी पाने की सम्भावना बेहद कम ही रहेगी और उनकी नियति बेरोजगारों की रिजर्व फौज में शामिल रहने की ही रहेगी, जिन्हें भविष्य में कम तनख्वाह और बिना सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा वाली निजी अनौपचारिक नौकरियों के अलावा और कुछ भी नहीं मिलने वाला है।

तेलंगाना की जातिगत जनगणना को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है और ऐसी ही कवायद राष्ट्रीय स्तर पर किए जाने की बात की जा रही है। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी, कांशीराम के नारे की नकल करते हुए राहुल गांधी जितनी आबादी उतना हक का नारा उछाल रहे हैं। यह नारा कई स्तरों पर गुमराह करने वाला है। यह नारा उछालने वाले राहुल गांधी या उनके नकलची नारे का समर्थन करने वालों से यह पूछा जाना चाहिए कि क्या वे इस देश के संसाधनों और उत्पादन के साधनों के स्वामित्व पर भी यहां की बहुसंख्यक मेहनतकश आबादी को हिस्से के अनुसार हक दिलवाने के लिए आगे आएंगे? स्पष्ट तौर पर इसका उत्तर है, नहीं! क्योंकि राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी जैसे लोग और उनके तमाम समर्थक यह मानकर चलते हैं कि देश के संसाधनों और उत्पादन के साधनों पर तो मुट्ठीभर पूंजीपतियों का ही हक होना चाहिए जो देश की कुल आबादी का बेहद छोटा-सा हिस्सा हैं!

अगर केवल सरकारी नौकरियों की ही बात करें तब भी ऐसी नौकरियों की संख्या बेहद कम है और नवउदारवाद के दौर में दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। इसलिए उत्पीड़ित समुदायों में से भी अधिकांश आबादी के लिए यह लोकलुभावन नारा बेमतलब है। तेलंगाना के मामले में 162 पिछड़ी जातियों में से अधिकांश लोगों को पिछड़ी जातियों का आरक्षण बढ़ा देने के बावजूद कोई फायदा नहीं होगा। खासकर तब जबकि सरकारी नौकरियों की संख्या में कोई विचारणीय वृद्धि न हो। यही बात पूरे देश के संदर्भ में लागू होती है। इस प्रकार समानुपातिक प्रतिनिधित्व का नारा एक छलावा है जो लोगों को उनको यह समझने से रोकता है कि उनका असली दुश्मन पूंजीवादी व्यवस्था है न कि अन्य जातियों के लोग।

जातिगत जनगणना के समर्थन में एक अन्य तर्क यह दिया जा रहा है कि इससे भाजपा और संघ परिवार की हिंदुत्व की राजनीति को मात दी जा सकती है। लेकिन ऐसे लोग यह नहीं समझ पाते कि अन्य विचारधाराओं की ही तरह हिंदुत्व की विचारधारा का भी सबसे महत्वपूर्ण अंग व्यवहारवाद है। यह महज इत्तेफाक नहीं है कि भाजपा का उभार मंडल की राजनीति के साथ-साथ ही हुआ और आज भाजपा के समर्थन-आधार का अधिकांश हिस्सा पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों के बीच से आता है। इस प्रकार मंडल 1.0 कभी भी भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति के लिए प्रभावी चुनौती नहीं रहा लिहाजा यह मानने की कोई वजह नहीं है कि मंडल 2.0 ऐसा करने में सक्षम होगा। ऐसा तेलंगाना के ही उदाहरण से समझा जा सकता है जहां भाजपा जातिगत जनगणना का विरोध नहीं कर रही है, लेकिन मुस्लिमों में पिछड़ी जातियों को पिछड़ी जातियों की श्रेणी में शामिल करके उन्हें पिछड़ी जाति के आरक्षण का लाभ देने का खुलकर विरोध कर रही है ताकि पिछड़ी जाति के हिंदुओं के बीच पिछड़ी जाति के मुस्लिमों को प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश किया जा सके। इस प्रकार वह जाति-आधारित पहचान की राजनीति और हिंदुत्ववादी राजनीति दोनों एक-साथ कर रही है। गौरतलब है कि तेलंगाना में हाल के वर्षों में भाजपा के वोट में इजाफे की मुख्य वजह पिछड़ी जातियों के बीच उसके समर्थन में बढ़ोत्तरी रही है। तेलंगाना में बंडी संजय कुमार और एटला राजेन्द्र जैसे भाजपा के प्रमुख नेता पिछड़ी जातियों से ही आते हैं।

अनुसूचित जाति के आरक्षण के मामले में भी भाजपा तेलंगाना में माला और मदीगा दलितों के बीच की खाई का इस्तेमाल मदीगा लोगों के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए कर रही है। माला दलित जातियां मदीगा दलित जातियों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। मदीगा जातियों के नेता अनुसूचित जाति के आरक्षण के भीतर मदीगा लोगों को आरक्षण देने के लिए मुहिम चला रहे हैं। कांग्रेस सरकार मदीगा लोगों को 9 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए तैयार है, लेकिन सबसे लोकप्रिय मदीगा नेता मन्द कृष्ण मदीगा 11 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं। मन्द कृष्ण मदीगा भाजपा का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। तेलंगाना के पिछले विधानसभा चुनावों में उन्होंने चुनावी रैली में नरेंद्र मोदी से प्रभावित होकर उनके पांव तक छुए थे। भाजपा ने उनकी सेवा से प्रसन्न होकर उन्हें पद्मश्री की उपाधि से सम्मानित करने के साथ ही साथ अन्य भौतिक प्रोत्साहनों की भी बौछार की। ऐसे में यह मानने का कोई आधार नहीं है कि भाजपा हिंदुत्व पर अडिग रहते हुए भी जाति-आधारित पहचान की राजनीति नहीं कर सकती है।

यह समझना जरूरी है कि रेवंत रेड्डी द्वारा जातिगत जनगणना पर इतना जोर देने की वास्तविक वजह क्या है। जाहिर है कि रेवंत रेड्डी और कांग्रेस पार्टी तेलंगाना के मेहनतकशों की विशाल आबादी का कल्याण करने को कतई आतुर नहीं है। जातिगत जनगणना के पीछे की असली वजह जानने के लिए हमें दिसंबर 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौर में जाना होगा। उस चुनाव में सत्तारूढ़ केसीआर नीत बीआरएस पार्टी की तगड़ी हार की मुख्य वजह बेरोजगारी के मसले पर उसका फिसड्डी प्रदर्शन था। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना राज्य बनाने के लिए चले आंदोलन के तीन प्रमुख मुद्दे नीलू (पानी), निधूलू (कोष) और नियमकालू (बेरोजगारी) थे। हैदराबाद में आईटी सेक्टर की चकाचौंध के पीछे अक्सर यह स्याह सच्चाई छुप जाती है कि तेलंगाना में बेरोजगारी की दर देश की बेरोजगारी की औसत दर से कहीं ज्यादा है। सरकार के अपने रिकॉर्ड के अनुसार तेलंगाना में युवा बेरोजगारों की संख्या 37 लाख से ज्यादा है। कहने की जरूरत नहीं कि वास्तविक बेरोजगारों की संख्या इस सरकारी आंकड़े से कहीं ज्यादा होगी।

कांग्रेस ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष में ही 2 लाख नौकरियां देने और 4000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने का वायदा किया था। कांग्रेस को सत्ता में आए एक साल से भी ज्यादा समय बीत चुका है, फिर भी वह अब तक महज कुछ हजार नौकरियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कर सकी है। नई सरकार द्वारा अपने वायदों से मुकरने की वजह से तेलंगाना के युवाओं में आक्रोश के पनपने की शुरुआत हो चुकी है जिसका एक उदाहरण पिछले साल अक्टूबर माह में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले हजारों छात्रों द्वारा हैदराबाद में भीषण विरोध-प्रदर्शन के दौरान देखने में आया था। युवाओं की अपेक्षाओं को पूरा कर पाने में विफल तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अब जातिगत जनगणना का नया शिगूफा उछाला है ताकि रोजगार के मोर्चे पर उनकी विफलता से लोगों को ध्यान भटकाया जा सके।

मैं काशी का...

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वांचल को विकसित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। काशी के हर निवासी को इन योजनाओं से लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं में लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस-सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड का भी वितरण किया, जिनमें दिनेश कुमार रावत, राजेंद्र प्रसाद और दुर्गावती शामिल थे। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। पीएम ने कहा कि आज बुजुर्गों के चेहरों पर संतोष का भाव मेरे लिए इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है। अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा। आपके इलाज का खर्च अब सरकार उठाएगी। उन्होंने बताया कि काशी में अब तक 50 हजार आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है।

प्रधानमंत्री ने रमेश कुमार, अनिल कुमार और छिद्दु को जीआई पंजीकृत प्रमाणपत्र सौंपे। उन्होंने बताया कि वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के 30 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिनमें तबला, शहनाई, ठंडई, लाल भरुआ मिर्च, लाल पेड़ा और तिरंगा बर्फी शामिल हैं। पीएम ने कहा कि जीआई टैग केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की पहचान का पासपोर्ट है। ये काशी के हुनर को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगा। उन्होंने यूपी को जीआई टैगिंग में देश में नंबर वन बताया और कहा कि यह स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों के लिए गर्व का क्षण है।

पीएम ने बनास डेयरी के पशुपालकों को 106 करोड़ रुपए की बोनस राशि हस्तांतरित की। उन्होंने इसे पशुपालकों की मेहनत का पुरस्कार बताया और कहा कि ये कोई उपहार नहीं, बल्कि आपकी तपस्या का फल है। बनास डेयरी ने काशी में हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति को बदला है, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाकर। पीएम ने कहा कि पूर्वांचल की अनेक बहनें अब लखपति दीदी बन चुकी हैं। पहले गुजारे की चिंता थी, अब उनके कदम खुशहाली की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जिसमें पिछले 10 वर्षों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बनास डेयरी काशी संकुल 1 लाख किसानों से दूध संग्रह कर रहा है और गीर गायों का वितरण कर पशुपालकों को सशक्त बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए बताया कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में 45 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इनमें फुलवरिया फ्लाईओवर, रिंगरोड, और गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर जैसे क्षेत्रों को जोड़ने वाले चौड़े रास्ते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले छोटे-छोटे त्यौहारों पर भी जाम लग जाता था। अब रास्ते चौड़े हुए हैं, समय बच रहा है। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार के साथ-साथ 6 लेन का अंडरग्राउंड टनल, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस-सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। पीएम ने काशी में शुरू होने वाले सिटी रोपवे का भी जिक्र किया, जो इसे दुनिया के चुनिंदा शहरों में शामिल करेगा।

संबोधन में पीएम ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती को याद किया और उनके नारी सशक्तिकरण और सामाजिक चेतना के प्रयासों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले और सावित्री बाई फुले ने नारी शक्ति के आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए जीवन समर्पित किया। हम उनके संकल्पों को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम ने सरकार के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को दोहराया और इसे परिवारवाद की राजनीति से अलग बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग केवल सत्ता हथियाने के लिए दिन रात खेल खेलते हैं उनका सिद्धांत है, परिवार का साथ परिवार का विकास। प्रधानमंत्री ने पूर्वांचल की मेहनतकश महिलाओं की प्रशंसा की जो बनास डेयरी के माध्यम से नई मिसाल बन रही हैं।

प्रधानमंत्री ने काशी के युवाओं को खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है और काशी के नौजवानों को अभी से मेहनत शुरू करनी होगी। काशी में नए स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण की सुविधा मिले। पीएम ने कहा कि काशी के युवा ओलंपिक में मेडल चमकाकर देश का गौरव बढ़ाएंगे। पीएम ने काशी को भारत की आत्मा और विविधता की सबसे खूबसूरत तस्वीर बताया। उन्होंने कहा कि काशी के हर मोहल्ले में भारत का अलग रंग और संस्कृति दिखती है। काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों ने एकता के सूत्र को मजबूत किया है। उन्होंने प्रस्तावित एकता मॉल का जिक्र किया, जहां भारत के सभी जिलों के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। पीएम ने यूपी के बदलते आर्थिक नक्शे की भी चर्चा की और कहा कि यूपी अब केवल संभावनाओं की धरती नहीं, बल्कि सामर्थ्य और सिद्धियों की संकल्प भूमि है।

प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया की वैश्विक पहचान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूपी के उत्पाद अब ग्लोबल ब्रांड बन रहे हैं। जीआइ टैग ने स्थानीय उत्पादों को नई बुलंदियों तक पहुंचाया है। यूपी देश में जीआई टैगिंग में पहले स्थान पर है। जौनपुर की इमरती, मथुरा की सांझी कला, पीलीभीत की बांसुरी और लखीमपुर खीरी की थारू जरदोजी जैसे उत्पादों को जीआई टैग मिला है। पीएम ने कहा कि यूपी की मिट्टी की खुशबू अब सरहदों के पार जाएगी। प्रधानमंत्री ने काशी को विकास और विरासत के संगम का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि काशी की पुरातन आत्मा को आधुनिक काया से जोड़ते रहना हमारा दायित्व है। काशी न केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है, बल्कि अब यह आर्थिक और सामाजिक प्रगति का भी नेतृत्व कर रही है। पीएम ने काशीवासियों से विकास की इस यात्रा में साथ देने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि काशी पूरे भारत के लिए प्रेरणा बनेगी। पीएम ने काशी और पूर्वांचल के लोगों को इन विकास कार्यों के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो काशी को सहेजता है, वो भारत की आत्मा को सहेजता है। हमें काशी को निरंतर सशक्त और स्वप्निल बनाए रखना है। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्रीगण सुरेश खन्ना, अरविंद कुमार शर्मा, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालू, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, टी. राम, डॉ. सुनील पटेल, बनास डेयरी के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

नव-काशी देखने के लिए...

आज भी प्रधानमंत्री के कर कमलों से काशी में लगभग 4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राधा-कृष्ण की लीलाओं से आच्छादित अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिन्ह के रूप में वाराणसी की जीआई टैग प्राप्त काष्ठकला से निर्मित कमल छत्र भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ के दौरान भी तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने काशी में बाबा विश्वनाथ के पावन धाम में दर्शन किया। महाकुंभ की सफलता, उसकी भव्यता और उसकी दिव्यता ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में नई ऊंचाई को छुआ। काशी और उत्तर प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयास सार्थक साबित हुए हैं। काशी और उसके अगल-बगल के जनपदों को सर्वाधिक जीआई टैग अब तक प्राप्त हो चुके हैं और उत्तर प्रदेश, देश के अंदर जीआई टैग में नंबर एक स्थान हासिल कर रहा है। प्रधानमंत्री के कर कमलों से आज 21 नए जीआई टैग के सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए।

आनंदपुर धाम...

मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है। हम स्वामी अद्वैतानंद महाराज जी के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं। एक समय था, जब आदि शंकराचार्य जैसे आचार्यों ने अद्वैत दर्शन के गहरे ज्ञान की व्याख्या की थी। इसी परंपरा में अद्वैतानंद जी महाराज ने भारत के जन सामान्य तक इसे पहुंचाने का बीड़ा उठाया। महाराज जी ने अद्वैत के ज्ञान को हम सभी के लिए और सरल बनाया, उसे सामान्य मानवी के लिए और सुलभ कर दिया।

उन्होंने कहा कि दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए युद्ध, संघर्ष और मानवीय मूल्यों से जुड़ी कई चिंताएं हमारे सामने हैं। इनकी जड़ में क्या है। इनकी जड़ में अपने और पराए की मानसिकता है। ये मानसिकता मानव से मानव को दूर करती है। आज विश्व भी सोच रहा है इनका समाधान कहां मिलेगा। इनका समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा। अद्वैत यानी यहां कोई द्वैत नहीं है। उन्होंने कहा कि अशोकनगर और आनंदपुर धाम ने देश को बहुत कुछ दिया है। इनका विकास भी हमारी जिम्मेदारी है। इस क्षेत्र को कला संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का वरदान प्राप्त है। यहां विकास और विरासत की असीम संभावनाएं है। इसलिए हम प्रदेश और अशोकनगर में तेजी से विकास कर रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार अभी से ही उज्जैन के सिंहस्थ की तैयारियों में जुटी है।पीएम मोदी ने कहा, गरीब और वंचितों के उत्थान का संकल्प, सबका साथ सबका विकास का मंत्र, सेवा की भावना सरकार की नीति है। निष्ठा भी है। सेवा की भावना हमारे व्यक्तित्व को भी निखारती है। सेवा हमें व्यक्तिगत दायरे से निकालकर मानवता के बड़े उद्देश्य से जोड़ती है। सेवा की भावना हमारी सरकार के हर प्रयास के केंद्र में है। आज हर जरूरतमंद प्रधानमंत्री अन्न योजना के चलते खाने की चिंता से मुक्त हैं। हर गरीब-बुजुर्ग आयुष्मान योजना के कारण इलाज की चिंता से मुक्त है। पीएम आवास योजना के कारण पक्के घर की चिंता से मुक्त हो रहा है। जल जीवन मिशन के कारण गांव-गांव में जल समस्या खत्म हो रही है। इसके पहले प्रधानमंत्री ने आनंदपुर धाम पहुंचकर परमहंस अद्वैत मत के मंदिरों के दर्शन किए और गुरुजी महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने यहां के प्रमुख गुरु महाराज से भी भेंट की और श्री आनंदपुर धाम स्थित मंदिर परिसर का भी दौरा किया।

एआईएडीएमके और ...

नैनार नागेंद्रन तमिलनाडु की तिरुनेलवेली विधानसभा सीट से भाजपा के मौजूदा विधायक हैं। दक्षिणी तमिलनाडु में उनकी मजबूत पकड़ और संगठनात्मक क्षमता उन्हें एक जाना-माना नाम बनाती है। नागेंद्रन पहले एआईएडीएमके के साथ थे और जयललिता सरकार में 2001 से 2006 तक मंत्री रहे। उन्होंने बिजली और उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभाला और अपनी प्रशासनिक क्षमता का लोहा मनवाया। 2017 में वे भाजपा में शामिल हुए और जल्द ही पार्टी के भीतर अहम भूमिका में आ गए। अभी तक वे भाजपा की तमिलनाडु इकाई के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे और अब उन्हें पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया है।

नागेंद्रन का सबसे बड़ा ताकतवर पक्ष है उनका थेवर समुदाय से होना। तमिलनाडु में थेवर समुदाय का दक्षिणी जिलों में खासा प्रभाव है। यह समुदाय न सिर्फ सामाजिक रूप से मजबूत है, बल्कि सियासी तौर पर भी वोटों को प्रभावित करने की ताकत रखता है। भाजपा का मानना है कि नागेंद्रन के नेतृत्व में पार्टी दक्षिणी तमिलनाडु में अपनी पैठ बढ़ा सकती है, जहां उसका प्रभाव अभी सीमित है।

नैनार नागेंद्रन का चयन भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। तमिलनाडु में भाजपा अभी चार विधायकों वाली पार्टी है, लेकिन उसका लक्ष्य 2026 में सत्ता पर कब्जा करना है। इसके लिए पार्टी को न सिर्फ संगठन को मजबूत करना है, बल्कि गठबंधन की जमीन भी तैयार करनी है। नागेंद्रन कई मायनों में इस रणनीति के लिए सही चेहरा हैं। नागेंद्रन का एआईएडीएमके के साथ पुराना नाता है। जयललिता और ओ पन्नीरसेल्वम के नेतृत्व में उन्होंने मंत्री के रूप में काम किया और पार्टी की संस्कृति व संवेदनशीलता को अच्छी तरह समझते हैं। 2023 में एआईएडीएमके और भाजपा का गठबंधन टूटने की एक बड़ी वजह थी अन्नामलाई की आक्रामक शैली और उनके जयललिता व अन्नादुरई जैसे नेताओं पर तीखे बयान। अन्नामलाई के नेतृत्व में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में दिक्कतें आ रही थी, क्योंकि खुद अन्नामलाई ही इसमें सहज नहीं थे। अब अन्नामलाई संगठन के जरूरी मुद्दों को देख सकेंगे और पार्टी अध्यक्ष होने के नाते नागेंद्रन एआईएडीएमके के साथ भाजपा के गठबंधन को आगे बढ़ा सकेंगे।

तमिलनाडु की सियासत में जातीय समीकरण अहम भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई और एआईएडीएमके महासचिव ई पलानीस्वामी दोनों गौंडर समुदाय से हैं, जो पश्चिमी तमिलनाडु में प्रभावशाली है। लेकिन गौंडर नेताओं की मौजूदगी से गठबंधन में संतुलन बिगड़ने का खतरा था। नागेंद्रन थेवर समुदाय से हैं, जिसका प्रभाव दक्षिणी तमिलनाडु में है। भाजपा का मानना है कि थेवर समुदाय का नेतृत्व गठबंधन को मजबूत करेगा और दोनों पार्टियाँ अलग-अलग क्षेत्रों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकेंगी।

नागेंद्रन का मंत्री के रूप में अनुभव और भाजपा में उपाध्यक्ष के तौर पर उनकी सक्रियता उन्हें एक मजबूत नेता बनाती है। 2017 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने दक्षिणी तमिलनाडु में पार्टी के विस्तार में अहम भूमिका निभाई। तिरुनेलवेली जैसे क्षेत्रों में उनकी लोकप्रियता भाजपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। अन्नामलाई ने अपनी आक्रामक शैली और एन मक्कल जैसे अभियानों से भाजपा को तमिलनाडु में नई पहचान दी। लेकिन उनकी शैली एआईएडीएमके के साथ तनाव का कारण बनी। नागेंद्रन की शांत और संतुलित छवि गठबंधन के लिए ज्यादा अनुकूल मानी जा रही है। साथ ही अन्नामलाई ने खुद उनके नाम का प्रस्ताव देकर यह संदेश दिया है कि पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है।

भारतीय नौसेना ...

अगर इसकी ईंधन क्षमता की बात करें तो 11,202 किलो ग्राम वजन का इसका फ्यूल टैंक है, जो कि इतने ही वजन के साथ 52,000 फीट की ऊंचाई तक आराम से उड़ सकता है। इसमें लगाए गए हथियारों को देखा जाए तो इसमें तीन तरह की एयर टू एयर मिसाइल, सात एयर टू सरफेस मिसाइल और एक परमाणु मिसाइल लगाए जा सकते हैं। इसके अलावा इसमें एक 30 एमएम की क्षमता वाली ऑटोकैनन गन लगी हुई है। इसमें लगाया गया एईएसए रडार सिस्टम इसे डिटेक्शन और ट्रैकिंग अच्छी सुविधा देता है। साथ ही इसमें स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम भी लगा है, जो कि इसे स्टील्थ क्षमताएं देता है। इसकी खास बात ये है कि फ्यूल के लिए इसे जमीन पर आने की जरूरत नहीं है। ये एयर रिफ्यूलिंग में सक्षम है।

गौरतलब है कि दक्षिण एशिया में चीन के अलावा किसी और देश के पास उसका एयरक्राफ्ट कैरियर है। ऐसे में राफेल मरीन के भारतीय नौसेना में शामिल होने के बाद हिंद प्रशांत क्षेत्र में रक्षा के कार्यों में सेना को बड़ी मदद मिलेगी। इससे सेनाओं की ताकत बढ़ जाएगी।

हिंदू राष्ट्र की ...

इस रैली को संबोधित करते हुए अलग-अलग धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि नेपाल को जब तक सनातन हिंदू राष्ट्र का दर्जा नहीं मिल जाता तब तक किसी न किसी रूप में जनदबाव के कार्यक्रम को निरंतरता देने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीका से ही प्रदर्शन करने की अपील आम जनता से की है।

कांग्रेसकालीन 450...

धोखाधड़ी और आपराधिक षडयंत्र रचने की धाराओं में आर्थिक अपराध अन्वेषण और एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से यह एफआईआर दर्ज की गई। इसमें बताया गया है कि आरोपित अनिल टुटेजा, अरुणपति त्रिपाठी और उनके सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर सभी ने साजिश के तहत झारखंड की आबकारी नीति में फेरबदल किया। इसके बाद राज्य में देसी और विदेशी शराब का टेंडर भी सिंडिकेट के लोगों को दिलवाया गया।झारखंड में बिना हिसाब की डुप्लीकेट होलोग्राम लगी देशी शराब की बिक्री की गई। विदेशी शराब की सप्लाई का काम अपने करीबी एजेंसी को दिलाया गया। इसके बाद उन कंपनियों से करोड़ों रुपए का अवैध कमीशन लिया गया। इससे करोड़ों रुपए की अवैध कमाई की गई। झारखंड के आईएएस अधिकारी और तत्कालीन आबकारी सचिव विनय कुमार चौबे, वहां के संयुक्त आबकारी आयुक्त गजेंद्र सिंह, झारखंड के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के पुत्र रोहित उरांव सहित अन्य को छत्तीसगढ़ की ईओडब्लू द्वारा समन प्रेषित कर अभियोजन की स्वीकृति मांगी गई थी लेकिन इस पर ईओडब्लू के पत्र का न तो कोई जवाब मिला और न ही अभियोजन की कोई अनुमति दी गई।

कई गुत्थियां...

मुंबई हमले की जांच करने वाली एजेंसी एनआईए ने 405 पन्नों की चार्जशीट में तहव्वुर राणा को आरोपी बनाया है। चार्जशीट में कहा गया है कि वह हमले का सरगना डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद सईद गिलानी की मदद कर रहा था। तहव्वुर और हेडली ने मुंबई हमले का ब्लूप्रिंट तैयार किया था। तहव्वुर ने आतंकियों को बताया था कि मुंबई में आतंकियों को कहां ठहरना है और कहां-कहां हमले करने हैं। तहव्वुर ने यह भी बताया था कि उसे जानकारी थी कि हेडली किससे मिल रहा है और उनसे क्या बात कर रहा है। उसे हमले की योजना और टारगेट के बारे में भी बता था। तहव्वुर राणा अपने बचपन के दोस्त और आतंकियों के मददगार डेविड कोलमैन हेडली की आर्थिक सहित हर तरह से मदद करके इस्लामी आतंकियों का सपोर्ट कर रहा था।

कनाडाई-अमेरिकी नागरिक हेडली की मां अमेरिका और उसके अब्बू पाकिस्तानी मूल के थे। अमेरिकी अधिकारियों ने अक्टूबर 2009 में हेडली को अमेरिका के शिकागो से गिरफ्तार किया था। अमेरिकी कोर्ट ने 24 जनवरी 2013 को मुंबई में आतंकी हमलों में शामिल होने का दोषी मानते हुए हेडली को 35 साल जेल की सजा सुनाई थी। तहव्वुर और हेडली बचपन के दोस्त हैं। हेडली भी शुरुआती 5 साल की पढ़ाई पाकिस्तान के हसन अब्दाल कैडेट स्कूल में की है। इसके बाद वह परिवार के साथ अमेरिका चला गया। तहव्वुर राणा भी इसी स्कूल में पढ़ा है। बाद में वह पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के रूप में काम करने लगा। फिर वह कनाडा चला गया। कुछ साल के बाद उसे कनाडा की नागरिकता मिल गई। तहव्वुर की फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम की कंसल्टेंसी फर्म की एक शाखा मुंबई में भी थी। इसी फर्म के सहारे कोलमैन हेडली हेडली भारत आया था और हमले करने वाली जगहों की रेकी की थी। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमला किया था। आतंकियों ने मुंबई के लियोपोल्ड कैफे, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, होटल ताज पैलेस, होटल ओबेरॉय ट्राइडेंट, कामा हॉस्पिटल, नरीमन हाउस, मेट्रो सिनेमा और सेंट जेवियर कॉलेज ने निशाना बनाया था। वे अपने साथ भारी मात्रा में आईईडी, आरडीएक्स, हैंड ग्रेनेड और के-47 राइफलें और पिस्टल वगैरह लेकर आए थे।मुंबई हमले में 166 लोग मारे गए थे और 300 लोग जख्मी हुए थे। मृतकों में अमेरिकी, इज़राइली सहित कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। आतंकियों के खिलाफ एनएसजी, मरीन कमांडो फोर्स, मुंबई पुलिस, आरएएफ, सीआरपीएफ, मुंबई फायर ब्रिगेड और रेलवे पुलिस फोर्स ने ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान एक आतंकी अजमल कसाब को जिंदा गिरफ्तार किया था। साल 2012 में उसे फांसी दी दे गई।

हनुमान जन्मोत्सव आज

जानिए पूजा का शुभ मुहुर्त और धार्मिक महत्व

हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के बाद चैत्र पूर्णिमा तिथि पर भगवान राम के सबसे अनन्य भक्त और संकटमोचन भगवान हनुमान का जन्मोत्सव बड़े ही धूम-धाम के मनाया जाता है। हिंदू धर्म में हनुमान जी को कलयुग का देवता माना गया है और ये आज भी इस पृथ्वी पर भ्रमण करते हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। शास्त्रों में हनुमान जयंती जिसे जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है उसका विशेष महत्व होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार हर वर्ष चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जयंती बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाने की परंपरा है। हनुमान जयंती पर भगवान बजरंगबली की विशेष रूप से पूजा-आराधना और चालीसा का पाठ करते हुए अपनी समस्त मनोकामनाओं को पूरा करने की इच्छा रखती हैं। हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान जी की पूजा करने से हर तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

हनुमान जन्मोत्सव 2025 तिथि

पंचांग के अनुसार हर वर्ष चैत्र पूर्णिमा तिथि पर बड़े ही धूम-धाम के साथ महाबली और महाप्रतापी हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस बार पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 12 अप्रैल 2025 को सुबह 03 बजकर 20 मिनट से होगी जो अगले दिन यानी 13 अप्रैल को सुबह 05 बजकर 52 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। उदयातिथि के आधार पर हनुमान जन्मोत्सव 12 अप्रैल को है।

हनुमान जन्मोत्सव पर पूजा का शुभ मुहूर्त 2025

- सुबह पूजा करने के लिए 07 बजकर 35 मिनट से लेकर 09 बजकर 11 मिनट तक।

- शाम के समय पूजा करने लिए 06 बजकर 45 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 08 मिनट तक।

हनुमानजी की पूजा का महत्व

शास्त्रों के अनुसार हनुमानजी जल्द प्रसन्न होने वाले देवता हैं और यह आठ चिरंजीवियों में से एक हैं, जो आज भी इस पृथ्वी पर मौजूद हैं। ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त हनुमान जी पूजा-आराधना सच्चे मन और लगन से करता है उसकी हर एक मनोकामना जरूर पूरी होती है। सच्चे मन से हनुमानजी की पूजा करने पर व्यक्ति की हर एक मनोकामना पूरी होती है और जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद उनसे मिलता है। हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान के दर्शन करते हुए चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करना बहुत ही लाभकारी साबित होता है। इन दिन हनुमान का प्रिय भोग उनके अर्पित करना चाहिए। उनको पान का बीड़ा, तुलसी के पत्ते, बेसन के लड्डू, बूंदी और सिंदूर चढ़ाना बहुत ही शुभ होता है।

जन्मोत्सव पर जरूर करें ये काम, बरसेगी बजरंगबली की कृपा

इस साल शनिवार 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस दिन पर आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और किन कार्यों को करके आप हनुमान जी की विशेष कृपा के पात्र बन सकते हैं।

इस तरह करें पूजा

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए सबसे पहले भगवान श्रीराम का ध्यान करना चाहिए और इसके बाद हनुमान जी की पूजा आरंभ करनी चाहिए। इसके लिए घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व कोने को साफ करके एक चौकी में भगवान हनुमान के साथ-साथ भगवान राम और सीता जी की भी मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें और विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करें।

अर्पित करें ये चीजें

हनुमान जन्मोत्सव की पूजा के दौरान बजरंगबली को लाल रंग के वस्त्र, सिंदूर और लाल फूल और मीठे पान का बीड़ा जरूर चढ़ाएं। इसी के साथ गुड़-चना और बूंदी का भोग लगा सकते हैं। इससे पवनपुत्र प्रसन्न होते हैं और साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

जरूर करें ये काम

हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर जाकर परिक्रमा करें और चमेली के तेल का दीपक जलाएं। इसी के साथ हनुमान जी के चरणों में सिंदूर (नारंगी सिंदूर) अर्पित करें। आप चमेली के तेल में सिंदूर घोलकर भी हनुमान जी को अर्पित कर सकते हैं, इससे वह जल्दी प्रसन्न होते हैं।

न करें ये गलतियां

हनुमान जन्मोत्सव के दिन भूलकर भी मांस-मदिरा आदि का सेवन न करें, वरना आपको हनुमान जी की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। इसी के साथ मन में नकारात्मक विचार लाने, बेवजह क्रोध करने से बचें। इस दिन पर काले रंग के कपड़े पहनने से भी बचना चाहिए। इसके स्थान पर आप लाल रंग के वस्त्र धारण कर सकते हैं, क्योंकि यह रंग बजरंगबली को प्रिय माना गया है।

हनुमान जी के भोग में क्यों जरूरी है तुलसी जानिए इसके पीछे की पौराणिक कथा

बजरंगबली की आराधना के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन बहुत ही उत्तम माना गया है। इसी के साथ श्रीराम भक्त हनुमान जी को तुलसी का भोग लगाना काफी पुण्यकारी माना गया है। इसके पीछे एक पौराणिक कथा भी मिलती है, जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

मिलती है ये पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार माता सीता हनुमान जी को भोजन करवा रही थीं। इस दौरान उन्होंने हनुमान जी के लिए अलग-अलग तरह के पकवान बनाएं। सारा भोजन खत्म होने के बाद भी हनुमान जी की भूख शांत नहीं हुई और वह और भोजन की मांग करने लगे। इससे माता सीता चिंतित हो गई और उन्होंने सारी बात राम जी के समक्ष कही।

प्रभु श्रीराम ने दिया ये सुझाव

तब प्रभु ने माता सीता से कहा कि आप हनुमान के भोजन में तुलसी का पत्ता डाल दें। ऐसा करने से हनुमान की भूख शांत हो जाएगी। तब राम जी के कहे अनुसार, मां सीता ने हनुमान जी के भोजन में तुलसी के पत्ते डाल दिए, जिसे खाने के बाद बजरंगबली की भूख शांत हो गई। तभी से यह मान्यता चली आ रही है कि कहते हैं कि हनुमान जी के भोग में तुलसी का पत्ता जरूर डालाना चाहिए।

यह भी है एक कारण

भगवान विष्णु के सभी अवतारों को भोग में तुलसी दल जरूरी रूप से अर्पित किया जाता है, क्योंकि इसके बिना उनका भोग अधूरा है। ऐसे में भगवान विष्णु के सातवें अवतार प्रभु श्रीराम के परम भक्त होने के नाते, हनुमान जी को भी भोग में तुलसी अर्पित करना का शुभफलदायी माना गया है।

मिलते हैं ये लाभ

हनुमान जी की पूजा में तुलसी चढ़ाने का विशेष महत्व माना गया है। ऐसा करने से हनुमान जी जल्दी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों के सभी संकट दूर करे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमान जी को तुलसी अर्पित करने से साधक के जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है और सभी कार्यों में सफलता मिलती है। इसी के साथ हनुमान जी को तुलसी की माला चढ़ाने से भी साधक को विशेष लाभ मिल सकते हैं।

जन्मोत्सव पर बजरंगबली को राशि अनुसार अर्पित करें उनकी प्रिय चीजें घर में होगा मां लक्ष्मी का वास

हनुमान जन्मोत्सव भगवान हनुमान के जन्म का प्रतीक है, जो श्री राम और सीता माता के परम भक्त हैं। बजरंगबली भक्ति, शक्ति और निस्वार्थता के प्रतीक माने जाते हैं। इस दिन श्रद्धापूर्वक भगवान हनुमान की पूजा करने से सभी मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। राम भक्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें राशि अनुसार क्या चढ़ाना चाहिए।

हनुमान जी को चढ़ाएं ये चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान जी को लाल चोला अर्पित करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को भगवान हनुमान को दूध से बनी चीजें चढ़ानी चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के जातक को बजरंगबली को मीठे पान का भोग लगाना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातक को तुलसी की माला वीर हनुमान को अर्पित करनी चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि के जातक को नारंगी चोला भगवान हनुमान को चढ़ाना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को पवन पुत्र को गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को हनुमान जी को पंचामृत चढ़ाना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातक को वीर हनुमान को लड्डूओं का भोग लगाना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के जातक को हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान जी को तुलसी पत्र अर्पित करने चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को हनुमान जी को शमी पत्र चढ़ाने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातक को भगवान हनुमान को केले का भोग लगाना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि के जातक को वीर बजरंग बली को बेसन के लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए।

हनुमान जन्मोत्सव पर इन राशियों की होगी तरक्की

हनुमान जन्मोत्सव भगवान हनुमान के जन्म का प्रतीक है। हिंदू धर्म में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ यह महापर्व मनाया जाता है। भगवान हनुमान, शक्ति, भक्ति और निष्ठा के प्रतीक हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन उनकी सच्चे मन से आराधना करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल का हनुमान जन्मोत्सव कुछ विशेष राशियों के लिए बहुत फलदायी रहने वाला है, जिनमें मेष और वृश्चिक राशि प्रमुख हैं।

मेष और वृश्चिक पर शुभ प्रभाव

मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं। ज्योतिष में मंगल को ऊर्जा, साहस और पराक्रम का कारक माना जाता है। इसलिए, हनुमान जन्मोत्सव के इस शुभ अवसर पर मेष और वृश्चिक राशि के जातकों पर हनुमान जी की विशेष कृपा बरसने की उम्मीद है।

मेष राशि –मेष राशि के जातकों के जीवन में हनुमान जन्मोत्सव एक नया उत्साह और ऊर्जा लेकर आएगा। इस दौरान इस राशि के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई पहचान मिल सकती है और प्रयासों को सराहना मिलेगी।

आर्थिक लाभ – हनुमान जी की कृपा से मेष राशि वालों को आर्थिक लाभ होने की संभावना है। रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। आय के नए स्रोत मिलेंगे। व्यापार में भी विस्तार के योग बन रहे हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

करियर – नौकरी कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है, जो लोग नई नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें नौकरी मिल सकती है। इसके अलावा पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। साथ ही रिश्तों में मधुरता आएगी और घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के जातकों के लिए हनुमान जन्मोत्सव सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आपके लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होंगे। हनुमान जी की कृपा से आपके जीवन में स्थिरता और समृद्धि आएगी। वृश्चिक राशि वालों के लिए यह समय हर क्षेत्र में सफलता दिलाने वाला साबित हो सकता है।

आर्थिक लाभ – इस मौके में धन लाभ के कई अवसर मिलेंग। निवेश से लाभ होने की संभावना है और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी।

स्वास्थ्य – यदि आप किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं, तो इस दौरान आपको उसमें सुधार देखने को मिल सकता है। हनुमान जी की कृपा से आपको शारीरिक और मानसिक शांति मिलेगी।

करें ये उपाय – मेष और वृश्चिक राशि के जातक हनुमान जन्मोत्सव के दिन विशेष रूप से हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें। इसके साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ करें और गरीबों को दान दें। साथ ही इस दिन व्रत रखने के अलावा हनुमान जी के वैदिक मंत्रों का जाप जरूर करें।

जन्मोत्सव के दिन घर लाएं ये चीजें जीवन में नहीं सताएगा कोई डर

सनातन धर्म में चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव अधिक धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर भक्त भगवान हनुमान जी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। जीवन के संकटों से छुटकारा पाने के लिए व्रत भी किया जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, हनुमान जी उपासना करने से कारोबार में वृद्धि होती है और बजरंगबली की कृपा प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यता है कि हनुमान जन्मोत्सव के दिन कुछ विशेष चीजों को घर लाने से साधक पर हनुमान जी की कृपा बरसती है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर घर किन चीजों का लाना शुभ होगा?

घर में सुख-शांति का होगा वास

अगर आप घर में सुख-शांति का वास चाहते हैं, तो हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर घर सिंदूर लाएं। इसके बाद बजरंगबली की पूजा-अर्चना करें और प्रभु को सिंदूर चढ़ाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से बजरंगबली प्रसन्न होंगे और घर में सुख-शांति का आगमन होगा।

हनुमान की कृपा होगी प्राप्त

इसके अलावा हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी का अस्त्र गदा भी ला सकते हैं। गदा को ताकत और जीत का प्रतीक माना जाता है। इसका प्रयोग प्रभु ने कई राक्षसों का संहार करने के लिए किया था। ऐसा माना जाता है कि गदा को घर लाने से परिवार के सदस्यों पर हनुमान की कृपा बनी रहती है।

नकारात्मक शक्तियां होंगी दूर

घर में उत्पन्न नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा पाने के लिए हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान ध्वज लाएं और उसे घर की छत पर लगाएं। मान्यता के अनुसार, घर पर हनुमान ध्वज लगाने से घर में बुरी शक्तियों का प्रवेश नहीं होगा। साथ ही परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बजरंगबली की पूजा का जानें खास महत्व

शनिवार के दिन कई सारे लोग भगवान शनिदेव की पूजा करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये दिन उनके लिए प्रिय होता है। जिसे भी पंड़ित जी के द्वारा शनिवार की पूजा बताई जाती है, वो इसी दिन होती है। लेकिन इस दिन भगवान हनुमान जी को भी पूजा जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूजा का विशेष फल प्राप्त होता है। लेकिन क्यों इसे लेकर हर किसी के मन में सवाल रहते हैं। चलिए आपको भी बताते हैं कि क्यों शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा की जाती है।

हमारी धार्मिक कथाओं के अनुसार एक कहानी काफी चर्चा में रही है। इसके अनुसार एक बार शनिदेव भगवान को लंकापति रावण ने बंदी बना लिया था। हनुमान जी जब माता जानकी जी की खोज के लिए लंका पहुंचे तो उनकी नजर शनिदेव पर पड़ी। जिन्हें लंकापति रावण ने अपने पैरों के नीचे दबा रखा था। उस समय हनुमान जी ने शनिदेव से पूछा की आप यहां कैसे? इसपर उन्होंने जवाब दिया कि उनको रावण ने बंदी बना लिया है। इसके बाद बजरंगबली ने क्रोध में आकर लंका का दहन किया। साथ ही, शनिदेव को वहां से मुक्त कराया। इस पर शनिदेव ने खुश होकर हनुमान जी को वचन दिया जो कोई भी व्यक्ति इस दिन आपकी पूजा विधि विधान से करेगा। उसे शनिदोष से मुक्ति मिल जाएगी।

ऐसा कहा जाता है कि अगर आपके ऊपर शनिदोष है, तो इसे शांत करने के लिए आप हनुमान जी की पूजा करा सकते हैं।

जिनकी कुंडली में शनि का साढ़े साती चल रही है उसे भी हनुमान जी की पूजा का विशेष लाभ प्राप्त होता है।

हनुमान जी को संकट हरण का जाता है। इसलिए भय दूर करने के लिए इनका पूजन किया जाता है।

मानसिक और शारिरिक रोगों से मुक्ती के लिए भी इनकी पूजा की जाती है।

पूजा के नियम

अगर आप किसी खास चीज के लिए शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा कर रहे हैं, तो पंडित जी की राय जरूर लें।

किसी भी पूजा को करते समय किसी तरह की रोका टोकी न करें।

पूजा आपके घर में हो रही है तो बाहर के लोगों को न बुलाएं।

बजरंगबली को पूजा के बाद चोला जरूर चढ़ाएं।

शनिवार के दिन किसी भी पूजा के लिए आप स्वंय मंदिर के पंडित जी को बुलाकर इसे संपन्न करवाएं। साथ ही, बाहर के लोगों को कम आने दें। इससे आपके दोष पर किसी तरह की कोई नजर नहीं लगेगी।

बॉलीवुड का हैंडसम हीरो राज किरण महतानी कई साल से है लापता!

पागलखाने से अचानक हुआ गायब, खोजते रह गए थे ऋषि कपूर

बॉलीवुड में कई सितारे करियर की शुरुआत में ही हिट हो जाते हैं, वहीं कई को फ्लॉप का टैग मिल जाता है। कई शौहरत की सीढ़ियां चढ़ते हैं तो कई शुरुआत में ही असफल हो जाते हैं। कई सितारे ऐसे भी होते हैं जो सफलता और असफलता दोनों का स्वाद चखते हैं। वैसे असफलता के बाद सफलता तो लोगों को रास आती है, लेकिन सफलता के बाद असफलता का सामना करना काफी मुश्किल हो जाता है। कई सितारे इन परिस्थितियों में लड़खड़ा जाते हैं। अक्सर देखा गया है कि ऐसे हालत में वो लाइमलाइट से दूर हो जाते हैं, कोई डिप्रेशन का शिकार होता है तो कोई इंडस्ट्री छोड़ देता है। कम ही ऐसे सितारे होते हैं जो इसे हैंडल कर पाते हैं। आज ऐसे ही एक एक्टर के बारे में बात करेंगे जिन्हें सफलता तो रास आई लेकिन असफलता को हैंडल नहीं कर पाए, ग्लैमर की दुनिया छोड़ अचानक ही गायब हो गए। आज तक लोग उनकी राह देख रहे हैं।

कई फिल्मों में छोड़ी छाप

1949 में जन्मे राज किरण महतानी 1980 के दशक में एक लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता थे। उन्होंने ऋषि कपूर, गोविंदा, अनिल कपूर, रेखा, श्रीदेवी, दीप्ति नवल और हेमा मालिनी जैसे कई सितारों के साथ 'बसेरा', 'अर्थ', 'तेरी मेहरबानियां', 'मजदूर' और 'घर एक मंदिर' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। उनकी सबसे लोकप्रिय भूमिका सुभाष घई की फ़िल्म 'कर्ज' में रवि वर्मा की है। कई हिट फिल्में देने के बाद जब उनका करियर ढलान पर आने लगा तो राज किरण डिप्रेशन में चले गए और बताया जाता है कि 2000 के दशक की शुरुआत में उन्हें पागलखाने में भर्ती कराया गया था। इसके बाद वो अचानक ही वहां से गायब हो गए और 20 साल से ज्यादा समय से लापता हैं।

एक्टर को लेकर होते हैं कई दावे

राज किरण की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों ही पटरी से उतर गई थी। कई साल उन्होंने बायखुला मेंटल असायलम में बिताए, लेकिन फिर उनके वहां से गायब होने के बाद कई दावे किए गए। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्हें न्यूयॉर्क में कैब चलाते हुए देखा गया था। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि बाद में उन्हें अमेरिका में पागलखाने में भर्ती कराया गया। राज की

को-एक्ट्रेस दीप्ति नवल और ऋषि कपूर ने भी उन्हें खोजने की कोशिश की थी, लेकिन उनकी कोशिशें नाकाम रहीं। दोनों ने कई इंटरव्यू में कहा कि उनके परिवार से भी संपर्क करने की कोशिश की लेकिन सटीक जानकारी नहीं मिल सकी। साल 1999 से एक्टर के बारे में किसी को भी सटीक जानकारी नहीं है। को-एक्टर ऋषि कपूर ने बताया था कि वो अमेरिका के पागलखाने में हैं, वहीं दिप्ति नवल ने बताया कि वो अमेरिका में टेक्सी चलाते देखे गए।

सपोर्ट में आई थीं सोमी अली

पाकिस्तानी-अमेरिकी अभिनेत्री सोमी अली अभी भी लापता अभिनेता की तलाश कर रही हैं, जिनके साथ उन्होंने एक फिल्म में काम किया था। वह अक्सर अपने दोस्त को खोजने के अपने संघर्षों के बारे में अपने इंस्टाग्राम पर लिखती रही हैं। इस साल जनवरी में सोमी अली ने बॉलीवुड की आलोचना की और कहा कि उन्हें बॉलीवुड भूल गया है। उन्होंने लिखा, 'कर्ज और अर्थ जैसी क्लासिक फिल्में में दिल जीतने वाले करिश्माई अभिनेता राज किरण ने मेरी आ-खिरी बॉलीवुड फिल्म अग्निचक्र में मेरे साथ काम किया था। वो एक शानदार एक्टर थे, इसके बावजूद उनका ऐसे गायब होने एक अनसुलझी कहानी बनी हुई है। एक रहस्य जो इंडस्ट्री में एक बेचैन करने वाली उदासीनता को उजागर करता है जो कभी उनका सम्मान करती थी।'

बॉलीवुड पर उठाए सवाल

इस साल जनवरी में सोमी अली ने राज को छोड़ देने के लिए बॉलीवुड की आलोचना की थी। उन्होंने लिखा, 'कर्ज और अर्थ जैसी क्लासिक फ़िल्मों में दिल जीतने वाले करिश्माई अभिनेता राज किरण ने मेरी आ-खिरी बॉलीवुड फिल्म अग्निचक्र में मेरे साथ सोमी अली के साथ स्क्रीन शेयर की। अपनी प्रतिभा के बावजूद, राज का गायब होना एक अनसुलझी त्रासदी बनी हुई है - एक रहस्य जो इंडस्ट्री में एक बेचैन करने वाली उदासीनता को उजागर करता है जो कभी उनका सम्मान करती थी। कोई भी आगे क्यों नहीं आया? महेश भट्ट जैसे प्रभावशाली व्यक्ति, जो अक्सर मानवीय कमजोरियों की खोज करते हैं या शबाना आजमी, जो न्याय की कट्टर समर्थक हैं, उन्होंने राज के बारे में जवाब क्यों नहीं मांगा? उनके सह-कलाकार, निर्देशक और निर्माता कहां हैं? उनकी चुप्पी बॉलीवुड पर सवाल खड़े करती है।'

सोमी कर रही एक्टर की तलाश

सोमी अली ने आगे कहा, 'उनके लापता होने के दशकों बाद मैंने अटलांटा, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मुंबई में आधिकारिक गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करना शुरू कर दिया है। राज के टैक्सी चलाने, पागलखाने में भर्ती होने या यहां तक कि परिवार के हाथों दुखद अंत का सामना करने की कहानियां अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन स्पष्टता का अभाव है। यहां तक कि दिवंगत ऋषि कपूर, जिन्हें गलत खेल का संदेह था उन्होंने मुझे कभी हार न मानने के लिए प्रोत्साहित किया। फिर भी राज के मामले को लेकर सामूहिक उदासीनता बनी हुई है। अगर बॉलीवुड अपनी शक्तिशाली आवाजों और प्लेटफॉर्म के साथ राज किरण जैसे किसी व्यक्ति से दूर हो जाता है, तो यह उनके मूल्यों के बारे में क्या कहता है? राज अफवाहों से ज्यादा के हकदार हैं - वे सच्चाई, सम्मान और न्याय के हकदार हैं। आइए पूछना शुरू करें कि क्यों।'

सनी देओल के साथ किया था डेब्यू, 10 फिल्में कर भी नसीब नहीं हुई सिंगल हिट

उर्वशी 3 मिनट की लेती है 3 करोड़ फीस!

बॉलीवुड में तमाम संघर्ष की यात्रा कर हीरोइन बनना किसी कोई आसान काम नहीं है। लेकिन इससे भी मुश्किल है हीरोइन बनकर बॉक्स ऑफिस पर अपने स्टारडम की चमक दिखाना और फिल्म को हिट कराना। बॉलीवुड की एक ऐसी हीरोइन हैं जिन्होंने 10 से ज्यादा फिल्मों में काम किया लेकिन अभी तक 1 सिंगल हिट नहीं दे पाईं। खास बात ये है कि ये हीरोइन कोई छोटी-मोटी एक्ट्रेस नहीं बल्कि सनी देओल के साथ डेब्यू कर चुकी है। इतना ही नहीं ऋतिक रोशन की भी ऑनस्क्रीन हीरोइन रह चुकी हैं। इसके बाद भी अभी तक 1 भी हिट फिल्म नहीं दे पाई हैं। लेकिन इन सब बातों से भी ज्यादा खास ये है कि फ्लॉप होने के बाद भी इस हीरोइन की डिमांड कम नहीं हुई। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ये हीरोइन 1 मिनट परफोर्म करने के लिए 1 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की।

11 साल में नसीब नहीं हुई सिंगल हिट

25 फरवरी 1994 को उत्तराखंड के हरिद्वार शहर में जन्मी उर्वशी बचपन से ही ग्लैमर की दुनिया की तरफ आकर्षित रही हैं। बॉलीवुड में करियर शुरू करने से पहले उर्वशी ने कई मॉडलिंग और ब्यूटी पेजेंट्स में भी हिस्सा लिया था। साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में उर्वशी ने सनी देओल के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी। इसके बाद साल 2014 में उर्वशी को फेम मिला हनी सिंह के गाने 'लव डोज' से। ये गाना सुपरहिट रहा और उर्वशी को भी पहचान दिला गया। इसके बाद 2015 में उर्वशी ने 'भाग जॉनी' नाम की फिल्म में काम किया। ये फिल्म भी बुरी तरह पिट गई। इसी साल उर्वशी ने 2015 में मिस यूनिवर्स में भी हिस्सा लिया। हालांकि उर्वशी इस प्रतियोगिता में जीत नहीं पाईं। इसके बाद भी उर्वशी बॉलीवुड फिल्मों में काम करती रहीं। अब तक 10 से ज्यादा फिल्में कर चुकीं उर्वशी को एक भी बॉक्स ऑफिस हिट नहीं मिली है।

1 मिनट की फीस है 1 करोड़?

साल 2017 में आई ऋतिक रोशन की फिल्म 'काबिल' में भी उर्वशी नजर आई थीं। हालांकि ये फिल्म भी कमाई के मामले में फिसड्डी रही थी। अब तक 30 से ज्यादा पोजेक्ट्स कर चुकीं उर्वशी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। फिल्मों के साथ आइटम सॉन्ग्स और ईवेंट्स में भी उर्वशी शामिल होती रहती हैं। बीते 2 साल पहले हुए क्रिकेट के वर्ल्डकप में भी उर्वशी को इन्वाइट किया गया था। उर्वशी ने यहां अपने प्रदर्शन से लोगों का दिल जीता था। बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद भी उर्वशी करियर में हिट हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उर्वशी 1 मिनट परफोर्म करने के लिए 1 करोड़ रुपयों की फीस चार्ज करती हैं। अब इस साल भी उर्वशी 5 फिल्मों में नजर आने वाली हैं। अब देखना होगा कि ये साल उर्वशी की किस्मत में बॉक्स ऑफिस पर कितनी सफलता दिलाता है।

अमीषा पटेल से पहले काजोल को ऑफर हुई थी गदर?

24 साल बाद हुआ खुलासा, बोलीं- ये फिल्म मुझे कभी...

काजोल ने साल 1992 में फिल्म बेखुदी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। 'बाजीगर' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्मों ने उन्हें एक्ट्रेस के तौर पर एक अलग पहचान दिलाई। कई दशक लंबे करियर में काजोल ने कई तरह के किरदार निभाए और दर्शकों के दिलों में अपने लिए एक खास जगह बना चुकी है। एक हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने करियर से लेकर अपने लाइफ च्वाइसेज पर खुलकर बातचीत की। तनुजा और शोमू मुखर्जी की बेटी काजोल ने अपने पिता का सरनेम छोड़ इंडस्ट्री में कदम रखा था। एक्ट्रेस ने लेटेस्ट इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे का कारण भी बताया।

साल 2001 में रिलीज फिल्म गदर बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर और सफल फिल्मों में से एक है। इस आइकॉनिक फिल्म में दर्शकों को बड़े पर्दे पर सनी देओल और सकीना की जोड़ी देखने को मिली। रिपोर्ट्स में कई बार दावा किया जाता रहा है कि अमीषा से पहले सकीना का रोल काजोल को ऑफर हुआ था। करीब 24 साल बाद एक्ट्रेस ने इस अफवाह का खुलासा करते हुए सही जानकारी साझा की। काजोल ने बताया कि यह अफवाह पूरी तरह गलत है, क्योंकि काजोल को गदर कभी ऑफर नहीं हुई। एक्ट्रेस ने बताया कि कई और फिल्म हैं जो उन्हें ऑफर हुई थी, लेकिन उनके बारे में बात करना सही नहीं होगा।

काजोल ने इंटरव्यू में बताया कि वह जब अपनी मां तनुजा को हमेशा काम में व्यस्त देख कर वह खुद कभी एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखना चाहती थी। वह कोई 9 से 5 जॉब कर के सुकून से अपनी जिंदगी बिताना चाहती थी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पिता शोमू मुखर्जी और मां तनुजा से एक्टिंग उन्हें विरासत में मिली, लेकिन उन्होंने पिता के सरनेम को पीछे छोड़कर इंडस्ट्री में कदम रखा। काजोल ने हालिया इंटरव्यू में बताया कि सरनेम का इस्तेमाल नहीं करना एक सोचा समझा फैसला था।

30 साल बाद दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे ने रचा इतिहास

लंदन में लगेगी शाहरुख खान और काजोल की फिल्म की प्रतिमा

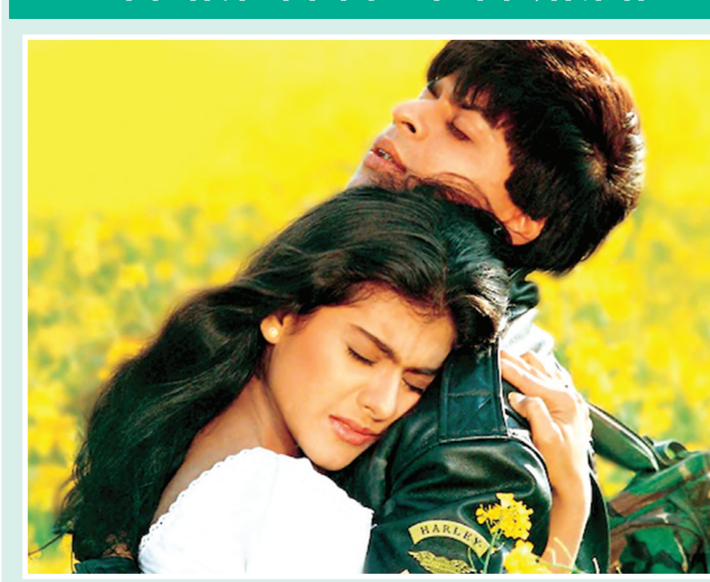

हार्ट ऑफ लंदन बिजनेस एलायंस ने आज घोषणा की कि एक नई मूर्ति लंदन के लीसेस्टर स्कायर में स्थित रोमांचक 'सीन्स इन द स्कायर' मूवी ट्रेल में शामिल होने जा रही है, और यह सम्मान यशराज फिल्म्स की ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) को मिला है। यह लीसेस्टर स्कायर, लंदन में स्थापित होने वाली पहली भारतीय फिल्म की मूर्ति होगी! यह घोषणा डीडीएलजे के 30 वर्ष पूरे होने के जश्न की शुरुआत का प्रतीक भी होगी एक कालातीत और बहु-पुरस्कार विजेता रोमांटिक कॉमेडी, जिसने आदित्य चोपड़ा के निर्देशन की शुरुआत भी कराई थी।

यह कांस्य प्रतिमा बॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स शाहरुख खान और काजोल को डीडीएलजे के एक प्रतिष्ठित पोज में प्रदर्शित करेगी। इस साल वसंत ऋतु में इसका अनावरण होना तय है। आज की यह घोषणा इस बात का प्रमाण है कि यह फिल्म ब्रिटेन के पांच मिलियन से अधिक दक्षिण एशियाई समुदाय द्वारा कितनी पसंद की जाती है। डीडीएलजे भारत और दुनिया भर के दक्षिण एशियाई लोगों के लिए पॉप संस्कृति का एक अहम हिस्सा है।

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे दो अप्रवासी भारतीयों, राज और सिमरन, और उनकी प्रेम कहानी का अनुसरण करती है, जो यूरोप और भारत में फैली हुई है, और जिसकी शुरुआत किंग्स क्रॉस स्टेशन से एक ट्रेन यात्रा से होती है। यह स्थान और भी उपयुक्त है क्योंकि लीसेस्टर स्कायर डीडीएलजे के उस दृश्य में दिखता है, जब राज और सिमरन पहली बार एक-दूसरे से टकराते हैं। हालांकि वे एक-दूसरे को नहीं पहचानते और फिर यूरोप की यात्रा शुरू होती है। उस दृश्य में लीसेस्टर स्कायर के दो प्रमुख सिनेमा घर प्रमुखता से दिखाए गए हैं राज वुए सिनेमा के सामने खड़ा होता है, और सिमरन ओडियन लीसेस्टर स्कायर के पास से गुजरती है। नई प्रतिमा ओडियन सिनेमा के बाहर, पूर्वी टेरेस पर स्थापित की जाएगी, और उस दृश्य को श्रद्धांजलि देगी। फिल्म में लंदन के अन्य स्थान जैसे हॉर्सगार्ड्स एवेन्यू, हाइड पार्क, टॉवर ब्रिज और किंग्स क्रॉस स्टेशन भी शामिल हैं।

इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा पर गहरा प्रभाव डाला है, और यह एक ऐसा वैश्विक घटना बन गई कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान इसका उल्लेख किया था। यूके में, इस फिल्म का सांस्कृतिक महत्व आज भी बरकरार है, और इसी पर आधारित एक नया म्यूज़िकल कम फॉल इन लव द डीडीएलजे म्यूजिकल 29 मई 2025 को मैनचेस्टर ओपेरा हाउस में शुरू होने जा रहा है। सोशल मीडिया पर 140 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, फिल्म के प्रमुख अभिनेता शाहरुख खान हमारे समय के सबसे पसंदीदा कलाकारों में से एक हैं।

डीडीएलजे के सितारे शाहरुख खान और काजोल अब 'सीन्स इन द स्कायर' में अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के दिग्गजों के साथ शामिल होंगे, जिसमें पिछले 100 वर्षों के दस अन्य फिल्म आइकन शामिल हैं। डीडीएलजे की प्रतिमा अब हैरी पॉटर, लॉरेल और हार्डी, बग्स बनी, जीन केली (सिंगिंग इन रेन), मैरी पॉपिंस, मिस्टर बीन, पैडिंग्टन और डीसी सुपरहीरोज़ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे प्रतिष्ठित किरदारों के साथ स्थापित होगी।

हार्ट ऑफ लंदन बिजनेस एलायंस के डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव मार्क विलियम्स ने कहा: शाहरुख खान और काजोल जैसे अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के दिग्गजों को हमारी मूवी ट्रेल में शामिल करना एक अद्भुत अवसर है। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे न केवल सबसे सफल, बल्कि सबसे महत्व-पूर्ण बॉलीवुड फिल्मों में से एक है। यह पहली फिल्म है, जिसमें लीसेस्टर स्कायर एक लोकेशन के रूप में वास्तव में दिखाया गया है, और यह मूर्ति बॉलीवुड की वैश्विक लोकप्रियता का उचित सम्मान और लंदन की विविधता का उत्सव है। हमें पूरा विश्वास है कि यह मूर्ति दुनियाभर से प्रशंसकों को लीसेस्टर स्कायर, फिल्म और एंटरटेनमेंट की राजधानी, की ओर आकर्षित करेगी।

यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा, जब दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) 30 साल पहले रिलीज़ हुई थी, तब इसने भारतीय सिनेमा में एक निर्णायक मोड़ ला दिया और इंडस्ट्री का चेहरा बदल दिया।

इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर लोगों के दिल जीत लिए। हमें गर्व है कि हमारी फिल्म 'सीन्स इन द स्कायर' में शामिल होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी है। यह प्रतिमा डीडीएलजे की 30वीं वर्षगांठ को और भी खास बनाएगी, और यह दिखाती है कि इस फिल्म ने यूके में कितना सांस्कृतिक प्रभाव डाला है। हमारे सुपरस्टार्स और फिल्म को जीन केली, लॉरेल एंड हार्डी, और हैरी पॉटर जैसे हॉलीवुड दिग्गजों के साथ वैश्विक मंच पर मान्यता मिलना हमारे लिए गर्व का विषय है।

नीलिमा शर्मा को मल्लिका अरोड़ा ने गोवा में नारीफर्स्ट ब्यूटी पेजेंट की विजेता के रूप में किया क्राउन

सशक्तता, गरिमा और सौंदर्य के अद्भुत संगम के रूप में आयोजित नारीफर्स्ट ब्यूटी पेजेंट सीज़न 2 का ताज नीलिमा शर्मा को पहनाया गया। यह भव्य आयोजन गोवा में हुआ, जहाँ बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मल्लिका अरोड़ा ने नीलिमा को ताज पहनाकर इस खास पल को और भी खास बना दिया। इस कार्यक्रम को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर ने कोरियोग्राफ किया, जिन्होंने मंच को जीवंतता और आकर्षण से भर दिया। पंजाब की रहने वाली और पिछले 14 वर्षों से बैंगलोर में निवास कर रहीं नीलिमा सिर्फ एक सुंदरता की रानी नहीं हैं, बल्कि दो प्यारे बच्चों की माँ, एक समर्पित पत्नी और एक संवेदनशील व्यक्तित्व हैं जिनकी यात्रा समर्पण और करुणा से भरी है। नीलिमा ने साइंस में ग्रेजुएशन और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में पोस्ट-ग्रेजुएशन किया है।

अपने करियर की शुरुआत लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से करने के बाद उन्होंने अपने परिवार को प्राथमिकता दी और एक

पूर्णकालिक गृहिणी बनीं। लेकिन समाज सेवा के प्रति उनके जुनून ने उन्हें नियोनेट्स फाउंडेशन ऑफ इंडिया से जोड़ दिया, जहाँ वे नवजात शिशुओं के NICU इलाज के लिए फंड इकट्ठा करने में मदद करती हैं। अब तक वे 120 से अधिक नवजात शिशुओं के जीवन को बचाने में सहायक रही हैं।

उनकी पेजेंट यात्रा की शुरुआत सिर्फ एक नए अनुभव के लिए हुई थी, जब उन्होंने नारीफर्स्ट के 'ज्वेल ऑफ इंडिया सीज़न 1' में भाग लिया। लेकिन सीज़न 2 में वे एक उद्देश्य के साथ लौटीं-यह साबित करने के लिए कि सपनों की कोई उम्र नहीं होती। मैं हर महिला से कहना चाहती हूं: आपकी उम्र या पेशा चाहे जो भी हो, आप वो सब कुछ बन सकती हैं जो आप सपना देखती हैं, नीलिमा ने ताज पहनने के बाद मुस्कुराते हुए कहा।

अब जब नीलिमा मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने और देशभर की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनने की ओर अग्रसर हैं, उनकी जीत वास्तव में दृढ़ संकल्प, उद्देश्य और आत्मबल की जीत है। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि अगर दिल में हिम्मत और सच्चा जज़्बा हो, तो हर मुकाम हासिल किया जा सकता है-ताज सिर्फ सिर पर नहीं, बल्कि आत्मा में भी पहना जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज ईष्ट मित्रों के साथ तीर्थ यात्रा का योग बन रहा है. परिवार के किसी सदस्य के साथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें. माता-पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन-देन सुलझ सकता हैं। छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा. हनुमानाष्टक का पाठ करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सुबह अरुणोदय के समय सूर्यको जल अर्पण करें और प्रणाम करें दिन भर शरीर मे उर्जा रहेगी जिसकी आप को जरुरत हैं। आप अपने प्रयास में अत्यधिक सफल भी होंगे। आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के परिवार के साथ संतोषमय जीवन का लाभ उठाएंगे.स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कुछ दिक्कतें जरुर बन रही हैं परन्तु पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा. आय के स्रोत यथावत रहेंगे . लोगों के मन में क्या चल रहा है, यह सोच कर चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं आप खुद समझदारी से निर्णय करें निजी और पारिवारिक जीवन में सफलता और संतुष्टी मिल सकती है. बिजनेस में मेहनत के दम पर सफलता मिलने के योग हैं. खर्चा करने के मामलों में मन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें. पारिवारिक मामले आसानी से सुलझ सकते हैं. सामाजिक कार्य के कारण आप तारीफ के पात्र होंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज विरोधी हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु न्याय आप के पक्ष मे होगा व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा.. यात्रा मे भरपूर आनंद आएगा शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए लोग पदोन्नति को प्राप्त होंगे घर सदस्यों के साथ कुछ मतभेद होंगे. किसी मित्र से जुड़ी हुई बुरी खबर आज सुनने को मिल सकती है. नौकरी में ऊपरी अधिकारियों की ओर से समर्थन मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज व्यापारियों के साथ यात्रा का योग बन रहा हैं . महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है. आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है. आज कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है. आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए. आपकी आय में वृद्धि होने की उम्मीद नजर आ रही है। मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा. दाम्पत्य जीवन को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको गलतफहमी में पड़ने से बचना होगा. कन्याओं को हलुआ पूरी खिलाए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अनजान व्यक्ति पर भरोसा करना चिंता का कारण बनेगा सतर्क रहने का प्रयास करें. तीव्र प्रगति के बावजूद आज आपको धीरे-धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है. आपको अनुशासित रहना चाहिए . वित्तीय मामलों में आपको संयम बरतना चाहिए और कोई भी नई प्रतिबद्धता बनाने से पहले दो बार सोचना चाहिए. पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. कुंवारे जातको को खुशखबरी मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आगें आकर रुके हुए काम को अपने हाथ मे लेनी की जरुरत होगी लेकिन दूसरों के निर्देशों को मानते हुए काम करना हो, आप के लिए मुश्किलें पैदा करेगा कामकाज ज्यादा रहेगा. आज मेहनत भी ज्यादा हो सकती है. इससे आपको बड़ा फायदा होगा. कोई नई चीज सीख सकते हैं. मांगलिक समारोह में भी शामिल होने के योग हैं. नये लोगों से मिलना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप लेखक कार्य से जुडे हुए हैं या शिक्षा क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहे हैं तो अधिक महनत करनी पड सकती हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवेक से कार्य करें. मनोरंजन के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें. किसी करीबी व्यक्ति से दूर हो सकते हैं. अचानक से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. किसी के साथ हुआ विवाद झगड़े का रूप धारण कर सकता है. मौन रहकर विवाद से दूरी बना रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत समय बाद लाभ की स्थिति बन रही हैं व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. जो वकील हैं, आज उन्हें किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी. पार्टनर के साथ कोई नई मूवी देखने जा सकते हैं. जमीन के किसी पुराने लेन-देन से आज आपको फायदा मिल सकता है. जिन छात्रों को करियर संबंधी किसी प्रकार की परेशानी आ रही है, उन्हें आज बड़े भाई या बड़ी बहन से मदद मिलेगी. बच्चों को दूध शक्कर मिठाई दें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर परिवार ऑफिस मे सकारात्मक माहौल रहेगा और विकास की राह मिलेगी . आप लाभ के लिए तत्पर हैं. लंबे समय से लंबित पड़ा वांछित काम पूरा होगा. यदि आप विदेश जाने के इच्छुक हैं तो आप अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे. परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में होंगे. पारिवारिक संबंध आनंददायक रहेंगें और परिवार में किसी के लिए पदोन्नति या बेहतरी के संकेत हैं. परिवार के साथ रिलैक्स मूड मे घूमने का प्रोग्राम बनाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप सम्मानित होंगे सिनीयर आप की प्रशंसा करेंगे पार्टनर से सहयोग ओर फायदा मिल सकता है. नक्षत्रों की स्थिति अच्छी होने से दिन शुभ रहेगा. खर्च-निवेश का फैसला भी खुद ही करें. रोजमर्रा के काम भी समय पर पूरे होने के योग हैं. घर-परिवार और ऑफिस में आपको फायदा हो सकता है. आप-को सहयोग भी मिल सकता है. ऐग्रिकल्चर मे इंवेस्टमेंट करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज चारो ओर लाभ बनता हुआ दिखेगा परन्तु अन्तिम क्षण मे हानि मे परिवर्तित हो जाएगा आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा. स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी. मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. विदेश से अच्छी खबर मिलेगी. जो समस्या आपको परेशान कर रही है, उसकी जड़ तक जाने की कोशिश करें. सट्टेबाजी से दूर रहें।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 अप्रैल 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 05:54 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 06:08 तक
योग : व्याघात रात्रि 08:38 तक
करण : विष्टि सायं 04:38 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चैत्र पूर्णिमा , हनुमान जयंती , मन्वादि तिथि , वैशाख स्नान आरंभ , भद्रा सायं 04:36 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान को बनाएंगे कृषक-कल्याणकारी राज्य : भजनलाल

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महान शिक्षाविद् समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने नारी शिक्षा, किसानों के अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए अलख जगाई। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए राज्य सरकार राजस्थान को कृषक-कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

शर्मा शुक्रवार को मुहाना मंडी परिसर में ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक जयंती समारोह नहीं बल्कि उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ज्योतिबा फुले जी ने भारतीय समाज को एक नई दिशा दी, अंधेरे में प्रकाश का दीप जलाया और उत्पीड़ित वर्गों को सम्मान व समानता का अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी सोच केवल एक समय की नहीं थी, बल्कि

वह विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा से ही अज्ञानता के अंधेरे को मिटाया जा सकता है और समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। ज्योतिबा ने शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाते हुए अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले जी के साथ मिलकर पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में इतिहास में दर्ज हुईं। श्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समाज में फैली जातिगत असमानता को दूर करने, सत्य की खोज और मानवता की सेवा का संदेश दिया।शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को आधार मानकर चार जातियां- गरीब, युवा, महिला और किसानों का उत्थान सुनिश्चित कर रही है। राज्य सरकार ने इसी बजट में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी में पारदर्शिता तथा पेपरलीक के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई से युवाओं को राहत दी गई है। हम किसानों को पानी, ऋण वितरण तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से सशक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने जो भी वादे किए हैं हम उनको पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिबा फुले के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार ने फल-सब्जी व्यापारियों और बागवानी करने वाले किसानों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में नई कृषि मंडियों की स्थापना से किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने और स्थानीय स्तर पर विपणन की सुविधा देने का कार्य कर रहे हैं। साथ ही, जयपुर के जमवारामगढ़ में फूल मंडी, जहाजपुर और शाहपुरा नगर पालिका में फल एवं सब्जी मंडी सहित राज्यभर में विभिन्न मंडियों का निर्माण, प्याज भंडारण संरचना निर्माण हेतु 2,500 किसानों को 22 करोड़ रुपये की सब्सिडी, 3 हजार प्याज भंडारगृहों के निर्माण हेतु 26 करोड़ रुपये का अनुदान सहित विभिन्न कार्य राज्य सरकार द्वारा कराए जा रहे हैं।शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल मंडियों तक सीमित नहीं है, बल्कि हम किसानों को तकनीकी रूप से भी सशक्त बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की क्षमता वृद्धि और ज्ञानवर्धन के लिए नॉलेज प्रोग्राम के तहत प्रथम चरण में 100 प्रगतिशील युवा किसानों को इजरायल सहित अन्य देशों में और 5 हजार युवाओं को भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 एग्रो क्लाइमेटिक जोन में 2-2 क्लस्टर विकसित करना, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की संख्या को बढ़ाकर 18 करने जैसे कार्यों से राज्य सरकार किसानों को कौशल प्रशिक्षण देकर तकनीकी रूप से उन्नत कर रही है।

रामगढ़ बांध के विभिन्न मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का शिलान्यास

जयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को रामगढ़ बांध के विभिन्न मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद श्री राव राजेंद्र सिंह भी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत 252.93 लाख रुपये के इन कार्यों को आगामी 12 माह मे पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। इस दौरान रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप प्रदेश सरकार 'विकास के साथ विरासत के संरक्षण' को केंद्र मे रखकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज ऐतिहासिक रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से

विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की महत्वाकांक्षी रामजल सेतु लिंक परियोजना से रामगढ़ बांध में पानी लाया जाएगा, जिसके लिए बांध की मरम्मत व विभिन्न निर्माण कार्य पहले ही करवाए जा रहे हैं।जल संसाधन मंत्री ने विभाग के अधिकारियों को इन कार्यों को निर्धारित समय सीमा मे एवं गुण-वत्तापूर्ण रूप से पूरे करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी तथा इस विरासत की उपयोगिता एवं महत्व को देखते हुये सतत् निगरानी के साथ इसका संरक्षण भी करेगी।

रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने कुछ ही समय में रामजल सेतु लिंक परियोजना को धरातल पर उतार दिया है। परियोजना के प्रथम चरण के टेंडर किए जा चुके है एवं द्वितीय चरण के प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध रूप से इस परियोजना को पूरा किया जाएगा।

इससे पूर्व जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान लंबे अरसे से पानी की समुचित आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। कई परियोजनाओं द्वारा इस समस्या के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से अब यह संभव हो रहा है। राजस्थान की विभिन्न जल परियोजनाएं राष्ट्रीय परियोजन-ाओं मे शामिल हुई हैं जिससे केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है।

सीबीआई ने 11 करोड़ रुपए के सिक्का धोखाधड़ी मामले में फरार को गिरफ्तार किया

दौसा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 11 करोड़ रुपए (लगभग) के सिक्का धोखाधड़ी/गबन मामले में फरार चल रहे आरोपी राजेश कुमार मीना, जो कि भारतीय स्टेट बैंक, शाखा कार्यालय, मेहंदीपुर बालाजी, जिला करौली (राजस्थान) में तत्कालीन कैशियर/कैश अधिकारी था, को गिरफ्तार कर लिया है। वह इस मामले का मुख्य आरोपी है। सीबीआई ने राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ के 04.03.2022 के आदेश के अनुपालन में, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय नियंत्रण कार्यालय, सवाई माधोपुर बनाम राजस्थान राज्य के एस.बी. आपराधिक रिट याचिका के मामले में, अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन टोडाभीम, जिला करौली (राजस्थान) की एफआईआर संख्या 370/2021 को 13.04.2022 को फिर से दर्ज कर जांच अपने हाथ में ली थी।सीबीआई ने 08.04.2025 को उक्त आरोपी और अन्य बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ आईपीसी और पीसी अधिनियम के तहत अपराधों के लिए सक्षम न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। उक्त आर-ोपी राजेश कुमार मीना और अन्य के खिलाफ आगे की जांच खुली रखी गई थी। इस बीच, मुख्य आरोपी 2022 से आपराधिक कार्यवाही से बचने के लिए फरार/छिपा हुआ था और जांच में कभी पेश नहीं हुआ।लगातार निगरानी और अथक प्रयासों के बाद, सीबीआई ने आरोपी राजेश कुमार मीना को 09.04.2025 को ग्राम भेसिना, तहसील वैर, जिला भरतपुर (राजस्थान) से गिरफ्तार कर लिया और उसे विशेष न्यायाधीश, सीबीआई मामले-01, जयपुर की अदालत में पेश किया गया। न्यायालय ने उक्त आरोपी को आगे की पूछताछ/जांच के लिए 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान और नेशनल इंस्ट्टियूट ऑफ आयर्वेद, जयपुर के बीच समझौता

उदयपुर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान (जेडआरटीआई) उदयपुर ने रेलकर्मियों के स्वास्थ्य क्षेत्र में योग, आहार एवं आयुर्वेदिक दवाईयों में शैक्षणिक एवं अकादमिक क्षेत्र में सहयोग हेतु नेशनल इंस्ट्टियूट ऑफ आयर्वेद, जयपुर के साथ समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि

किरण के अनुसार क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान (जेडआरटीआई) उदयपुर में प्रशिक्षणार्थियों और रेलकर्मियों की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 11 अप्रैल 2025 को श्री जय प्रकाश, प्राचार्य, क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान ने नेशनल इंस्ट्टियूट ऑफ आयर्वेद, जयपुर के साथ समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता पत्र (एमओयू) के अनुसार संस्थान में समय-समय पर नेशनल इंस्ट्टियूट ऑफ आयर्वेद के द्वारा आयुर्वेद, योग, आहार के बारे में सेमीनार एवं शिविर का आयोजन किए जाएंगे।इस एमओयू से प्रशिक्षार्णियों को अकादमिक गतिविधियों के साथ-साथ आयुर्वेद विशेषज्ञ की सेवाएं, योग, उचित आहार एवं आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढेग़ी।

कांग्रेस की कार्यशैली उनके कार्यकर्ताओं को करती है निराश : मनोहर लाल

करनाल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा में कांग्रेस पार्टी ने कैप्टन अजय यादव को कांग्रेस ओबीसी चेयरमैन पद से हटा दिया। इस पर केंद्रीय आवास और शहरी मामलों एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कांग्रेस की आंतरिक कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला।हरियाणा के करनाल में एक कार्यक्रम में शामिल होने आए मनोहर लाल ने कहा कि अजय यादव एक सुलझे हुए और अनुभवी नेता हैं, लेकिन कांग्रेस की कार्यशैली अपने कार्यकर्ताओं को निराश और भ्रमित करने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर जिस तरह की राजनीति चल रही है, उससे उनके कार्यकर्ताओं को अब भारतीय जनता पार्टी के अलावा कोई और विकल्प नजर नहीं आता।करनाल दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने अचानक से खराब हुए मौसम पर कहा कि हरियाणा के खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है और अब वह धीरे-धीरे मंडियों में पहुंच रही है। हालांकि इस बीच मौसम की अनिश्चितता और संभावित बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। राज्य सरकार और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और किसानों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो, इसके लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौसम की परिस्थितियां अगर प्रतिकूल होती हैं, तो सरकार पूरी तैयारी के साथ खड़ी है।इस दौरान हिसार में एक निजी चैनल द्वारा किए गए स्टिंग ऑपरेशन में लड़कियों की भ्रूण हत्या का मामला सामने आने पर भी केंद्रीय मंत्री ने गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि भ्रूण हत्या एक अमानवीय और घिनौना अपराध है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस मामले में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और इसे नियंत्रित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।मनोहर लाल के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि भाजपा अब कांग्रेस की आंतरिक उथल-पुथल को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश में है। वहीं, सामाजिक सरोकारों को लेकर सरकार की गंभीरता को भी जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

हरियाणा को नशा मुक्त बनाने का संकल्प : सैनी

चंडीगढ़, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और सशक्त भारत बनाने के विजन को साकार करने के लिए नशा मुक्त हरियाणा बनाना हमारा संकल्प है। इसके लिए सरकार के साथ-साथ युवाओं, अभिभावकों और सामाजिक संस्थाओं को साथ मिलकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

इसी उद्देश्य के साथ शुरू की गई ड्रग-फ्री हरियाणा साइक्ल-ोथॉन 2.0 यात्रा प्रत्येक घर-परिवार को नशे से बचाने और प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही

है।मुख्यमंत्री आज फरीदाबाद में ड्रग-फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 को झंडी दिखाकर रवाना करने के दौरान उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर हाथ हिलाकर साइकिलिस्ट के जोश को दोगुना कर दिया।उन्होंने कहा कि यह यात्रा जिस सार्थक संदेश के साथ आगे बढ़ रही है और प्रत्येक गांव व शहर में इसके प्रति युवा शक्ति में जो उत्साह है, उससे स्पष्ट है कि नशे से बचने के प्रति जागरूकता लाने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।उन्होंने कहा कि आज जब हम विकसित हरियाणा-विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमें हर उस स्थिति से लड़ना है, जो समाज को पीछे धकेलती है। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो सिर्फ व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार को खोखला करती है।

यह एक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक समस्या है। नशा हमारे युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर ले जाता है। इसी अंधकार को मिटाने के लिए सरकार ने यह जागरूकता यात्रा चलाई है।उन्होंने उम्मीद जताई कि यह यात्रा नशा मुक्त हरियाणा-हमारा सपना, हमारा संकल्प को सार्थक बनाने की दिशा में तथा प्रदेश के लोगों खासकर युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता पैदा करने में सफल साबित होगी।

बेटी बचाओ अभियान नहीं बल्कि राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए : सैलजा

सिरसा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में सामने आ रहे कन्या भ्रूण हत्या के मामला हमारी व्यवस्था, कानून और सामाजिक चेतना की गंभीर विफलता को उजागर करते है। जहां बेटियों को जन्म से पहले ही मिटा देने का सौदा खुलेआम हो रहा हो, वहां 'बेटी बचाओ' केवल एक नारा बनकर रह जाता है। कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार ने अनुरोध किया है कि इस अमानवीय रैकेट की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों को विधिसम्मत कठोरतम सजा दी जाए। 'बेटी बचाओ' एक अभियान नहीं, एक राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में फिलहाल जन्म के समय लिंगानुपात 910 है, जो 2019

के 923 के मुकाबले 08 साल का सबसे कम स्तर है। 2024 में 516,402 बच्चों में से 52.35 प्रतिशत लड़के और 47.64 प्रतिशत लड़कियां पैदा हुई हैं।उन्होंने कहा कि हरि की भूमि हरियाणा के पानीपत से ही बेटी बचाओं बेटी पढाओं का नारा दिया गया था, आज प्रशासनिक उपेक्षा के चलते यह सिर्फ नारा ही बनकर रह गया है क्योंकि लिंगानुपात में व्यापक सुधार नहीं दिख रहा है। लिंगानुपात में उतार-चढ़ाव इस बात की ओर संकेत कर रहा है कि कही न कही कुछ तो गड़बड़ हो रही है। लिंग जांच का धंधा हरियाणा में तेजी पकड़ता जा रहा है पर पड़ोसी राज्यों में आज भी जारी है।हरियाणा की गर्भवती महिलाओं को पडोसी राज्यों में ले जाकर भ्रूण के लिंग की जांच करवाई जा रही है, लड़की होने पर गर्भपात भी करवाया जा रहा है। 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत की भूमि से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू किया था पर 2020 के बाद से लगातार लिंगानुपात में गिरावट जारी है। लिंग निर्धारण रैकेट चलाने वालों ने इस खेल को आगे बढ़ाया है और विशेष पीएनडीटी टीमें और पुलिस अधिकारी खुद को इनके पीछे ही पाते हैं।

तेज आंधी और वज्रपात ने बरपाया कहर

महिला–बच्चों समेत 36 लोगों की गई जान

पटना (एजेंसियां)।
पटना समेत पूरे बिहार में तेज आंधी और बारिश हुई। इसमें 24 घंटा के अंदर कुल 36 लोगों की मौत हुई, जिसमें बच्चे, महिला और पुरुष शामिल हैं। सबसे अधिक मौत नालंदा में हुई हैं। गुरूवार को पेड़, दीवार और पुल गिरने से 21 लोगों की मौत हुई हैं, जबकि एक की मौत ठनका गिरने से हुई है।

तबाही बन कर आये तूफान ने भोजपुर जिले में चार लोगों की जान ले ली, जिसमे दो मासूम बच्चे है, एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। पहली घटना चौरी थाना क्षेत्र के चौरी गांव की है, जहां आंधी–बारिश के दौरान पुरानी दीवार गिर गई। उस मलबे में दबकर दादी–पोते की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से मलबे को हटाया और दोनों लाशों को बाहर निकाला। मृतकों में चौरी थाना क्षेत्र के चौरी गांव वार्ड नंबर–12 निवासी बालदेव राम की 50 वर्षीय पत्नी कौशल्या देवी और विनय राम का 9 वर्षीय बेटा अंकित कुमार शामिल है। दोनों रिश्ते में दादी–पोता लगते हैं। मृत छात्र अंकित कुमार तीसरी कक्षा का छात्र था।

दूसरी घटना भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के पियनिया गांव के शीतलपुर बधार स्थित आहर के समीप की है। बताया गया कि शाम तेज आंधी और

बारिश के दौरान ठनका गिरने से ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बजरुआं गांव निवासी राम दयालू पासवान के 58 वर्षीय पुत्र कामेश्वर पासवान है। वह पेशे से ट्रैक्टर चालक थे।

तीसरी घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर बलुआ गांव में हुई। यहां तेज आंधी और पानी के दौरान ताड़ का पेड़ गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। इलाज के दौरान आरा शहर के धनुपरा स्थित प्राइवेट अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया।

घटना का शिकार बच्चा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर बलुआ गांव के रहने वाले सुभाष गोड़ का बेटा था। मृत बच्चे की पहचान 14 साल के नीतीश कुमार के रूप में हुई है।

दरभंगा जिले सोनकी थानाक्षेत्र के खोजकीपुर में गुरुवार की शाम बारिश के दौरान वज्रपात होने से एक लड़की की मौत हो गई। मृतका की पहचान इंद्रजीत मंडल की पुत्री काजल कुमारी (13) के रूप में की गई है। परिजनों का कहना है कि वह अपने मवेशी के लिए खेत में घास काटने गई थी, जहां घने बादल के बीच तेज बारिश होने लगी। काजल आस–पास में कहीं छुप पाती उससे पहले अचानक हुए वज्रपात के चपेट में आ गई, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

गुरुवार की संध्या हुई तेज आंधी बारिश से भारी नुकसान हुआ है। नवादा में तेज आंधी–तूफान और बारिश ने तबाही मचाई है। आकाशीय बिजली गिरने से अकबरपुर प्रखंड के हनुमानगढ़ निवासी 52 साल के राजकुमार प्रसाद की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह अपने घर जा रहे थे। किसानों के तैयार गेंहू का फसल पानी में डूब गया है। मध्यमवर्गीय किसानों का 60% गेंहू की फसल खेत में था जो पानी में डूब गया।

सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले में आंधी–बारिश ने मचाई तबाही

23 लोगों ने गंवाई अपनी जान

नालंदा (एजेंसियां)।
नालंदा में आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। इसमें कुल 23 लोगों की मौत हो गई।

नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि गुरुवार को जिले में आई भीषण आंधी–तूफान और बारिश के चलते अब तक कुल 23 लोगों की मौत हुई। इनमें 22 लोगों ने पेड़ गिरने या दीवार ढहने के कारण अपनी जान गंवाई। वहीं एक की मौत वज्रपात से हुई है। सभी मृतकों का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। इसके अलावा पांच मवेशियों की भी मौत हो गई है।कुछ छोटे जानवरों की भी मौत या चोट की खबर है, जिनकी स्थिति की जांच के बाद सहायता दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि सीएम नीतीश कुमार के निर्देश पर मरने वालों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि का भुगतान शुरू कर दिया गया है। कई लोगों को राशि मिल चुकी है, शेष को आज दोपहर तक दे दी जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि आंधी और बारिश के कारण जो भी क्षति हुई है, उसके आंकलन के लिए एक टीम का गठन किया गया है। यह टीम नुकसान का आकलन करने में जुट गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद सरकारी नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आंधी से 18 किलोमीटर से अधिक विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं और 300 से ज्यादा पोल गिर गए हैं। कई ट्रांसफार्मर भी टूटे हैं। विद्युत विभाग की 42 टीमें कार्य में जुटी हैं। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली बहाल हो चुकी है, बाकी क्षेत्रों में कार्य जारी है। शाम तक सभी मुख्य और उपमार्गों से पेड़ हटा दिए जाएंगे और बिजली आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में पानी की आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए रात में शहर में 10 जेनरेटर लगाए गए थे और दिन में और जेनरेटर तैनात किए जा रहे हैं। डीएम ने स्पष्ट किया कि गृह क्षति का मुआवजा दिया जाता है, न कि व्यवसाय की क्षति का। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि राहत और पुनर्वास कार्य पूरी तत्परता से किए जा रहे हैं और किसी भी जरूरतमंद को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

जाति जनगणना पर सर्वसम्मति से लिया जाएगा निर्णय: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा है कि जाति जनगणना रिपोर्ट पर सभी की राय लेने के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि रिपोर्ट पेश करने की समय सीमा तय कर दी गई है। कोई नहीं जानता कि रिपोर्ट में क्या है और क्या गायब है। पहले यह बात उजागर हो जाने दीजिए। फिर सबके साथ चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभी यह कहना असंभव है कि निर्णय क्या होगा। उन्होंने कहा कि एक बार रिपोर्ट के तत्व सामने आ जाएं तो विधानमंडल का सत्र बुलाकर उस पर चर्चा करना संभव

हो जाएगा। यह सही नहीं है कि 169 करोड़ की लागत से तैयार की गई रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया और इसे अवैज्ञानिक बताकर आलोचना की गई। आइये सबसे पहले रिपोर्ट के बिंदुओं पर चर्चा करें। उन्होंने कहा कि इसके पक्ष और विपक्ष पर चर्चा होनी चाहिए तथा विधायिका में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी राय व्यक्त करने का स्वतंत्र अवसर मिलना चाहिए।

पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर अब सीएम की चुप्पी नहीं चलेगी : सचिन पायलट

पटना (एजेंसियां)।
पटना में कांग्रेस पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में शामिल होने के लिए राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट शुक्रवार को पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पटना के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में सचिन पायलट ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में गरीबी चरम पर है। बिहार में कई सरकारें आईं, लेकिन युवाओं को रोजगार देने के वादे पूरे नहीं हुए। इसीलिए पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर अब सीएम नीतीश कुमार की चुप्पी नहीं चलेगी।

सचिन पायलट ने कहा कि यह केवल कांग्रेस का मुद्दा नहीं है, बल्कि हर उस युवा का मुद्दा है जो रोजगार की तलाश में पलायन करने को मजबूर है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपील की कि वे पलायन के कारणों को गंभीरता से लें और इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाएं। सचिन पायलट ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 11 सालों से मोदी सरकार और 20 सालों से नीतीश कुमार की सरकार है, इसलिए उन्हें जवाबदेही निभानी चाहिए।

बैग में शराब लेकर स्कूल पहुंचा शिक्षक ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा जिले में एक बार फिर शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। चंडी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में पदस्थापित पंचायत शिक्षक अमरेंद्र कुमार शराब के नशे में स्कूल पहुंचा, वह भी अपने बैग में देसी शराब का पाउच लेकर। इस पूरे मामले का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें ग्रामीण शिक्षक के बैग से शराब बरामद करते नजर आ रहे हैं।

ग्रामीणों को जैसे ही भनक लगी कि शिक्षक अमरेंद्र कुमार आज भी नशे की हालत में स्कूल आया है, वे तुरंत स्कूल पहुंच गए। वहां उन्होंने शिक्षक के बैग की तलाशी ली और उसमें से देसी शराब का पाउच बरामद किया। इसके बाद ग्रामीणों ने डायल 112 को सूचना दी और मौके पर पहुंची पुलिस को शिक्षक को सौंप दिया।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब शिक्षक अमरेंद्र कुमार शराब पीकर स्कूल आया हो। इससे पहले भी वह कई बार नशे की हालत में स्कूल आता रहा है। ग्रामीणों ने उसे कई बार समझाने और चेतावनी देने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आया। स्कूल में बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ होता देख ग्रामीणों का गुस्सा इस बार फूट पड़ा और उन्होंने शिक्षक को रंगेहाथ पकड़ लिया।

प्राथमिक विद्यालय रामपुर के प्रधानाध्यापक विद्यानंद निराला ने भी शिक्षक अमरेंद्र कुमार के व्यवहार की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अमरेंद्र कुमार 2022 से विद्यालय में पंचायत शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं और मूल रूप से बिहार शरीफ के पतुआना के निवासी हैं। प्रधानाध्यापक के अनुसार, वह पहले भी शराब पीकर स्कूल आते रहे हैं और हाल ही में वे पिछले चार दिनों से बिना किसी सूचना के स्कूल से भी गायब थे।

ग्रामीणों द्वारा बुलाई गई डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और शिक्षक को हिरासत में ले लिया। फिलहाल उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, चंडी थाना अध्यक्ष से इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

चोरों ने 34 पोल से उड़ाए 440 वोल्ट बिजली के तार, 15 गांवों की बत्ती गुल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर जिले में चोरों ने बिजली विभाग को खुली चुनौती दे डाली है। आंधी, बारिश और तेज हवा के बीच चोरों ने मुशहरी प्रखंड क्षेत्र के नरसिंहपुर पंचायत में 34 पोल पर लगे करीब तीन किलोमीटर लंबाई के 440 वोल्ट के हाईटेंशन तार काटकर चुरा लिए। इस बड़ी वारदात की विभाग को भनक तक नहीं लगी और जब तक ग्रामीणों ने आक्रोश जताया, तब तक चोर अपना काम करके निकल चुके थे।

यह घटना तब सामने आई जब एकाएक पंचायत के पंद्रह गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। जब स्थानीय लोगों ने बिजली कटने की शिकायत की

तो पहले तो विभाग ने इसे सामान्य तकनीकी गड़बड़ी बताया। लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी बिजली बहाल नहीं हुई, तब जाकर पूरे मामले की सच्चाई सामने आई।

चोरी की इस वारदात को अंजाम देने वाले चोर बेहद शातिर निकले। उन्होंने तार की कटिंग गांव की ओर से फीडर की ओर करते हुए की ताकि जब तक सप्लाई फीडर से आ रही हो, विभाग को इसका कोई शक न हो। इससे साफ होता है कि चोरों को न केवल तकनीकी जानकारी थी, बल्कि उन्होंने पूरी योजना के तहत इस वारदात को अंजाम दिया।

यह इलाका बिजली तार चोरी के लिए पहले भी चर्चा में आ चुका है। करीब पांच साल पहले भी इसी क्षेत्र में 19 पोल से बिजली के तार काट लिए गए थे। तब भी विभाग की ओर से कोई विशेष सतर्कता नहीं बरती गई थी। अब फिर से लगभग दोगुने पैमाने पर चोरी की इस घटना ने विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय ग्रामीण और समाजसेवी मोहम्मद अलाम ने कहा कि इतनी बड़ी चोरी हो गई और विभाग को इसकी खबर तक नहीं हुई। अगर समय रहते बिजली कटने पर विभाग सक्रिय होता, तो शायद चोरों को पकड़ा भी जा सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि जब रात में लाइनमैन को फोन किया गया, तो उसने बताया कि बिजली चालू है। लेकिन जब कुछ घंटे बाद फिर से कॉल किया गया, तो उसका मोबाइल बंद मिला। बाद में जेई को सूचित किया गया, तब जाकर विभाग की नींद टूटी।

ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश और दबाव को देखते हुए विभाग ने फिलहाल तरॉरा फीडर से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है, जिससे अस्थाई रूप से बिजली की समस्या का समाधान हुआ है। लेकिन जिस तरह से विभाग को इतनी बड़ी वारदात की जानकारी ही नहीं हो सकी, उससे विभाग की सतर्कता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

हाई वोल्टेज तार गिरने से महिला की मौत, दो मवेशियों की भी गई जान

किशनगंज (एजेंसियां)।
किशनगंज जिले में बिजली विभाग की घोर लापरवाही ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी। कोचाधामन थाना क्षेत्र के बगलबाड़ी पंचायत वार्ड–12 में शुक्रवार की सुबह उस समय कोहराम मच गया जब 11 हजार वोल्ट का हाई टेंशन तार टूटकर एक घर पर गिर गया। हादसे में 35 वर्षीय महिला अंजू देवी की मौके पर ही मौत हो गई, साथ ही घर के दो मवेशी भी झुलसकर मर गए। यह हादसा न केवल एक महिला की जान ले गया, बल्कि चार मासूम बच्चों से उनकी मां का साया भी छीन लिया।

जानकारी के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब अंजू देवी किसी कार्य से घर से बाहर निकली थीं। उसी दौरान घर के ऊपर से गुजर रहा हाई वोल्टेज तार अचानक टूटकर गिर गया। बताया जा रहा है कि जब अंजू देवी ने देखा कि

तार गिरा है और बच्चे बाहर खेल रहे हैं, तो वह उन्हें बचाने दौड़ीं। लेकिन खुद ही करंट की चपेट में आ गईं और कुछ ही क्षणों में उनकी मौत हो गई। उनके साथ मौजूद दो मवेशी भी मौके पर ही झुलसकर दम तोड़ बैठे।

अंजू देवी के पति शनिचर्य वर्तमान में विदेश में कार्यरत हैं। ऐसे में घर की जिम्मेदारी पूरी तरह उन्हीं के कंधों पर थी। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सबसे अधिक पीड़ा उन मासूम बच्चों को है, जिनके सिर से मां का साया उठ गया। गांव में मातम का माहौल है और हर कोई इस दुखद हादसे से स्तब्ध है।

हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मस्तान चौक के पास सड़क को जाम कर दिया और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और मृतक परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य नासिक नादिर और कोचाधामन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा–बुझा कर शांत कराया।थाना अध्यक्ष रंजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल किशनगंज भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और जांच की जा रही है कि लापरवाही किन स्तरों पर हुई है।

वहीं, बगलबाड़ी पंचायत के मुखिया ने बताया कि गांव के लगभग नौ घरों के ऊपर से 11 हजार वोल्ट की लाइन गुजर रही है। इस खतरनाक स्थिति के बारे में कई बार बिजली विभाग को लिखित रूप में आवेदन देकर सूचित किया गया, लेकिन न तो कोई मुआयना हुआ और न ही तार हटाए गए।

मुखिया ने जिलाधिकारी से इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है।

राजद विधायक की मुश्किलें बढ़ीं पुलिस और एसटीएफ ने की छापेमारी

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में इसी साल विधान सभा चुनाव होने हैं, लेकिन इससे पहले राजनीति के अलग–अलग रंग देखने के लिए मिल रहे हैं। आज पटना में प्रशांत किशोर की सभा हो रही है, वहीं कन्हैया कुमार की

सीएम हाउस की ओर पदयात्रा थी। हालांकि पुलिस ने उनके इरादों को फिलहाल चकनाचूर कर दिया है, लेकिन इससे हटकर एक और खबर यह है कि राजद विधायक और बाहुबली नेता रीतलाल यादव के घर पर आज शुक्रवार को पटना पुलिस और एसटीएफ छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी उनके दानापुर स्थित आवास पर हुई है, जिसके बाद सियासी गलियारों में हड़कंप मच गया है। विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस छापेमारी से राजद में बहुत बड़ी नाराजगी है। पुलिस का कहना है कि यह छापेमारी उनके खिलाफ रंगदारी से जुड़े एक मामले की शिकायत मिलने के बाद की गई है। पुलिस का कयह भी कहना है कि रीतलाल यादव के खिलाफ 33 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, रंगदारी और अपहरण जैसे संगीन आरोप शामिल हैं।

बताया जाता है कि रीतलाल यादव का नाम विवादों और आपराधिक मामलों से जुड़ा रहा है। वर्ष 2003 में भाजपा नेता सत्यनारायण सिन्हा की हत्या के मामले में भी उनका नाम चर्चा में आया था। बाद में सत्यनारायण सिन्हा की पत्नी आशा सिन्हा ने भाजपा से चुनाव लड़ा और विधायक बनीं। फिर 2016 में जेल में रहते हुए भी रीतलाल यादव भी एमएलसी का चुनाव लड़े थे, जिसमें उनकी जीत हुई थी। फिर 2020 में राजद ने उनको टिकट पर दानापुर से विधानसभा चुनाव लड़ाया जिसमें उन्होंने आशा सिन्हा को हराकर विधायक बने।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com